आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शनिवार
26 अप्रैल 2025
वर्ष: 38, अंक: 146
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश
पाकिस्तान समर्थक भावनाएं भड़काने के आरोप में असम में छह लोग गिरफ्तार...

झारखंड
इटखोरी में मुस्लिम समुदाय ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के प्रति जताया विरोध

हज़ारीबाग
फैक्ट्रियों द्वारा वायु प्रदुषण का प्रकोप के कारण जन जीवन प्रभावित हो जाने को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

नौशाद ही नहीं फॉलोवर्स की भी हो रही जांच, घर-घर तलाशी ले रही आईबी और स्पेशल ब्रांच संयुक्त

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। पहलगाम आतंकी हमले पर जश्न मनाते हुए पाकिस्तान और लश्करे तैयबा को बधाई देने वाले नौशाद को जेल भेजा गया है। गुरुवार को एसआईटी प्रमुख इंस्पेक्टर नवीन सिंह ने मकदुमपुर के मिल्लत नगर स्थित नौशाद के घर पर घंटों जांच-पड़ताल की और कई सबूत जुटाए गए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर जश्न मनाते हुए पाकिस्तान और लश्करे तैयबा को बधाई देने वाले नौशाद को जेल भेजा गया है। गुरुवार को एसआईटी प्रमुख इंस्पेक्टर नवीन सिंह ने मकदुमपुर के मिल्लत नगर स्थित नौशाद के घर पर घंटों जांच-पड़ताल की और कई सबूत जुटाए। इधर, एटीएस भी नौशाद से जुड़े डिजिटल साक्ष्य जुटाकर रांची लौट गई। पुलिस हेडक्वाटर के निर्देश पर बालीडीह एसआईटी, झारखंड एटीएस, टेक्निकल सेल, आईबी और स्पेशल ब्रांच संयुक्त रूप से आतंक से जुड़े तार को खंगालने में जुटी हुई हैं।

सोशल मीडिया पर नौशाद के फॉलोअर्स को भी खंगाला जा रहा है। प्रारंभिक जांच में अंतरराष्ट्रीय सीमा तक कई संदिग्ध फॉलोअर्स मिले हैं, जिनकी पृष्ठभूमि खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आतंकी हमले में मृत लोगों की मौत पर जश्न मनाते हुए आतंकी संगठन लश्करे तैयबा व पाकिस्तान को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बधाई देना आरोपी के कट्टरपंथ को दर्शाता है। इसपर पुलिस व खुफिया एजेंसी हर पहलु पर जांच कर रही है।

पुलिस के लिए देश के अंदर नौशाद जैसी सोच रखने वाले लोगों को चिह्नित करना फिलहाल बड़ी चुनौती बन गई है। इसी चुनौती से निपटने के लिए एसपी मनोज स्वर्गियारी के निर्देश पर बोकारो पुलिस की टेक्निकल सेल 53 संदिग्ध अकाउंट को खंगाल रही है। इससे पूर्व आतंकियों का झारखंड मॉड्यूल सामने आ चुका है। ऐसे में ताजा जांच से आतंकी संगठन से जुड़े कई स्लीपर सेल सामने आ सकते हैं, जो आम लोगों के बीच रहकर आतंक व आतंक के समर्थन में लगे हुए है।

सहारनपुर जाएगी एसआईटी : एसआईटी अनुसंधान के क्रम में कट्टरपंथी सोच रखने वाले नौशाद की गतिविधियों को खंगालने के लिए यूपी के सहारनपुर भी जाएगी। नौशाद ने बोकारो की मखदुमपुर मस्जिद में आठ वर्ष की उम्र तक तालीम हासिल करने के बाद मदरसा रहमानिया बंदयू चन्द्रपुरा में वर्ष 1999 से 2001 तक, मदरसा हुसेनिया पेलावर हजारीबाग में वर्ष 2002 तक व मदरसा रियाजुल उलुम पाथरडीह धनबाद में वर्ष 2003 से 2005 तक धार्मिक तालीम हासिल की थी।

इसके बाद यूपी सहारनपुर के मदरसा दारूल उलुम वक्फ देवबंध में 2007 से 2012 तक तालीम हासिल कर मुफ्ती बना। फिर इस्लामिक लॉयर का चोला पहनकर लंबे समय तक पश्चिम बंगाल, बिहार, यूपी, झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में घूमता रहा। एसआईटी जांच के दायरे में वो तमाम मदरसे हैं, जहां उसने तालीम हासिल की। इसके अलावा पासपोर्ट, आधार, पैन, बैंक अकाउंट की भी जांच की जा रही है।

पहलगाम टेरर अटैक के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय के जारी हाई अलर्ट को देखते हुए बोकारो पुलिस भी हाई अलर्ट पर है। जिले से सटे इंटरस्टेट बॉर्डर पर चौकसी बढ़ा दी गई है। रेलवे, हाईवे, इंडस्ट्रीज की सुरक्षा बढ़ाते हुए हर संदिग्ध हरकत पर नजर रखी जा रही है। खुफिया एजेंसियों से सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। साथ ही सोशल नेटवर्क साइट पर

बोकारो। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की तीन सदस्यीय टीम गुरुवार को बालीडीह थाना पहुंची। आईबी डीएसपी के नेतृत्व में पहुंची टीम ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह से जानकारी हासिल की। ताजा घटनाक्रम में बोकारो की स्थिति का आकलन किया। पुलिस की मानें तो ठोस साक्ष्य मिलने के बाद आईबी की टीम पहुंची है। इधर आगे बोकारो पुलिस की टेक्निकल टीम भी आतंकी नेटवर्क की तलाश में जुट गई है।

इरफान की संगत में मंत्री सुदिव्य मानसिक संतुलन खो रहेः सीपी सिंह

संवाददाता द्वारा

रांचीः रांची के विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता सी.पी. सिंह ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के हालिया बयानों पर कटाक्ष करते हुए सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने लिखा कि मंत्री सुदिव्य सोनू एक गंभीर राजनेता हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश डॉ. इरफान अंसारी जैसे विवादास्पद और हिन्दू विरोधी छवि वाले नेताओं की संगति में आकर वे भी अपना मानसिक संतुलन खोते नज़र आ रहे हैं. सी.पी. सिंह ने आगे लिखा कि पहले उन्होंने पहलगाम हमले के बाद हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से इस्तीफे की मांग की और अब महबूबा मुफ्ती को जम्मू-कश्मीर का वर्तमान मुख्यमंत्री बता रहे हैं, जबकि वह इस पद पर नहीं हैं. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि डॉ. इरफान अंसारी जैसे 'फूहड़' नेताओं की संगति का असर अब सुदिव्य सोनू के बयानों में भी साफ़ दिखाई दे रहा है.सी.पी. सिंह ने सवाल उठाते हुए लिखा, क्या अब इस फैलाए गए रायते को समेटने के लिए एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस की जरूरत पड़ेगी.

सिविल जज की नियुक्ति का रास्ता साफ, 4 महीने में परिणाम जारी करने का निर्देश

संवाददाता द्वारा

रांचीः हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ में सिविल जज जूनियर डिवीजन के पीटी (प्रारंभिक परीक्षा) का परिणाम जारी करने को लेकर दाखिल याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने जेपीएससी को 98 प्रश्नों के आधार पर चार माह में पीटी का परिणाम जारी करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने माना है कि पीटी का जो आंसर शीट जारी किया गया था उसमें दो प्रश्न गलत थे।

अब इस आधार पर जारी होगा रिजल्ट : कोर्ट ने जेपीएससी को 98 सवालों के आधार पर परिणाम जारी करने का निर्देश दिया। इस संबंध में प्रार्थी नमिता राज एवं अन्य ने याचिका दाखिल की थी।

प्रार्थी की ओर से कहा गया था कि आयोग ने जो आंसर- की जारी किया है उसमें कई खामी है। इन खामियों को दूर कर परिणाम प्रकाशित किया जाए। आयोग की ओर से दिए गए दो प्रश्नों का उत्तर गलत है।

2023 में निकली थी भर्ती : बता दें कि वर्ष 2023 में सिविल जज जूनियर डिवीजन में नियुक्ति के लिए जेपीएससी ने विज्ञापन निकाला था। वर्ष 2024 में परीक्षा ली गई। इसके बा बाद आंसर शीट जारी किया गया। अभ्यर्थियों ने उसमें खामी बताते हुए आयोग से शिकायत की, लेकिन आयोग ने शिकायत नहीं सुनी। इसके बाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई।

कोर्ट ने सरकार से कहा- जल्द करे लीगल अफसर की नियुक्ति

दूसरी ओर, हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में रांची नगर निगम में नक्शा पास करने की प्रक्रिया बंद होने के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने रांची नगर निगम और आरआरडीए में चार माह से नक्शा पास नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई और सरकार को रांची नगर के लीगल अफसर की नियुक्ति जल्द करने का निर्देश दिया। अदालत ने मौखिक कहा कि चार माह से नक्शा पास करने का काम बंद है। आम जनता परेशान है। लीगल अफसर की नियुक्ति अब तक क्यों नहीं की गई। मामले में अगली सुनवाई छह मई को होगी।

बिलासपुर का रेलवे अफसर व उसका परिवार 32 लाख घूस लेते रांची में धराया

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः सीबीआई ने साउथ इस्ट सेंट्रल रेलवे के चीफ इंजीनियर और उसके पारिवारिक सदस्यों सहित चार को 32 लाख रुपये घूस लेते गिरफ़्तार किया है. गिरफ़्तार किये गये लोगों में दो व्यक्ति निजी कंपनी से संबंधित हैं. घूसखोरी के इस मामले में सीबीआई ने रांची, छत्तीसगढ़ में छापामारी की. छापामारी के दौरान विभिन्न प्रकार की गड़बड़ी से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये हैं. छापामारी अभी जारी है. सीबीआई को को साउथ इस्ट सेंट्रल रेलवे में रेलवे ओवरब्रिज और अंडरब्रिज के ठेके में निजी कंपनी से पैसा लेकर फायदा पहुंचाये जाने की शिकायत मिली थी. इस शिकायत की जांच के बाद सीबीआई ने चार लोगों के ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज की थी. मामले की जांच में पाया गया कि रेलवे में ठेकेदारी करने वाली इस कंपनी ने एमडी ने 21 अप्रैल को अपने बेटे को यह सूचना भेजी कि वह चीफ इंजीनियर के निर्देश के आलोक में वह बिलासपुर स्थित उसके दफ्तर में उससे मिलने जा रहा है.

चीफ इंजीनियर के साथ मिटिंग के बाद कंपनी के एमडी ने अपने बेटे को यह सूचना भेजी की बैठक में सारी बाते तय हो गयी हैं. कंपनी के लंबित मामले को निपटाने के लिए घूस के तौर 32 लाख रुपये देने पर सहमति बनी है.

फिर चूके झारखंड के मंत्री महोदयः महबूबा को बताया सीएम, पहलगाम मृतकों की संख्या भी भूले!

संवाददाता द्वारा

रांचीः एक होते हैं आम मंत्री, मीडिया के सवालों पर साधारण प्रतिक्रिया देकर अपना काम खत्म किया. एक होते हैं जो साधारण प्रतिक्रिया में अपनी असाधारण बातों को रखने से पीछे नहीं हटते हैं. लेकिन एक हैं झारखंड के अनोखे मंत्री, जिनकी जुबान से अनोखी बातों का सिलसिला आजकल चल पड़ा है. गुरुवार को लोहरदगा से शुरू हुआ सिलसिला रांची में उनकी प्रेस वार्ता तक जारी रहा. इन सिलसिलेवार बयानों को सुनें और समझें तो मंत्री सुदिव्य कुमार को अनोखे लाल कहना शायद गलत नहीं होगा.

लोहरदगा में पहलगाम आतंकी हमले पर हिमाचल प्रदेश के सीएम से इस्तीफे की मांग कर दी थी. हालांकि शुक्रवार को रांची में प्रेस वार्ता में वो मीडिया के सामने अपने बयान पर कायम रहे. साथ ही उनके द्वारा बोले गये वाक्यों के मतलब को समझाने का प्रयास किया. इसी सवाल जवाब के चक्कर में मंत्री ने एक और अनोखा बयान दे दिया है. जिसको लेकर एक बार से उनके बयान और मंत्री खुद चर्चा में आ गये हैं.

पहलगाम आतंकी हमले की घटना के बाद से पूरे देश में आक्रोश है. पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की मांग हो रही है. पीएम भी बिहार के मधुबनी में कह चुके हैं कि कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे. इस बीच झामुमो कोटे के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के एक बयान से नया विवाद खड़ा हो गया है. उन्होंने पहलगाम घटना के लिए हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू को जिम्मेदार ठहरा कर इस्तीफे की मांग कर दी है. जब सवाल उठे तो सफाई में कहा कि उन्होंने तो कटाक्ष के तौर पर ऐसी बात की थी. लेकिन सफाई देते-देते और विपक्ष के ज्ञान पर सवाल उठाते-उठाते खुद भूल गये कि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री कौन हैं.

झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने हिमाचल के सीएम से इस्तीफा वाले बयान का मतलब समझाने के लिए प्रेस कांफ्रेस बुलाया. साथ ही नैतिकता की दुहाई देते हुए जिक्र किया कि कैसे रेल हादसा होने पर लाल बहादुर शास्त्री और नीतीश कुमार ने रेलमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने यह भी कहा कि 2008 में मुंबई अटैक होने पर शिवराज पाटिल ने गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था. लेकिन इस मामले में असली सवाल कोई उठा ही नहीं रहा है. लिहाजा, उन्हें जानबूझकर कहना पड़ा कि हिमाचल के सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए. फिर उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश है. वहां की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के हाथों में हैं. लिहाजा, पहलगाम जैसी घटना पर वहां की सीएम महबूबा मुफ्ती को जिम्मेवार कैसे ठहराया जा सकता है. जबकि सच तो ये है कि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला है ना कि महबूबा मुफ्ती.

मंत्री सुदिव्य सोनू के इस कथन की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि प्रेस कांफ्रेस के दौरान उन्होंने ज्ञान की बात करते हुए भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय के एक कथन का जिक्र किया था. उन्होंने कहा था कि रवींद्र राय के मुताबिक झारखंड की सीमा अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगी हुई है. उनको सुझाव दिया कि भूगोल का अध्ययन करा देना चाहिए था. उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब पत्रकार नेताओं का काम करने लगें तब नेताओं को पत्रकार का काम करना चाहिए. क्योंकि पत्रकारों ने जवाबदेही का सवाल नहीं पूछा.

जब ज्ञान की बात छिड़ गई है तो यह बताना जरुरी हो जाता है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार पहलगाम हमले में 28 नहीं, बल्कि 26 लोगों की मौत हुई है. इनमें 25 पर्यटक और आदिल हुसैन नाम के घोड़ेवाले समेत कुल 26 लोगों की जान गई है. जबकि मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने अपने प्रेस कांफ्रेंस में कई बार कहा कि पहलगाम में 28 निर्दोष लोगों की हत्या हुई है. लिहाजा, झारखंड की जनता को तय करना है कि उनके कौन से नेता कितने ज्ञानी हैं. अब देखना है कि इस बयान पर मंत्री सुदिव्य क्या सफाई देते हैं.

भारत को अस्थिर करने की साजिश है पहलगाम आतंकी हमला, लेकिन PM मोदी ने... चंपाई सोरेन

संवाददाता द्वारा

रांची। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक चंपाई सोरेन ने तीखी निंदा की है। उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आतंकवाद और इसके समर्थकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। चंपाई सोरेन ने कहा कि, पहलगाम की घटना भारत को अस्थिर करने की एक साजिश है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार ने सही समय पर जवाबी कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देशहित में सभी राजनीतिक दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं, जो सकारात्मक संकेत है।

सिंधु जल संधि को लेकर उन्होंने कहा, जिस जगह से आतंकी आते हैं, उनके खिलाफ उसी स्तर पर कार्रवाई होनी चाहिए। इससे उन्हें अपनी गलती का एहसास होगा और उनकी ताकत कमजोर होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री जो कह रहे हैं, उस पर ठोस कार्रवाई भी करेंगे।

22 अप्रैल को हुए हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त निर्णय लिए हैं। इनमें सबसे प्रमुख निर्णय भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का निर्देश शामिल है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी कि पाकिस्तानियों को जारी वीजा सेवाओं को फिलहाल निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, यह आदेश उन हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों पर लागू नहीं होगा जिन्हें पहले से दीर्घकालिक वीजा (LTV) मिल चुका है।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हुए थे। घायलों में कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हैं। यह हमला देश की सुरक्षा और संप्रभुता पर गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि वे पार्टी ही नहीं बल्कि अपनी विचारधारा भी बदल ली है. आज जिन मुद्दों को चंपाई सोरेन उठा रहे हैं, राज्य के मुख्यमंत्री रहते उन मुद्दों पर उन्होंने क्या किया, यह जनता को बताना चाहिए.

पलामू में अफीम और अंग्रेजों का खास कनेक्शन, जानिए कैसे शुरू हुई खेती

क्राइम संवाददाता द्वारा

पलामूः अफीम की खेती करना प्रतिबंधित है. बावजूद झारखंड राज्य अवैध अफीम की खेती से जूझ रहा है. प्रत्येक वर्ष सैकड़ों एकड़ अफीम की खेती को नष्ट किया जाता है. पलामू और चतरा का इलाका अवैध अफीम की खेती का जनक माना जाता है. पलामू के इलाके में अंग्रेजों के शासनकाल में भी अफीम की खेती होती थी. उस दौर में अफीम की खेती प्रतिबंध नहीं थी. 1902 के बंगाल गजट और 1926 के बिहार-उड़ीसा गजट में अफीम और गांजा को लेकर जिक्र मौजूद है. दोनों गजट में बताया गया है कि अफीम और गांजा की खेती से तत्कालीन सरकार को राजस्व मिलता था और इसके लिए लाइसेंस भी जारी होता था.

1926 के बिहार-उड़ीसा गजट में लिखा गया है कि पलामू के इलाके में अफीम बेचने के लिए नौ दुकान थी. वहीं गांजा बेचने के लिए 22 दुकान मौजूद थी. गांजा दुकान का लाइसेंस पर 39 हजार रुपए, जबकि अफीम की दुकान के लिए 31 हजार रुपए रखा गया था. वहीं 16 हजार रुपए अफीम पर ड्यूटी रखी गई थी. 1902 के सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि तत्कालीन सरकार को पलामू के इलाके से 1901 में अफीम की खेती से 3393 रुपए का राजस्व मिला था. उस दौरान पलामू के इलाके में 800 एकड़ जमीन पर अफीम की खेती होती थी. अफीम की खेती की देख रेख और इससे जुड़े लाइसेंस और जिम्मेदारी एक्साइज डिपार्टमेंट पर थी.

पलामू प्रमंडल में नवंबर 2024 से फरवरी 2025 तक 1348 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट किया गया है. मामले में 32 एफआईआर किए गए हैं और तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. दअरसल नवंबर से फरवरी तक अफीम की खेती का तैयार होने का वक्त है. फरवरी और मार्च के महीने में पौधा से अफीम को निकाला जाता है. मार्च के बाद से अफीम की खरीद बिक्री शुरू हो जाती है. अफीम की खरीद बिक्री के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस ने एक खास योजना भी तैयार किया है.

पलामू, गढ़वा और लातेहार की इलाके में अफीम के नेटवर्क पर निगरानी रखी जा रही है और सभी रास्तों पर हाई अलर्ट रखा गया है. 2024 में अप्रैल महीने में अफीम की कई बड़ी खेप पकड़ी गई थी. अप्रैल 2023 में पलामू पुलिस ने एक ट्रक से 700 किलो अफीम का डोडा जब्त किया था. 2024 में मार्च के अंतिम महीने में अफीम के लाखों की खेप पकड़ी गई थी. मार्च से लेकर सितंबर-अक्टूबर के महीने तक पुलिस की कार्रवाई में अफीम की कई बड़े खेप को पकड़ा गया था. 1348 एकड़ में लगे अफीम के फसल को नष्ट किया गया है. वहीं 32 एफआईआर दर्ज किया गया है. कार्रवाई के दौरान कई बड़े तस्कर पकड़े भी गए हैं. प्रोडक्शन के स्टेज पर अच्छी कार्रवाई हुई है. उसके बावजूद अगर कुछ बच जाता है और ट्रैफिकिंग की बात आती है तो पुलिस कार्रवाई करेगी. पूर्व में भी करवाई किया गया है और इलाके में नजर रखी जा रही है. पुलिस इस बार और अधिक अलर्ट है और सूचना मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी. डीजीपी के निर्देश के बाद पूरे पलामू प्रमंडल में अफीम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है- सुनील भास्कर, आईजी पलामू

अफीम के कारोबार का नेटवर्क कई स्टेट में फैला हुआ है. झारखंड में यूपी, बिहार, हरियाणा और दिल्ली समेत कई राज्यों के अफीम तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज है. प्रोफेसर डीएस श्रीवास्तव बताते हैं कि अंग्रेजों के शासनकाल में भी अफीम की खेती करने वाले और इसका दुकान का संचालन करने वाले पलामू से बाहर के लोग थे. उन्होंने कहा कि उस दौरान भी बाहर के राज्यों को लोग अफीम की खेती करते थे और उसकी खरीद बिक्री में शामिल थे. प्रो डीएस श्रीवास्तव ने कहा कि झारखंड के इलाके में नक्सलियों के प्रभाव के बाद इसकी खेती बढ़ी है.

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के दिन शनिवार को रहेगा राजकीय शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने 26 अप्रैल को कैथोलिक धर्म गुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के दिन पूरे देश में राजकीय शोक मनाये जाने की घोषणा की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय का कहना है कि राजकीय शोक के तहत 26 अप्रैल को पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। इस दिन आधिकारिक तौर पर मनोरंजन का कोई कार्यक्रम नहीं होगा।सरकार ने पोप फ्रांसिस के निधन पर सम्मान स्वरूप तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की थी। उनके निधन के अगले दो दिन 22 और 23 अप्रैल को राजकीय शोक मनाया गया। वहीं 26 अप्रैल को उनके अंतिम संस्कार के दिन अंतिम दिन का शोक रहेगा। उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस का 21 अप्रैल को वेटिकन सिटी के डोमस सैंक्टे मार्थे में निधन हो गया था। वह 88 वर्ष के थे। 26 अप्रैल को पोप फ्रांसिस को रोम में सांता मारिया मैगीगोर के बेसिलिका में दफनाया जाएगा।

पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों पर नहीं लागू होगा वीजा प्रतिबंधः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत सरकार द्वारा हाल ही में पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं रद्द किए जाने के फैसले को अधिक स्पष्ट करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह प्रतिबंध भारत में रह रहे हिंदू शरणार्थियों पर लागू नहीं होगा। मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'भारत सरकार द्वारा दिनांक 24 अप्रैल 2025 को लिए गए वीजा रद्द करने के निर्णय का स्पष्ट उल्लेख यह है कि यह प्रतिबंध उन पाकिस्तानी हिंदू नागरिकों पर लागू नहीं होता जिन्हें पहले से वैध दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) जारी किया गया है।' सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि एलटीवी धारकों के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं, जिससे कि उनके निवास, शिक्षा और चिकित्सा से जुड़े कार्यों में कोई बाधा न आए। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते राजनयिक तनाव के मद्देनजर भारत ने 24 अप्रैल को पाकिस्तानी नागरिकों के लिए नई वीजा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी थीं। इस निर्णय के बाद यह चिंता सामने आई थी कि कहीं इसका प्रभाव उन हिंदू शरणार्थियों पर न पड़े, जो पहले से ही भारत में शांति और सुरक्षा की तलाश में बसे हुए हैं। ऐसे में विदेश मंत्रालय की यह सफाई अब इन समुदायों के लिए राहत का संकेत मानी जा रही है।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली की तैयारी, 26 अप्रैल को बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे के नेतृत्व में 28 अप्रैल को जयपुर में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली को सफल बनाने के लिए जिला कांग्रेस ने 26 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे श्याम सरोवर में एक अति आवश्यक बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीरामजीलाल ओढ़ करेंगे, और इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी इंद्राज गुर्जर, सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व जिला प्रमुख, वर्तमान जिला प्रमुख सहित कांग्रेस के सभी अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, नगर अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, इकाई अध्यक्ष, सभापति, प्रधान, महिला कांग्रेस और उनके कार्यकारिणी के सदस्य और कांग्रेस कार्यकर्ता भी बैठक में शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य रैली की तैयारियों की समीक्षा करना और सभी कार्यकर्ताओं को रैली के सफल आयोजन में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है।

एनआईए अदालत ने की परिवार से बात करने की तहव्वुर राणा की अर्जी खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 26/11 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अर्जी खारिज कर दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मामलों के विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद राणा की अर्जी खारिज कर दी। राणा के वकील ने विशेष एनआईए अदालत के समक्ष अर्जी दायर कर अदालत से उसे अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने कहा था कि उनके परिवार को उनकी चिंता होगी, इसलिए यह उनका मौलिक अधिकार है और उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए। एनआईए ने इसका विरोध करते हुए कहा कि अगर राणा की अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अर्जी मंजूर की जाती है, तो वह मामले से जुड़ी अहम जानकारी साझा कर सकता है। उन्होंने कहा कि जांच इस समय अहम चरण में है और फिलहाल उसे परिजनों से बात करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।विशेष अदालत ने इससे पहले पूरी साजिश का पता लगाने के लिए राणा को 18 दिन की एनआईए हिरासत में रखने की अनुमति दी थी।

पहलगाम हमलाः पाकिस्तान से रिश्ते लगभग समाप्त, सिंधु जल समझौता निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला लिया है। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने, पाकिस्तान के नागरिकों के लिए सार्क वीजा जारी करने पर रोक लगाने और अटारी-वाघा सीमा को बंद करने का निर्णय लिया है। साथ ही पाकिस्तान के उच्चायोग को सीमित करने का भी निर्णय लिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। हमले में 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की आज शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। विदेश सचिव ने

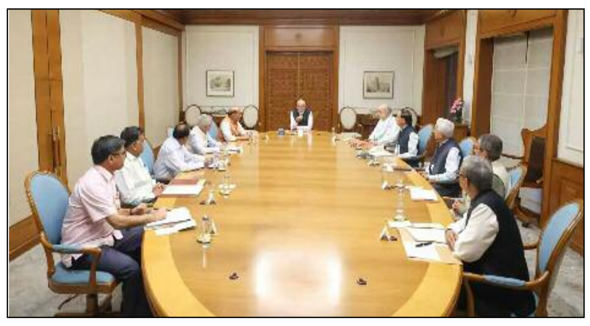

कहा कि इस हमले के बाद, विश्वभर से कई सरकारों ने भारत के प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त की है, जो आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की भावना दर्शाती है। बैठक में इस आतंकी हमले के पाकिस्तानी संबंधों की जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता में सीसीएस के निर्णयों की जानकारी दी। इसके अनुसार, सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएगा, जब तक पाकिस्तान क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का समर्थन छोड़ने की विश्वसनीय और स्थायी प्रतिबद्धता नहीं करता। अटारी चेक पोस्ट को तुरंत बंद किया जाएगा, जो लोग वैध अनुमोदनों के साथ पार कर चुके हैं, उन्हें 01 मई 2025 से पहले लौटने का अवसर दिया जाएगा। पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत आने की अनुमति नहीं होगी। पहले जारी किए गए वीजा रद्द कर दिए गए हैं और वर्तमान में भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ना होगा। पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। इन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। भारत भी इस्लामाबाद में अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। इसके अलावा, उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जो 01 मई 2025 तक प्रभावी होगा। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। भारत आतंकवादियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को जारी रखेगा।

राष्ट्रपति से मिले गृहमंत्री और विदेश मंत्री, पहलगाम हमले पर दिया अपडेट

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने राष्ट्रपति को पहलगाम हमले और देश की सुरक्षा स्थिति की जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने राष्ट्रपति मुर्मु से दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें जारी की हैं। इस बीच, भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने पहलगाम हमले के बारे में विभिन्न देशों के राजदूतों को जानकारी दी। इस बैठक में जर्मनी, जापान, पोलैंड, यूनाइटेड किंगडम और रूस सहित कई देशों के राजदूत शामिल हुए।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि राजदूतों और उच्चायुक्तों को हमले की स्थिति, उसके पीछे के कारण और भारत की सुरक्षा रणनीति के बारे में बताया गया। सूत्रों के अनुसार ब्रीफिंग भारत के साथ सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने में रुचि रखने वाले देशों के लिए थी।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस को दी भावभीनी विदाई

एजेंसी

नई दिल्ल्सी। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस गुरुवार प्रातः अपनी जयपुर यात्रा पूर्ण कर स्वदेश रवाना हुए। इस अवसर पर जयपुर एयरपोर्ट पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

जयपुर से प्रस्थान इस यात्रा का अंतिम चरण था, जिसमें वेंस परिवार ने प्रमुख विरासत स्थलों का भ्रमण किया और भारतीय नेताओं के साथ बातचीत की। एक दिन पहले उन्होंने आगरा में प्रतिष्ठित ताजमहल का दौरा किया था। वेंस 21 अप्रैल को चार दिन की भारत यात्रा पर पहुंचे थे। उनके साथ उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चों इवान, विवेक और मिराबेल भी भारत आए थे। दिल्ली में लैंड होने के बाद वेंस ने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद शाम को पीएम मोदी से मुलाकात की। वेंस सोमवार रात को ही दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना हो गए थे। इसके बाद

उन्होंने मंगलवार को जयपुर में आमेर का किला देखा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने आगरा के ताजमहल का दौरा किया। इसके बाद वापस जयपुर लौटें, जहां से वे वॉशिंगटन के लिए रवाना हुए। तय शेड्यूल के मुताबिक उन्हें जयपुर के सिटी पैलेस का दौरा करना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। दौरा रद्द करने का कोई कारण नहीं बताया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला किया गया।

वीजा रद्द, जल्द से जल्द पाकिस्तान लौटें पाकिस्तानीः भारत

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत ने सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए निर्णयों के बाद आज कहा कि देश में रह रहे सभी पाकिस्तानियों का वीजा 27 अप्रैल और मेडिकल वीजा 29 अप्रैल तक ही वैध रहेगा। यहां मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अब जल्द से जल्द भारत छोड़ देना चाहिए। वहीं पाकिस्तान में रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द स्वदेश लौटने को कहा गया है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सीसीएस द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रभाव से वीजा सेवाएं निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल

तक वैध रहेंगे। भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अब संशोधित वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ देना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सख्त सलाह दी है। साथ ही वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी जल्द से जल्द भारत लौटने की सलाह दी है।

विश्व नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर जताई भारत के साथ एकजुटता

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख दिखाया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से भारत के साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया। जार्डन के किंग और जापान के प्रधानमंत्री ने भी फोन कर हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के लोगों और पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय धरती पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले की कड़ी निंदा की और भारतीयों के साथ पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की बर्बरता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके देश का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। दोनों नेताओं ने आतंकवाद को मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया और इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। जार्डन के किंग अब्दुल्ला इब्न अल-हुसैन ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है कि आतंक के हर रूप की निंदा की जानी चाहिए और इसे किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन नेताओं के साथ बातचीत के दौरान हमले की पृष्ठभूमि, इसके 'सीमापार चरित्र' और आतंकवादी संगठनों की भूमिका पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह हमला किस तरह निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के उद्देश्य से किया गया था और इसमें विदेशी तत्वों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की ओर से यह स्पष्ट संदेश दिया कि ऐसी कायरतापूर्ण घटनाओं का करारा जवाब दिया जाएगा।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने की पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भर्त्सना

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भर्त्सना की है। एनजीटी ने इस दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति संवेदना और श्रद्धांजलि अर्पित की । सभी उपस्थित सदस्यों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय और असामयिक क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पहलगाम में घाटी की झलक पाने के लिए जम्मू-कश्मीर गए अबोध पर्यटकों पर हमला करने की क्रूर घटना की निंदा की जानी चाहिए। एनजीटी ने घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। एनजीटी के सदस्यों, कार्मिकों, अधिवक्ताओं और रजिस्ट्री द्वारा शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

कपिल सिब्बल ने की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग, कहा- हम सरकार के साथ खड़े हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। सभी लोग सरकार के साथ खड़े हैं, क्योंकि यह देश की संप्रभुता पर हमला है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी से अपील करता हूं कि उन्हें संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। इस सत्र में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर चर्चा होनी चाहिए और सरकार को सभी नेताओं से सुझाव लेने चाहिए। सभी लोग सरकार के साथ खड़े हैं, क्योंकि यह देश की संप्रभुता पर हमला है।उन्होंने आगे कहा, मासूम पर्यटकों पर गोली चलाना इंसानियत का काम नहीं है। मैं यही कहूंगा कि आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है और उसका कोई मजहब या धर्म नहीं होता है। पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए अपने मुद्दों को दुनिया के सामने लाने की कोशिश कर रहा है। कपिल सिब्बल ने कहा, संसद के विशेष सत्र में एक सर्वसम्मति के साथ प्रस्ताव पारित किया जाना

चाहिए, जिसके जरिए हमारा देश यह संदेश दे सके कि हम आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमें हर बड़े देश में एक प्रतिनिधिमंडल भेजना चाहिए, जिसमें सरकारी सांसद, विपक्षी सांसद और सरकारी कर्मचारी शामिल हों। इसके जरिए हमें दूसरे देशों को बताना चाहिए कि हमारा क्या रुख है। साथ ही हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बना पाएंगे। सिंधु जल संधि और पाकिस्तान के पीएम के बयान पर सिब्बल ने कहा, ये क्रियाएं और प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं होगा। अब पाकिस्तान के पीएम कह रहे हैं कि यह युद्ध की कार्रवाई होगी। मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन हमें एक दीर्घकालिक समाधान की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी के सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होने पर उन्होंने कहा, अच्छा होता कि वे ऑल पार्टी मीटिंग में हिस्सा लेते, मगर एक सांसद होने के नाते मुझे अच्छा नहीं लगा। शायद प्रधानमंत्री को लगा हो कि बिहार ज्यादा जरूरी हो। वे यहां से भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा संदेश दे सकते थे।

पहलगाम हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि, सर्वदलीय बैठक में रखा गया दो मिनट का मौन

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार की ओर से संसद एनेक्सी भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। उनके लिए बैठक प्रारंभ होने पर दो मिनट का मौन रखा गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में चल रही बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर सरकार की ओर से विषय रखेंगे। इसमें लगभग सभी दलों के प्रमुख नेता शामिल हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए। एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी थोड़ी देर से बैठक में शामिल हुए। उनका कहना था कि गृह मंत्री ने स्वयं फोन कर बैठक में शामिल होने के लिए कहा था। सभी दलों ने राजनीतिक भिन्नताओं से ऊपर उठकर देश की सुरक्षा और एकजुटता को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई है।

मेयर चुनाव का वहिष्कार करेगी आआपा : शैली ओबेरॉय

एजेंसी

नई दिल्ली।आम आदमी पार्टी (आआपा) ने होने वाले दिल्ली के मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव का पूरी तरह से वहिष्कार करने का एलान किया है। पार्टी का कहना है कि उसके पार्षद मेयर और डिप्टी मेयर के लिए कल होने वाले मतदान में भाग नहीं लेंगे। पार्टी ने इस बार इन पदों के लिए कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया है। मुकाबला इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। दिल्ली की पूर्व मेयर शैली ओबेरॉय, नेता सदन मुकेश गोयल और पार्षद अंकुश नारंग ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर बहिष्कार की जानकारी दी। शैली ओबेरॉय ने कहा कि एमसीडी मेयर का चुनाव होने जा रहा है। आआपा शुक्रवार को होने वाले मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव का पूरी तरह से वहिष्कार करेगी। इस बार आआपा मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव में भाग नहीं लेगी। अब दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार होगी। केंद्र व राज्य के अलावा अब एमसीडी में भी भाजपा का बहुमत है। हमें उम्मीद है कि भाजपा जनता से किए अपने सारे वादों को पूरा करेगी और कोई भी बहाना नहीं बनाएगी। आआपा विपक्ष की भूमिका बड़ी रचनात्मक तरीके से निभाएगी और भाजपा को उसकी जवाबदेही तय करेगी। नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में एमसीडी की आआपा की दबाव में कमिश्नर ने इसे लागू नहीं किया। इसके अलावा हमने विभिन्न विभागों के 12 हजार कर्मचारियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास किया और इसके लिए बजट का प्रावधान किया। इसके बाद भी

सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए जो भी योजनाएं लेकर आई, उसे भाजपा के दबाव में निगमायुक्त ने रद्दी की टोकरी में डाल दिया। हम हाउस टैक्स का प्रस्ताव लाए। इसमें दिल्ली की जनता को छूट थी कि 100 गज से कम के मकान का हाउस टैक्स माफ होगा और 100 से 500 वर्ग गज तक का हाउस टैक्स आधा होगा। यह दिल्ली की जनता को बहुत बड़ी राहत देने की बात थी। यह प्रस्ताव हाउस से पास हुआ। इसके बावजूद भाजपा के निगमायुक्त इसपर कुछ नहीं किया। मुकेश गोयल ने कहा कि हमारी पार्टी ने महापौर और उपमहापौर के चुनाव में उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का निर्णय लिया है।

इसलिए आआपा मेयर चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। भाजपा को अब सत्ता मिलने जा रही है। उनका मेयर बनने जा रहा है। दिल्ली की जनता से भाजपा ने जो वादे किए है और जो प्रस्ताव हाउस से पास हुए हैं। उनको लागू करवाने की जिम्मेदारी अब भाजपा की है।

कालकाजी में बुजुर्ग दंपत्ति को दिनदहाड़े बंधक बनाकर लूटपाट, एक गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालकाजी थाना इलाके में दिनदहाड़े बुजुर्ग दंपत्ति को उनके ही घर में बंधक बनाकर लूटपाट करने का मामला सामने आया है। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित बुजुर्ग दंपत्ति का भरोसा जीतने के लिए डिलीवरी ब्वॉय बनकर उनके घर में घुसा था। उसके बाद लूटपाट की पूरी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने वारदात के तीन दिन बाद मामले में मदनपुर खादर निवासी आशीष को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से पुलिस ने एक जोड़ी बालियां व सोने की एक अंगूठी के अलावा 4500 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल

बाइक व आरोपितों के पहने कपड़े बरामद कर लिये हैं। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस को 20 अप्रैल को मामले में शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता बुजुर्ग दंपत्ति ने बताया कि आरोपित ने घर में घुसने के बाद चाकू व नकली बंदूक के बल पर उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद 18 हजार नकद व गहने लूटकर फरार हो गया था। जांच के दौरान पुलिस ने स्थानीय सूत्रों व तकनीकी टीम की मदद से आरोपित की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से पूछताछ में पता चला कि वह शिकायतकर्ता के पड़ोस में चपरासी का काम करता था। उसे पैसों की ज़रूरत थी इसलिए उसने बुजुर्ग दंपत्ति को लूटने की साजिश रची क्योंकि वे अकेले रह रहे थे। उसने टेप से अपनी बाइक का नंबर छिपा दिया। बुजुर्गों को धमकाने के लिए एक नकली बंदूक और चाकू लेकर उसने वारदात को अंजाम दिया। इसके अलावा आरोपित ने मफलर से अपना चेहरा भी ढक रखा था और उंगलियों के निशान छोड़ने से बचने के लिए दस्ताने पहने थे।

संक्षिप्त समाचार

फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की बैठक

● 28 सैलानियों की आतंकियों द्वारा निर्मम हत्या के विरोध में आज हजारीबाग बाजार पूर्णता बंद रहेगा: चेंबर

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। स्थानीय अग्रसेन भवन के सभागार में फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की एक अत्यावश्यक बैठक बुलाई गई बैठक का मुख्य विषय पहलगाम में हुई 28 सैलानियों की आतंकियों द्वारा निर्मम हत्या के विरोध में कल 26 अप्रैल दिन शनिवार को हजारीबाग बाजार पूर्णता बंद रहेगा इस बंद को सभी वर्ग के व्यापारी खाद्यान्न हार्डवेयर किताब स्टेशनरी जूता चप्पल कपड़ा मोबाइल होटल इत्यादि व्यवसाईयों ने अपना पूर्ण समर्थन दिया बैठक में सभी वर्ग के सैकड़ों व्यवसाय उपस्थित थे एवं सभी ने बड़ी-बड़ी से अपनी सहमति एवं अपना विचार दिया बैठक की अध्यक्षता चेंबर के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने किया बैठक में मृत आत्माओं की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया बैठक में मुख्य रूप से नीरज अग्रवाल तारीख राजा साजिद अख्तर हंसराज अग्रवाल विजय लोहिरिया राकेश ठाकुर प्रदीप अग्रवाल मोहम्मद शहजाद मोहम्मद जमाल इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बुद्धिजीवियों ने कैंडल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजली

आदिवासी एक्सप्रेस

बड़कागांव। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा धर्म पूछकर 26 हिंदुओं की हत्या करने को लेकर बड़का गांव के प्रबुद्ध जनों ने विरोध किया एवं घटना की कड़ी निंदा की है। मृतकों के प्रति लोगों ने गुरुवार देर शाम बड़कागांव सूर्य मंदिर से लेकर बड़कागांव मुख्य चौक दैनिक बाजार कुशवाहा मोहल्ला थाना रोड व अन्य चौक चौराहे पर कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की । लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब आतंकवादियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान को कड़ी से कड़ी सबक सिखाने की आवश्यकता है। हम लोग प्रधानमंत्री मोदी से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द आतंकवादियों का खात्मा के साथ पाकिस्तान को कड़ी से कड़ी सबक सिखाएं ।मौके पर मुख्य रूप से मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, श्मशान घाट सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश सिन्हा, विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, पूर्व मुखिया भीखन महतो, उप मुखिया सत्यदेव कुमार, वीरेंद्र प्रसाद, वार्ड सदस्य किशोर कुमार मेहता, झामुमो प्रखंड सचिव सरोज मेहता, पूर्व उप मुखिया नरसिंह प्रसाद, शिबू उर्फ शिव शंकर मेहता, उदय मेहता, अवध किशोर कुमार, सनी कुमार, वासुदेव प्रसाद, तुलसी राणा, कुलदीप कुमार, संजय कुमार, मनीष कुमार, रूपेश कुमार, फागुन महतो के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

निर्भीक व निष्पक्ष पत्रकार के रूप में जाने जाते थे उपेंद्रनाथ मालाकार

● पत्रकार स्वर्गीय उपेंद्र नाथ मालाकार की 8वीं पुण्यतिथि मनाई गई

आदिवासी एक्सप्रेस

बड़कागांव। बड़कागांव के दिवंगत पत्रकार उपेंद्रनाथ मालाकार की आठवीं पुण्यतिथि एसएस चौरसिया रेसीडेंसी स्थित विकास रंजन के आवास में मनाई गई। इसकी अध्यक्षता पत्रकार उग्रसेन गिरी ने किया। जबकि संचालन सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी ने किया. पत्रकारों ने स्वर्गीय मालाकार के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित किया एवं 1 मिनट का मौन धारण किया। पुण्यतिथि के मौके पर पत्रकारों ने उपेंद्रनाथ मालाकार के पत्रकारिता जीवन के कार्यकाल पर प्रकाश डाला. सांसद प्रतिनिधि उमेश दांगी ने कहा कि स्वर्गीय मालाकार एक निर्भीक एवं निडर पत्रकारिता करते हुए क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं का उजागर करते रहते थे. संजय सागर ने कहा कि उपेंद्रनाथ मालाकार अपने जीवन काल में पैदल एवं साइकिल से क्षेत्र की भ्रमण करते हुए समस्याओं एवं समाचार का संकलन करते थे .इनसे आज भी प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। मौके पर पत्रकार उग्रसेन गिरी, उमेश दांगी, शिव शंकर कुमार, संजय सागर, दीपक सिन्हा, पिंटू कुशवाहा, अमित मालाकार,विकास रंजन, दिनेश कुमार ,राज किशोर सोनी, बसंत महतो, अशोक साव, पंकज ठाकुर, वीरेंद्र कुमार ,रंजीत कुमार, मोहम्मद मोईन, जुबेर आलम, शिवनारायण साहू, सहित अन्य लोग शामिल थे. इसके अलावे सोशल मीडिया के माध्यम से पत्रकारों के अलावा जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों ने भी संवेदना व्यक्त की।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई हिंसा नरसंहार के समान, केंद्र सरकार कड़ी कार्रवाई करे : विनोद कुशवाहा

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुई हिंसक घटना को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव विनोद कुशवाहा ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को नरसंहार करार देते हुए केंद्र सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विनोद कुशवाहा ने अपने बयान में कहा कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुआ यह हमला सिर्फ एक आतंकी वारदात नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया एक जघन्य अपराध है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में ऐसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि वहां पर खुफिया तंत्र और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है।

फैक्ट्रियों द्वारा वायु प्रदुषण का प्रकोप के कारण जन जीवन प्रभावित हो जाने को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

● फैक्ट्रीयों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण को लेकर जनप्रतिनिधियों ने भी की आवाज बुलंद ● फैक्ट्रीयों के द्वारा लगातार प्रदूषण फैलाया जा रहा है जिसने पर्यावरण को बर्बाद कर दिया है: पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। सदर प्रखंड अंतर्गत हरहद के ग्रामीण शुक्रवार को समाजसेवी शहबाज अंसारी के नेतृत्व में सैकड़ों की तादाद में समाहरणालय पहुंचे और उपायुक्त हजारीबाग को फैक्ट्रियों द्वारा छोड़ा गया विषैले धुआं के कारण वातावरण दुषित होने एवं वायु प्रदुषण का प्रकोप हो जाने के कारण ग्रामीण जन जीवन प्रभावित हो जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि ग्राम हरहद के बगल ग्राम मरहद में नरसिम्हा आइर्न एंव स्पंज उद्योग प्राइवेट लिमिटेड एवं झारखण्ड सेल्स ऐजंसी प्राइवेट लिमिटेड नाम से दो फैक्ट्रियाँ स्थापित है जो कि ग्राम कुंडील बागी (मरहद) थाना कटकमदाग जिला- हजारीबाग (झारखंड) में स्थापित है। हमारे ग्राम हरहद से यह दोनों फैक्ट्रियाँ की दुरी केवल एक (01) किलोमीटर एंव हमारे ग्राम से इसकी दिशा पश्चिम की ओर है। फैक्ट्री से निकलने वाला विषैला धुंआ आस-पास के ग्रामों में फैल गया है, एवं वायु प्रदुषण हो गया है। जिसके कारण तरह-तरह की बिमारियों का कारण बन रहा है जिसके कारण जन-जीवन काफी प्रभावित हो रहा है, एवं लोगो को कई तरह के समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस गंभीर विषय पर अविलंब कार्यवाही करें, ताकि ग्रामीण-वासीयों का जान-माल की रक्षा हो सकें।

इस गंभीर विषय पर झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, कांग्रेस नेता संजय तिवारी महिला मोर्चा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बेबी देवी एवं प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस कोमल कुमारी ने भी ग्रामीणों की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण की मांग प्रशासन से की। इस विषय पर गंभीरता पूर्वक संज्ञान लेते हुए पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के बारे में उपायुक्त और संबंधित विभाग से कार्रवाई की मांग करते हैं। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हजारीबाग के कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत मरहन्द - कुंडल बागी में स्थापित फैक्ट्रियों के द्वारा लगातार प्रदूषण फैलाया जा रहा है जिसने पर्यावरण को बर्बाद कर दिया है। फैक्ट्री के प्रदूषण से जंगल लगभग खत्म हो चुके हैं आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोग गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। इस मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले को जल्द ही निराकरण किया जाएगा ताकि ग्रामीण शुद्ध हवा एवं पर्यावरण का लाभ उठा सकें।

राज्य का पहला हाई सिक्योरिटी जेल के निर्माण कार्यो का झारखंड के गृह सचिव ने किया निरीक्षण

● जेल का निर्माण 18.20 एकड़ में किया जा रहा है जिसमें 280 कैदियों को रखा जा सकेगा

● हाई सिक्योरिटी जेल सभी आधुनिक सुरक्षा उपकरणों से लैस होगा

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। राज्य का पहला हाई सिक्योरिटी जेल का निर्माण हजारीबाग में किया जा रहा है। राज्य के पहले निर्माणाधीन हाई सिक्योरिटी जेल के निर्माण कार्यो का निरीक्षण आज 25 अप्रैल शुक्रवार को झारखंड के गृह सचिव वंदना दादेल के द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान कारा महानिरीक्षक सुदर्शन मंडल, उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद कुमार सिंह,अपर समाहर्ता संतोष सिंह,जेल अधीक्षक जितेंद्र सिंह, प्रोबेशन पदाधिकारी चंद्रशेखर व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के क्रम में गृह सचिव ने निर्माणाधीन हाई सिक्योरिटी जेल संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर चल रहे निर्माण कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों में लगे अधिकारियों से वार्ता कर निर्माण संबंधी बारीकियों की जानकारी ली। यह जेल हार्डकोर उग्रवादियों और अपराधियों को रखने के लिए बनाई जा रही है, जहां उन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। जेल का निर्माण 18.20 एकड़ में किया जा रहा है जिसमें 280 कैदियों को रखा जा सकेगा। यह झारखंड का पहला हाई सिक्योरिटी जेल होगा। हार्डकोर उग्रवादियों और अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। कैदियों के सेल में बिजली का पॉइंट नहीं होगा।

यह प्रदेश की पहली और देश की विशिष्ट जेल होगी

इस हाई सिक्योरिटी जेल में सेल, बाउण्ड्री वाल, कार्यालय, अस्पताल, अधीक्षक आवास, कारापाल आवास, सहायक कारपाल आवास, चिकित्सक आवास, वार्ड, पाकशाला, बाह्य बाउण्ड्री वाल, पारा चिकित्सा कर्मी आवास, कम्प्यूटर ऑपरेटर / लिपिक आवास, वॉच टावर, 50 शैय्या वाला बैरक, ड्रेन, आन्तरिक एवं बाहरी पथ, उच्च कक्षपाल एवं मुख्य उच्च कक्षपाल आवास, बाह्य विद्युतीकरण कार्य, केन्द्र स्थल, वर्षा जल संचयन, अग्निशामक से युक्त होगा। इसके निर्माण में लागत कुल 87,65,96,000/- की लागत आयेगी।

गृह सचिव ने हजारीबाग अवस्थित झारखंड खुला जेल सह पुर्नावास केंद्र का निरीक्षण किया

निर्माणाधीन जेल के निरीक्षण के उपरांत गृह सचिव ने हजारीबाग अवस्थित झारखंड खुला जेल सह पुर्नावास केंद्र का निरीक्षण किया। ओपन जेल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर का भ्रमण कर कैदियों को दी जाने वाली तमाम सुविधाओं को जाना। उन्होंने इस दौरान सजायापता कैदियों से बात की एवं उनकी समस्याओं को जाना। लंबे समय से सजा काट रहे कैदियों ने गृह सचिव से जेल के अंदर कौशल विकास अंतर्गत रोजगार परक प्रशिक्षण दिलाने का आग्रह किया ताकि जेल से निकलने के उपरांत मुख्य धारा में लौटने में सहायक हो सकें। गृह सचिव इन तमाम मुद्दों पर जल्द सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया।

विभावि में पहलगाव हिंसा के विरुद्ध शांति मार्च का हुआ आयोजन

● स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने किया पहल

● सरकार ऐसी कार्रवाई करें कि आतंकवाद का नामो निशा मिट जाए: विद्यार्थी गण

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। धरती पर स्वर्ग माने जाने वाले कश्मीर की पहलगाव घाटी में 22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों के द्वारा निर्दोष पर्यटकों कि नृशंस हत्या किए जाने से आक्रोशित होकर शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025 को विनोबा भावे विश्वविद्यालय मुख्यालय मे विद्यार्थियों ने एक विशाल रैली निकाली। यह रैली हिंदी विभाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के पहल पर निकाली गई। अलग-अलग विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षक इस कार्यक्रम मे बढ़ चढ़ कर भाग लिए। रैली में विभिन्न विभागों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने दो पंक्ति में कतारबद्ध होकर भाग लिया। इसमें अच्छी संख्या में शिक्षक भी सम्मिलित हुए। कई विद्यार्थियों के हाथों में तख्तीयां थी। इस पर पहलगाव हिंसा के साजिश कर्ताओं को मिट्टी में मिलाओ, मिट्टी में मिलाओ तथा नहीं सहेंगे नहीं सहेंगे, नरसंहार नहीं सहेंगे, जैसे आक्रामक स्लोगन लिखे हुए थे।

आचार्य विनोबा भावे की प्रतिमा स्थल से चलकर यह रैली विनोदिनी पार्क का एक चक्कर लगाने के बाद फिर से प्रतिमा गोलंबर के पास पहुंची। यहां पहुंचकर यह एक सभा में तब्दील हो गई। हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ सुबोध सिंह शिवगीत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सभा में पहलगाव हिंसा में मारे गए लोगों एवं उनके परिवार जनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। कायर हत्यारो को पकड़ कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गई। यह भी मांग की गई कि आतंकवाद पर ऐसी कार्रवाई हो कि इसके नामो-निशा भारत की धरती से मिट जाए। विद्यार्थियों ने धर्म पूछ कर हत्या किए जाने की नई तरकीब के आधार पर समाज को बांटने की कोशिश को असफल बनाने का भी संकल्प लिया। अपने को खतरा में डालकर भी जिन कश्मीरियों ने पर्यटकों की सुरक्षा की व्यवस्था की उनकी सराहना की गई। सभा स्थल पर भारत माता की जय, जय हिंद तथा वंदे मातरम के नारे लगाए गए।

अंत में सभी दिवंगत आत्माओं की शांति तथा उनके परिजनों को इस भीषण दुख की घड़ी का सामना करने के लिए हिम्मत प्रदान हेतु प्रार्थना करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया गया।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जिले के सभी शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर किया शिक्षण कार्य

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। पहलगाम आतंकी हमले से शिक्षक समुदाय में भी रोष देखी जा रही है। शिक्षक संघ ने राज्य कार्यकारणी के निर्देश पर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार के आह्वान पर पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जिले के सभी शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर शिक्षण कार्य किया। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के सभी प्रखंड इकाई के द्वारा भी पहलगाम आतंकी हमले का घोर निंदा की गई। विरोध स्वरूप काला बिल्ला लगाकर सभी शिक्षकों ने शिक्षण कार्य किया। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि बिते 22/4/25 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने हमारे 28 बेगुनाह देशवासियों की नृशंस हत्या कर मानवता को कलंकित करने वाली एक कायरतापूर्ण कार्य किया है इस आतंकी हमले से पूरा देश मर्माहत है। संघ इस जघन्य एवं घिनौने कांड की भर्त्सना करती है और इसके प्रतिकार स्वरूप आज हम लोग अपने कार्य स्थल पर काली पट्टी लगाकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

प्रवीण कुमार ने जिले के सभी शिक्षकों को घटना का प्रतिकार करने के लिए आभार प्रकट किया। साथ ही सभी मारे गए देशवासियों को श्रद्धांजलि अर्पित एवं नमन किया।

आतंकवादी जेहादियों की कायरता पर राष्ट्र का आक्रोश, घोर निंदा व गहरी संवेदना : राजेश लुहाड़िया

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। कश्मीर घाटी में बीते कुछ वर्षों से कायम होती शांति शायद पाकिस्तान और उसके पालित-पोषित आतंकवादी जेहादियों को सहन नहीं हुई। जब घाटी में कश्मीरी नागरिकों की आमद बढ़ रही थी, जब सामान्य जीवन लौटने लगा था, तब इन कायर जेहादियों ने कश्मीर घाटी के पहलगाम क्षेत्र में हिंदू पर्यटकों को पहचान के आधार पर निशाना बनाकर फिर से साबित कर दिया कि उनकी सोच कितनी अमानवीय और विभाजनकारी है। यह कोई सामान्य हमला नहीं था – यह एक सुनियोजित नरसंहार था। एक ऐसा कृत्य, जो धर्म देखकर किया गया। यह हमला न केवल निर्दोष नागरिकों पर था, बल्कि भारत की विविधता, सहिष्णुता और सांस्कृतिक एकता पर सीधा हमला था। घाटी की लौटती स्थिरता, पर्यटन की प्रगति और आम कश्मीरियों की तरक्की को रोकना ही इन आतंकियों का असली उद्देश्य था – जिसमें वे कभी सफल नहीं हो पाएंगे।

मैं, राजेश लुहाड़िया, मीडिया प्रभारी - जैन पंचायत, इस बर्बर और कायरतापूर्ण आतंकी हमले की घोर निंदा करता हूँ और भारत सरकार से मांग करता हूँ कि इस बार सिर्फ़ केवल निंदा से नहीं, निर्दयी पराजय से जवाब दिया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध कड़े और ठोस निर्णय लिए हैं। हालिया हमले के बाद पाकिस्तान के विरुद्ध लगाए गए पाँच निर्णायक प्रतिबंध यह स्पष्ट करते हैं कि अब भारत केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा – कार्रवाई करेगा:

सिंधु जल संधि का प्रभावी निलंबन - पाकिस्तान को जाने वाले पानी पर रोक, अटारी-वाघा सीमा का पूर्ण बंद - आवाजाही पूरी तरह स्थगित, पाकिस्तानी नागरिकों के वीज़ा रद्द - भारत में प्रवेश अवरुद्ध, राजनयिक संबंधों में तीव्र कटौती - संवाद स्तर पर सख़्ती, भारत में पाक नागरिकों के प्रवेश पर पूर्ण रोक - हर स्तर पर नियंत्रण।

ये कदम दर्शाते हैं कि भारत अब मौन नहीं रहेगा – भारत अब निर्णायक जवाब देने के लिए खड़ा है। घाटी की तरक्की, शांति और भारत की अखंडता के विरुद्ध उठे हर हाथ को कुचला जाएगा। यह हमला हमारे देश की आत्मा पर किया गया दुस्साहस है, जिसे माफ़ नहीं किया जा सकता। हमारा उन सभी शहीद नागरिकों को सच्ची श्रद्धांजलि, जिन्होंने आतंक की इस नृशंसता में जान गंवाई। उनके परिवारों के साथ पूरा राष्ट्र एकजुट है – संवेदना से नहीं, संकल्प से। अब यह केवल श्रद्धांजलि देने का समय नहीं – यह न्याय सुनिश्चित करने का समय है। भारत आतंकवाद को उसकी जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है।

पहलगांव में आतंकवादियों के द्वारा हिंदू पर्यटकों को अमानवीय हत्या के विरोध मे संघ कार्यालय से कैंडिल मार्च निकाला गया

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। कश्मीर के पहलगांव में इस्लामिक जिहादी -आतंकवादियों के द्वारा हिंदू पर्यटकों को चुन चुन कर नृशंस एवं अमानवीय हत्या के विरोध मे स्थानीय संघ कार्यालय से कैंडिल मार्च निकाला गया, जो स्थानीय झंडा चौक पर पहुंचा एक विरोध सभा में परिवर्तित हुआ। सभा को संबोधित करते हुए डॉ0सुबोध सिंह शिवगीत ने कहा कि इस्लामी आतंकवादियों ने कायरता पूर्वक हिंदू पर्यटकों का धर्म पूछकर की गई हत्या जघन्य अपराध है। इसके लिए हिंदू समाज उनको मुंहतोड़ जवाब देगा। हम सरकार से भी मांग कर करते है कि इनके उपर कठोर कार्रवाई की जाए और भारत में जो पाकिस्तान इस्लामिक जिहाद की जो स्लीपर सेल है उनको भी चुन-चुन कर भारत से भगा जाए और उनपर उचित कार्रवाई की जाए।

विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री एडवोकेट अरविंद ने कहा कि जब तक यह मूल्य हीरो का दर्शन करते रहेंगे लोग कब्र से भी जाकर जन्नत जाने की होड़ में लगे रहेंगे इसलिए यह लोग आतंकवादी घटना करते हैं सरकार से आग्रह है कि ऐसे आतंकवादियों के टुकड़े-टुकड़े करके कुत्ते को खाने देना चाहिए ना यह कब्र में जाएंगे और ना ही यह कयामत के दिन में जागेंगे।

आज नौजवान जल्द ही जन्नत जाने के लिए आतंकवादी बन रहे हैं अगर देश के नौजवानों को बचाना है तो उनकी लाश को दफनाने के लिए नहीं दिया जाए उन्हें जलाया जाए , विरोध प्रदर्शन में शामिल राम बहादुर सिंह राजकुमार चौबे बड़ा अखाड़ा के महंत विजयानंद दास जी चंद्रशेखर बजरंग खेतान नवीन सिंह नवीन सिंह किशोर जी सहोदर मंडल अमरदीप यादव विवेकानंद सिंह जी आदित्य जी संदीप उपाध्याय गोलू विकास अर्पण तन्मय सुशील सहदेव जी सुमन जी बजरंग दल संयोजक सिकंदर जी गुरुदेव जी नंदकिशोर जी निरंजन जी मुनेश्वर जी प्रदीप जी डॉ अशोक प्रसाद सुबोध सिंह निक्की सिंटू सुबोध शर्मा एवं सैकड़ो कार्यकर्ता गण शामिल हुए।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (विधुत/परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा संख्या: ELOP2025_01.

1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि: धनबाद मंडल के जी सी सेक्शन (धनबाद, गोमो, कोडरमा, पाथरडीह, चन्द्रपुरा और हजारीबाग) के क्रू लॉबीयों और धनबाद कण्ट्रोल की विभिन्य गतिविधियों की दो वर्षों (730) दिनों के लिए आउटसोर्सिंग। 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹1,61,62,127.00, 3. अग्रधन राशि : ₹2,30,800/-, 4. ई-निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समय : ई-निविदा का बंद होना : 13.05.2025 को 17:00 बजे। ई-निविदा का खुलना : बंद होने के बाद उसी दिन। 5. वेबसाईट का विवरण : वेबसाईट : www.ireps.gov.in. विशेष : ई-निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विधुत/परि.)/
पूमरे/धनबाद

पीआर/0145/डीएचएन/विद्युत/टी/25-26/32

संक्षिप्त समाचार

नगवां में मौर्य वस्त्रालय का हुआ उद्घाटन

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के नगवां चौक इटखोरी में शुक्रवार को मौर्य वस्त्रालय कपड़ा दुकान का उद्घाटन किया गया। दुकान का उद्घाटन कृष्णा दांगी, महेश दांगी, राजेश दांगी, उमेश दांगी, मिथुन कुमार, सत्येंद्र दांगी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। बतौर मुख्य अतिथि कृष्णा दांगी ने कहा कि इटखोरी प्रखंड भी अब तेजी से विकसित कर रहा है। अब प्रखंड में ही सारी सामग्री आसानी से उपलब्ध हो रही है। उन्होंने दुकान संचालक सुनील कुमार को व्यवसाय की उन्नति के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने ग्राहकों के बीच मधुर संबंध बनाने और उनकी पसंद के अनुसार बेहतर सेवा देने की अपील की। वहीं संचालक सुनील कुमार ने कहा कि इटखोरी नगवां मोड़ पर हमारे मौर्य वस्त्रालय का उद्घाटन किया गया है मौर्य वस्त्रालय जहां हर प्रकार का कपड़ा अच्छा और उत्कृष्ट साथ ही सभी ब्रांड का कपड़ा अच्छे रेट पर ग्राहकों को उपलब्ध होगा। मौके पर उद्घाटन समारोह में संचालक सुनील कुमार, सुरेंद्र दांगी,सुजीत दांगी, अनिल दांगी, बसादेव महतो, मोहन महतो, सीताराम दांगी, लालजी दांगी, देवा दांगी, बलकुमार दांगी, मन्नू दांगी, ब्रह्मदेव दांगी, सत्येंद्र यादव, पूर्व पंचायत समिति नमेधारी यादव,दशरथ दांगी, मुकेश दांगी ,सुगांती देवी, सुनीता देवी , सुनन् देवी रिंकू देवी, फुलवंती देवी, सहित अन्य शामिल थे।

सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवकों की दर्दनाक मौत

चान्हो। रांची के चान्हो में शुक्रवार को सड़क हादसे में दो लड़कों की मौत हो गई। मृतकों में सतबरवा के मुक्ता गांव का 17 वर्षीय विकास विश्वकर्मा और मनातू के रहेया का 22 वर्षीय उपेंद्र कुमार शामिल हैं।दोनों रांची से मेदिनीनगर की ओर बाइक से जा रहे थे। विकास अपने बड़े भाई संदीप की सगाई समारोह में शामिल होने के लिए जा रहा था। हादसा चान्हो थाना से 500 मीटर पूर्व चटवल मोड पर हुआ। हादसा चान्हो थाना से 500 मीटर पूर्व चटवल मोड पर हुआ। बाइक पहले डिवाइडर से टकराई और फिर पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक कई मीटर दूर जा गिरे। चान्हो थाना पुलिस ने दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। रांची रिम्स में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी ने किया आतंकवादियों का पुतला दहन

चांडिल। चांडिल प्रखंड अंतर्गत चौका थाना क्षेत्र के खुंटी चांदनी चौक पर बीते दिन शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में सैलानियां के उपर हुई आतंकी हिंसा को लेकर संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी ने आतंकवादियो का पुतला दहन किया। इस दौरान आंतकावादियों द्वारा कायरतापूर्ण निर्दोष सैलानियां के उपर हमला कर हत्या करने का कड़ी निंदा किया तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग किया।मौके पर भारत माता की जय,पाकिस्तान मुर्दाबाद की नारेबाजी की गई।इस मौके पर जिला अध्यक्ष उमेश सिंह मुंडा,श्रवण सिंह मुंडा, देवनाथ सिंह मुंडा, टुंपु पहाड़िया, रंजीत सिंह सरदार, पुरण मांझी, रतनी सिंह मुंडा, नुनाराम सिंह मुंडा आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

पहलगाम घटना के विरोध में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल का आक्रोश मार्च

बालूमाथ। (लातेहार) पहलगाम में घटित आतंकवादी घटना के विरोध में शुक्रवार की शाम को बालूमाथ में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल का आक्रोश मार्च निकाला। आक्रोश मार्च बाजार रोड स्थित महावीर मंदिर से शुरू होकर थाना चौक, चेकनाका, शहीद चौक, बस स्टैंड, दुर्गा मंडप, छठ तालाब, टमटमटोला पहुंची। मार्च में शामिल लोग भगवा झंडा, महावीरी पताका, तिरंगा झंडा लिए हुए पहलगाम के दोषी पाकिस्तान मुर्दाबाद, इस्लामी आतंकवाद मुर्दाबाद, हिंदुओं पर अत्याचार नहीं सहेंगे, जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के बैनर तले आयोजित आक्रोश मार्च में पाकिस्तान सरकार का पुतला दहन किया गया।आक्रोश मार्च में भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी देखी गई।आक्रोश मार्च में मुख्य रूप से त्रिवेणी साहू, राम कुमार गुप्ता,आनंद सोनी, संजय यादव, रामनाथ सिंह, संजीव कुमार सिंह, उपेंद्र रंगीला, निरंजन गुप्ता, विजय साव, संजय ओझा समेत कई लोग उपस्थित थे।

रमेश प्रसाद यादव बीएड कॉलेज में स्पेशल लेक्चर सीरीज के दूसरे दिन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर व्याख्यान का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दिनांक 25.04.2025 दिन शुक्रवार को महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में तीन दिवसीय स्पेशल लेक्चर सिरीज के दूसरे दिन ÷भारतीय ज्ञान प्रणाली÷ पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर एमिनेंट स्पीकर के रूप में डॉ. भूपेंद्र ठाकुर, प्राचार्य, बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ, एमिनेंट स्पीकर, प्राचार्य सहायक प्राध्यापकों द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर व द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार द्वारा अतिथि को पुष्पगुच्छ, पौधा व शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम का विषय प्रवेश एवं स्वागत भाषण सहायक प्राध्यापक राजेश पांडेय ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमिनेंट स्पीकर डॉ.भूपेन्द्र ठाकुर ने प्रशिक्षुओं को विषय से संबंधित बातों से अवगत कराते हुए विभिन्न उदाहरणों के साथ अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने कहा कि, विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता का विकास भारत में ही हुआ। इस आधार पर भारत को विश्व गुरु माना जाता था। प्राचीन काल में ज्ञान विज्ञान का जनक भारत ही था और यहीं से समस्त भूमंडल में ज्ञान फैला। आज हमारे प्रधानमंत्री जी का सपना और संकल्प है कि भारत को फिर से विश्व गुरु बनाना है। भारतीय ज्ञान प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है जिसके माध्यम से ज्ञान को पीढ़ियों से दूसरे पीढ़ी तक व्यवस्थित ढंग से पहुंचाया जाता है। यह प्रणाली ज्ञान, विज्ञान और दर्शन को अनुभव, अवलोकन, प्रयोग और गहन विश्लेषण के माध्यम से विकसित करती है। यह प्रणाली शिक्षा, कला, प्रशासन, कानून, न्याय, स्वास्थ्य, विनिर्माण और वाणिज्य सहित भारतीय संस्कृति और समाज के सभी पहलुओं को प्रभावित करती है। NEP-2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारतीय ज्ञान और दर्शन की समृद्ध विरासत को अपने मार्गदर्शन के रूप में लेती है। मौके पर सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार, मो. सेराज, विनोद यादव, रविभूषण सिंह, सैयद खुर्शीद अली, अनिल कुमार, आनंद कुमार व शिक्षकेत्तर कर्मचारी मिथलेश कुमार, श्रवण कुमार, शाहिद खान, गौरव कुमार, कुंदन कुमार, चंदन कुमार सहित प्रशिक्षुगण मौजूद रहे।

ग्रिज़ली विद्यालय में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित कोच बलवान सिंह और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहित छिल्लर का स्वागत एवं सम्मान

आदिवासी एक्सप्रेस

कोडरमा। ग्रिज़ली विद्यालय में कबड्डी के प्रसिद्ध कोच और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित बलवान सिंह तथा भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम के खिलाड़ी मोहित छिल्लर का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर कोडरमा कबड्डी लीग सीज़न-1 की आयोजन समिति के सदस्य विशाल सिंह और कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर भी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी द्वारा अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन फारिया सबा ने किया, जिन्होंने सर्वप्रथम अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर विद्यालय के एनसीसी विंग के कैडेट्स – अनुराग कुमार, असद सैफ, हिमांशु उमर, श्रेयान्श राज, आयुष पांडेय, उत्कर्ष राज और खेल कप्तान अनुराग कुमार, बॉयज़ कैप्टन सार्थक सिन्हा तथा गर्ल्स कैप्टन शीतल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अतिथियों को विद्यालय परिसर का भ्रमण एकता कुमारी ने कराया। बलवान सिंह को 2005 में कबड्डी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम के कोच रह चुके हैं, और उनकी कोचिंग में भारत ने 1990 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। उनका योगदान भारतीय कबड्डी के विकास में उल्लेखनीय है। वर्तमान में प्रो कबड्डी लीग में तमिल थलाइवाज की ओर से खेलने वाले मोहित छिल्लर अपनी उत्कृष्ट डिफेंसिव स्किल्स के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने भारतीय टीम को कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में जीत दिलाई है। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की गई। अतिथियों ने उपस्थित विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हैं, बल्कि करियर में भी नई संभावनाओं के द्वार खोलते हैं। मेहनत और समर्पण से जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में निदेशक मनीष कप्सिमे और अविनाश सेठ द्वारा अतिथियों को प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में सीसीए संयोजक राजीव रंजन सिंह, खेल संयोजक अमित दास, खेल प्रशिक्षक और विद्यालय के एनसीसी प्रभारी सुनील कुमार साव की भूमिका उल्लेखनीय रही।

कौलेश्वरी पहाड़ पर अवैध रूप से शराब बेच रहे दुकानदारों पर चला पुलिसिया डंडा, हिरासत में दो दुकानदार

● सोशल मीडिया पर शराब बेचने का फोटो भी हो रहा वायरल ● मां कौलेश्वरी मन्दिर परिसर के इर्द गिर्द शराब बिक्री बर्दाश्त नहीं: थाना प्रभारी प्रभात कुमार

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र में स्थित सुप्रसिद्ध माता कौलेश्वरी के प्रांगण में दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से अंग्रेजी व देशी शराब खुलेआम बेच रहे हैं। सुबह माता के दर्शन व पूजन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं ने दुकानदारों को खुलेआम शराब बेचने का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर कर दिया। रामनवमी के समय ही एसडीओ जहूर आलम एवं एसडीपीओ संदीप सुमन ने सभी दुकानदारों को शराब न बेचने की हिदायत दिया था। उसके बावजूद भी दुकानदारों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है की प्रशासनिक चेतावनी के बाद भी काउंटर पर निर्भीक होकर पानी की बोतल के साथ काउंटर पर अंग्रेजी शराब बेचा जा रहा है। शराब को देख पूजा अर्चना करने जा रहे श्रद्धालुओं ने दुकानदार का फोटो खींच सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। दुकानदारों का दबंगई इतना बढ़ गया है की फोटो खींच रहे श्रद्धालु को दुकानदारों ने मारने की धमकी दे डाली। श्रद्धालुओं द्वारा थाना प्रभारी प्रभात कुमार को जैसे ही इसकी सूचना मिली त्वरित कार्रवाई करते हुए कौलेश्वरी पहाड़ के रास्ते में वेलतरनी के पास शराब बेच रहे दो दुकानदार चतुर्भुज कुमार एवं भिषम कुमार को पुलिस ने पकड़ कर हिरासत में ले लिया। दुकानदारों पर हुई कार्रवाई से सभी दुकानदारों में हड़कंप मच गई है। शराब को लेकर कौलेश्वरी जाने वाले श्रद्धालुओं ने प्रबंधन समिति के बैठक में कई बार यह मुद्दा उठाया गया है। दुकानदारों द्वारा शराब बिक्री से कौलेश्वरी गर्भ गृह को अशुद्ध कर रहे थे। माता के दरबार जाने वाले श्रद्धालु काफी श्रद्धा से पूरे परिवार के साथ पुजा अर्चना के लिए जाते हैं। ऐसे में खुलेआम शराब की बिक्री से श्रद्धालु असुरक्षित महसूस करते हैं। थाना प्रभारी प्रभात कुमार द्वारा त्वरित करवाई से लोग काफी खुश हैं। लोगों ने प्रभारी की काफी प्रशंसा किया। थाना प्रभारी ने बताया गिरफ्तार दोनों अभियुक्त पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। शनिवार की सुबह दोनों अभियुक्त को जेल भेज दिया जाएगा। इधर थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने सख्त लफ्जों में कहा है कि मंदिर परिसर के इर्द- गिर्द शराब बिक्री करने वाले दुकानदारों को खैर नहीं पकड़े जाने पर न्यायिक हिरासत में भेजें जाएंगे। इधर इस करवाई के बाद हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र वासियों सहित श्रद्धालुओं ने थाना प्रभारी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पहलगाम में आतंकी घटना के शिकार पर्यटकों को एलसीडीए ने कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

बालूमाथ। (लातेहार) लातेहार जिला केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने पहलगाम में आतंकी घटना के शिकार पर्यटकों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी। गुरुवार की शाम एलसीडीए के जिला अध्यक्ष विनोद बिहारी गुप्ता के नेतृत्व में पहलगाम में आतंक के शिकार पर्यटकों के आत्मा की शांति के लिए कैंडल मार्च के माध्यम से बालूमाथ के दवा दुकानदार बेसिक स्कूल बालूमाथ से चलकर मेन रोड,बस स्टैंड होते हुए थाना चौक,शहीद चौक मुरपा मोड पहुंच कर शहीदों के प्रति दो मिनट का मौन भी रखा। एलसीडीए के सदस्यों ने पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि निर्दोष एवं निहत्थे लोगों पर कायराना हरकत करते हुए हमला कर मारना आतंकवादी इतना नीचे गिर जाएंगे यह किसी ने कल्पना तक नहीं किया होगा। इस अवसर पर मो जावेद अख्तर, लखन लाल, पंकज सिंह, बीरेंद्र यादव, छोटेलाल उरांव, मो आबिद, रामलाल यादव, सतीश कुमार रोहित कुमार, नरेश कुमार, मनीष कुमार साहू, पवन कुमार यादव, सुजीत कुमार, श्याम बिहारी गुप्ता, रविन्द्र कुमार सहित कई लोग शामिल रहे।

इटखोरी में मुस्लिम समुदाय ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के प्रति जताया विरोध

आदिवासी एक्सप्रेस/संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहा है। पूरा विश्व समुदाय इस कायराना हरकत की मज्जमत कर रहा है। दुनिया के तमाम मुल्कों में आतंकवादियों के द्वारा की गई इस नापाक हरकत की निंदा की जा रही है। इस बीच इटखोरी की जामा मस्जिद से आतंकवादियों के सरपरस्त और हिमायती पाकिस्तान की अच्छी खासी मज्जमत की गई। दहशतगर्दों को पनाह देने और दहशतगर्दी की घटनाओं को अंजाम देने का इल्जाम लगाते हुए पाकिस्तान को खरी खोटी सुनाई गई है। जुमे की नमाज अदा करने के बाद जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर जुटे सैकड़ों मुस्लिमों दहशतगर्दी की खिलाफत करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में आवाज बुलंद की।आतंकियों के खिलाफ प्रदर्शन किया लोगो ने काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन किया। हर घर से निकलेगी आवाज आतंकवाद का हो विनाश, एक बेगुनाह का कत्ल सारी इंसानियत का कत्ल है। इस प्रदर्शन में इटखोरी जमा मस्जिद के सदस्य गोल्डन आलम, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद वकील,पप्पू मियां, डॉलर मियां, अकरम,अबू दाऊद, रियाज, सिद्दीकी,मोहम्मद साहेब शामिल थे।

छतरपुर में जमीन विवाद से परेशान फैमिली ने आत्मदाह का किया प्रयास, पुलिस ने समय रहते बचाई जान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। जिले के छतरपुर अनुमंडल मुख्यालय गेट में शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक परिवार ने छतरपुर अनुमंडल परिसर में आत्मदाह करने की कोशिश की और खुद को आग लगाने की तैयारी करने लगे। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें बचा लिया। परिवार का आरोप है कि उनकी हिस्सा का जमीन पर अंचल अधिकारी द्वारा रोके जाने पर भी दबंगई से कब्जा कर दीवार निर्माण किया जा रहा हैं। और छतरपुर थाना को सूचना देने के बाद भी सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर यह कदम उठाया गया है। आत्मदाह करने का प्रयास करने वाले परिवार पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड के उदयगढ़ गांव के परन राम पिता सुखलाल राम सह उनके अपने परिवार के सदस्य शामिल थे। जिन्होंने इंसाफ नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय विधायक सह वित्त मंत्री को विवाद भूमि को नापी कराकर अलग डिमांड और तत्काल उनके हिस्से में बनाए जा रहे दीवार को तोड़ने का अपील किया था। उन्होंने आवेदन में अर्जुन राम पिता स्वर्गीय रामसेवक राम, अवध राम, विनय राम, सुनेश्वर राम तीनों का पिता अर्जुन राम पर आरोप लगाया है। मौके उपस्थित पुलिस में सभी लोगों को आत्मदाह का प्रयास कर रहे लोगों को अपने साथ थाना लाया गया है। और पीड़ित परिवार इंसाफ दिलाने की बात कही है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में कक्षा प्ले ग्रुप से केजी II तक के शैक्षणिक उत्कृष्ट छात्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

कोडरमा- झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल के मॉडर्न किड्स पैराडाइस के छात्रों के लिए सत्र 2024-25 के कक्षा प्ले ग्रुप से केजी II तक के शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में एक गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की निदेशिका एवं प्राचार्य के द्वारा छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात विद्यालय की निदेशिका संगीता शर्मा, प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार एवं विशिष्ट अतिथि भावना सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। समारोह में छात्रों के साथ उनके अभिभावकों ने भी सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका संगीता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा की प्रारंभिक शिक्षा किसी भी बच्चे के जीवन की नींव होती है और इन बच्चो ने इस नींव को मजबूती से रखने में सराहनीय कार्य किया है। वहीं प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार ने छात्रों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम एक प्रेरणादायक यात्रा की शुरुवात है और इससे छात्रों में अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास जैसे मूल्यों को अपनाने में सहयोगी साबित होगी। इस कार्यक्रम में कक्षा प्ले ग्रुप से केजी II तक के छात्रों को बेस्ट परफ़ॉर्मर, टॉप स्कोरर, मोस्ट ओबेडिएंट, मोस्ट एक्टिव एवं बेस्ट अटेंडेंस के लिए सम्मानित किया गया। कक्षा प्ले ग्रुप से बेस्ट परफ़ॉर्मर अध्विक गुप्ता, मोस्ट ओबेडिएंट अध्विक गुप्ता, मोस्ट एक्टिव हर्षिता पाठक, बेस्ट अटेंडेंस रेयान कंधवे, कक्षा नर्सरी से बेस्ट परफ़ॉर्मर तृषिका श्री, टॉप स्कोरर लावण्या कुमारी, अतिक्षा कुमारी, मोस्ट ओबेडिएंट अफीका हबीब, मोस्ट एक्टिव गर्वित कुमार, बेस्ट अटेंडेंस श्रीयांश कुमार, केजी I अ से बेस्ट परफ़ॉर्मर अद्रिक सिंह राजपूत, टॉप स्कोरर प्रियांशु रंजन, ईशान कुमार, रियांश शर्मा, मोस्ट ओबेडिएंट युवान सिंह, मोस्ट एक्टिव अद्रिक कश्यप, बेस्ट अटेंडेंस युवान सिंह, केजी I ब से बेस्ट परफ़ॉर्मर वंदना गुप्ता, टॉप स्कोरर वैष्णवी कश्यप, समृद्धि सिन्हा, आराध्या सिंह, सार्थक नायक, फ़ैज़ा अख्तर, मोस्ट ओबेडिएंट सत्या अग्रवाल, मोस्ट एक्टिव पीहू पवार, बेस्ट अटेंडेंस सार्थक नायक, कक्षा केजी II अ से बेस्ट परफ़ॉर्मर जसनीत कौर छाबड़ा, टॉप स्कोरर अमीरा आज़मी, पल्लवी रानी, अयांश राज, आराध्या राज, मोस्ट ओबेडिएंट अरशान नवाज़, मोस्ट एक्टिव हिमांश राज, बेस्ट अटेंडेंस पल्लवी रानी, कक्षा केजी II ब से बेस्ट परफ़ॉर्मर ऋतिक राज, टॉप स्कोरर कृष यादव, अयान रज़ा, सात्विक, अर्षो कुमार, मोस्ट ओबेडिएंट शाश्वत कुमार, मोस्ट एक्टिव अनन्या कुमारी, बेस्ट अटेंडेंस अयान रज़ा को निदेशक एवं प्राचार्य के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पुरे विद्यालय परिवार की भूमिका सरहनीय रही।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़/विश्व मलेरिया दिवस पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय रामगढ़ में जागरूकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन

● विश्व मलेरिया दिवस पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रामगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रामगढ़ /रामजी साह।
विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय रामगढ़ में विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें मलेरिया से संबंधित जानकारी MTS ,KTS एवं MPW के द्वारा दिया गया तथा मलेरिया संबंधित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रा को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पानै वालों में किविज प्रतियोगिता में लक्ष्मी कुमारी,शिला सोरेन को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर कालाजार तकनीकी पर्यवेक्षक देवीलाल हांसदा, मलेरिया तकनीकी पर्यवेक्षक पंकज आर्या आदि मौजूद थे।

बजरंग दल व आरएएस के द्वारा वीर कुंवर सिंह चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर , लोगों ने कैंडल लाइट जलाकर आक्रोश प्रदर्शन किये

कृष्णा गोस्वामी....देवघर
बीते पिछले दिनों मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुवे आंतकी हमले द्वारा हिंदू पर्यटकों को चिन्हित कर मारे जाने को लेकर इस घटना से पूरे देशभर को झकझोर कर रख दिया गया। वहीं इसी कड़ी में देवघर जिला के हिंदू संगठनों में काफी रोष देखने को मिल रहा है। बताया जाता है की इसकी अध्यक्षता कर अभिषेक मिश्रा ने बताया की शुक्रवार को देवघर वीर कुंवर सिंह चौक से लेकर टावर चौक तक कैंडल मार्च निकालें जाने की तैयारी कर ली गई थी। जिसको लेकर उन्होंने आस्वस्त कराते हुए कहा की जिला प्रशासन की और से अनुमति ना होने के कारण वीर कुंवर सिंह चौक पर ही बजरंग दल व आरएएस के सदस्यों ने कैंडल लाइट जलाकर पहलगाम में 28 हिंदू पर्यटकों? की निर्मम हत्या को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोगों ने पाकिस्तान के विरोध में जमकर नारेबाजी की वहीं लोगों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए देखने को मिलें।

डीपीआरओ ने बड़ाघघरी पंचायत भवन एवं प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत बड़ाघघरी पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भस्मक का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। ज्ञान केन्द्र के सफल संचालन हेतु निर्देशित किया। प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय के निरीक्षण के क्रम जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने निर्माणधीन हैंड वॉश यूनिट को यथाशीघ्र बनाने का निर्देश पंचायत सचिव को दिया गया। मौके पर मुखिया, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

पहलगाम में बीते दिन आतंकवादियों द्वारा हिन्दुओं की निर्मम हत्या के विरोध में रामगढ़ के कढबिंधा बाजार में लोगों ने निकाला कैंडल मार्च

रामगढ़ रामजी साह
पहलगाम में हिन्दू का निर्मम हाथिया के विरोध में आज़ दिनांक 25/04/2028 को संध्या पर रंजीत कुमार की अगुवाई में कड़बिन्धा बाजार में मशाल जुलूस निकाला गया।
उपस्थित रहे-
एकल विद्यालय संचालक सागर मंडल, मिस्त्री सोरेन, शंकर सेन, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेन्द्र मंडल, रामजी कुमर, जोगेन्दर कुमर, अशोक मंडल, प्रमोद पाण्डेय, सुकेन नाग, संदीप कुमार मंडल, अजय भंडारी, प्रेम चन्द्र गुप्ता, श्रीकांत नाग, विजय गिरीह, भीम प्रसाद अग्रवाल, रोहित भंडारी, महावीर मंडल, प्रषोतम मंडल, जोगेस लायक़, रूबीलाल मुर्मू।

दहशतगर्दों का इस्लाम से कोई वास्ता नहीं- डॉ सिराज अंसारी

पालोजोरी- शुक्रवार को पालोजोरी के नूरी मस्जिद में जुम्मे की नमाज अदा कर तमाम नमाजियों के द्वारा काला बिल्ला लगाकर पाकिस्तान मुर्दाबाद, हिंदूस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए देखने को मिला। बताया जाता पिछले दिनों मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुवे आंतकी हमले के द्वारा मारे गए 28 निर्दोष सैलानियों को निर्मम तरीके से हत्या करने की विरोध में जहां देशभर में उबाल देखने को मिल रहा है वहीं पालोजोरी प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए हुए लोगों ने भी पहलगाम में हुए आंतकी हमले की कड़ी निन्दा करते हुए लोगों ने काला बिल्ला लगाकर रोष व्यक्त करते हुए देखने को मिला । जबकि वहीं समाजसेवी डॉ सिराज अंसारी ने कहा की इस निर्मम हत्या करने वाले इस्लाम हो ही नहीं सकता इसका इस्लाम से कोई वास्ता नहीं है। साथ ही उन्होंने पाकिस्तानियों के बारे में कहा की अब बर्दाश्त की सीमा पार कर दी है। इसका हिसाब होना चाहिए। इसी कड़ी में पालोजोरी प्रखंड के जेएमएम के अध्यक्ष अब्दुल रहीम ने कहा की जबकि इस्लाम कहता है कि आप का पड़ोसी चाहे किसी भी धर्म का हो उसे उनको जबरन धर्म पूछ इस तरह की घटिया हरकत करने वाले इस्लाम हो ही नहीं सकता है। युवा नेता सह समाजसेवी मुबारक अंसारी ने कहा इस तरह की घटना का हम सब पूरजोर विरोध करते हैं तथा आम तथा निर्दोष लोगों को मारना कोई भी धर्म इजाजत नहीं देती है। वहीं इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में क्षेत्र के अब्दुल कयूम अंसारी, फिरोज अंसारी,सफीक अंसारी, हैदर अली, नसीब अहमद, हदीश अंसारी, रफीक अंसारी, सिराज अंसारी, अख्तर हुसैन, अकबर अंसारी, सैफूल अंसारी, नसीम अंसारी, कलीम अंसारी, शमीम अंसारी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पशुपालकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

● उपायुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया वितरण

● कार्यशाला में आधुनिक पशुपालन, पशु पोषण ,पशु स्वास्थ्य, जूनोटिक बीमारियों, पशु क्रूरता, संतुलित पशु आहार कृत्रिम गर्भाधान, 1962 पशु चिकित्सा हेल्पलाइन सहित अन्य विषयों एवं सरकारी योजनाओं पर पशुपालकों को जानकारी दी गयी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए जिला पशुपालन विभाग द्वारा शुक्रवार को शुक्रवार को रविन्द्र भवन टाउन हॉल में पशुपालकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत बकरा विकास योजना एवं सूकर विकास योजना के तहत बकरा एवं सुकर के लघु प्रजनन इकाई का उपायुक्त ने लाभुकों के बीच वितरण किया। कार्यशाला में उपायुक्त मनीष कुमार ने पशुपालकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी सफलता की कहानी जानी उनकी समस्याओं को सुना तथा उसके निराकरण के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया। उपायुक्त ने पशुपालन की महत्व के साथ-साथ ऑर्गेनिक खेती के महत्व को भी रेखांकित किया, उपायुक्त ने उपस्थित पशुपालकों को प्रोत्साहित कर कहा कि यदि पशुपालन वैज्ञानिक विधि से किया जाता है तो आशातीत लाभ अर्जित किए जा सकते हैं।
मौके पर जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ0 अनिल कुमार सिन्हा, जिला पशुपालन कार्यालय के कर्मी समेत अन्य उपस्थित थे।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

● जनता की समस्याओं का समाधान हो सबकी प्राथमिकता: उपायुक्त ● ऑन स्पॉट कई मामलों का किया गया निष्पादन ● जिला अन्तर्गत लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द करें समाधान: उपायुक्त

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, रोजगार से संबंधित, मदरसा से संबंधित, पशुपालन विभाग आदि से संबंधित मामले से एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

पहलगाम हमले के विरोध व मृतक आत्मा की शांति हेतु पाकुड़ मे पत्रकारों ने दो मिनट का मौन धारण किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- विगत दिनों जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान के द्वारा प्रायोजित आतंकवादी घटना के विरोध में एवं उस बर्बर घटना में मारे गए मृतक आत्मा की शांति हेतु पाकुड़ ज़िले मे सभी पत्रकारों ने दो मिनट का मौन धारण किया। इस मौके पर ज़िले के तमाम पत्रकारों ने सामुहिक रूप से काला पट्टी लगाकर पत्रकारिता करने का निर्णय लिया। इस बैठक में मौके पर प्रेस क्लब और झारखण्ड जर्नीलिस्ट एसोसिएशन के पत्रकार जयदेव कुमार, सोहन प्रामाणिक, राजेश प्रसाद, शमशेर अहमद काजीरुल शेख, बलराम ठाकुर, प्रीतम सिंह यादव, ममता जायसवाल, रविशंकर मिश्र, उत्तम साह, धनंजय चौबे, नूरुल इस्लाम, चंदन रक्षित, सुदीप त्रिवेदी, अविनाश मंडल, पंकज भगत, विक्की शर्मा सहित अन्य दर्जनों मौजूद थे।
झारखण्ड जर्नीलिस्ट असोसिएशन के जिलाध्यक्ष शमशेर अहमद भी मौजूद रहे उन्होंने बताया कि देश हित के लिए आज हम सभी पत्रकारों ने मिलकर 2 मिनट का मौन धारण किया साथ ही काला बिल्ला लगाकर आतंकी हमले का विरोध किया।

सदर अस्पताल के सभागार में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मलेरिया की रोकथाम एवं उसके बचाव को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित की गई

● इस वर्ष 2025, विश्व मलेरिया दिवस की थीम है मलेरिया का अंत हमारे साथः पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनजागृति

● इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखिया, सी0एच0ओ0, एम0पी0डब्ल्यू0, सहियाओं एवं कालाजार चैम्पियनों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो उपायुक्त ने प्रदान किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
शुक्रवार को सदर अस्पताल के सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मलेरिया की रोकथाम एवं उसके बचाव को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत उपायुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कौशल कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि 24 अप्रैल को प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिले में रिकॉर्ड तोड़ ब्लड डोनेशन किया गया।मलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जो सालों से लोगों को अपना शिकार बनाते आयी है। हर साल 25 अप्रैल को मलेरिया के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के विश्व मलेरिया दिवस' यानी वर्ल्ड मलेरिया डे मनाया जाता है। मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है जिससे भारत में हर साल हजारों लोग संक्रमित होते हैं। मलेरिया मच्छर के काटने से फैलता है। यह मादा एनाफिलीज मच्छर के जरिए इंसानों के बीच फैलता है। मलेरिया प्लाज्मोडियम नाम के परजीवी के कारण होता है। जब मादा एनाफिलीज मच्छर किसी संक्रमित व्यक्ति को काटता है तो इस वायरस का अंश मच्छर के शरीर में स्थानांतरित हो जाता है। इसके बाद जब यह मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो यह परजीवी उन व्यक्ति के शरीर में स्थानांतरित हो जाता है। इसके बाद वह भी मलेरिया से संक्रमित हो जाता है। गंदगी मलेरिया का सबसे बड़ा कारण है। घरों इत्यादि के आसपास गंदगी होने के कारण वहां मच्छर पनपते हैं। इसलिए मलेरिया से बचाव के लिए आवश्यक है कि अपने घर के पास साफ सफाई रखें व मच्छर पनपने वाले स्त्रोतों को नष्ट करें। इस बीमारी से बचने के लिए आप अपने घर के आसपास पानी जमा न होने दें और साफ सफाई का पूरा ध्यान रखें। मच्छरों से सुरक्षित रखने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।
सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल ने बताया की मलेरिया के लक्षण मिलने पर खुद उपचार करने से बचते हुए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में मलेरिया जांच व उपचार कराएं। इसके साथ ही अपने घर और आसपास का वातावरण हमेशा साफ सुथरा रखें। मलेरिया से संक्रमित व्यक्ति को मच्छर के काटने के 6 से 8 दिन के बाद लक्षण दिखाई देते हैं। इसमें तेज बुखार, थकान, सिर दर्द, पेट में दर्द, चक्कर आना, बेहोशी आना, एनीमिया, मांसपेशियों के दर्द, उल्टियां होने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।
मलेरिया के लक्षण-
ठंड के साथ बुखार आना (कंपकंपी)
उल्टी होना या उल्टी जैसा लगना
शरीर में ऐठन एवं दर्द, शिर दर्द।
चक्कर आना तथा थोड़ी देर में पसीने के साथ बुखार उतरना।
लीवर के असामनता के कारण रक्त शर्करा में कमी होना, जिससे हाइपोग्लाइसिमिया के लक्षण प्रकट होते हैं।

शुक्रवार को संताली लिटरेरी एंड कल्चरल सोसायटी के द्वारा जिदातो मिशन सभागार में ऐतिहासिक पाकुड़ सेमिनार के तीन दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह की शुरुआत की गई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। सन 1973 में पाकुड़ में संथाली भाषा के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित की गई थी। उसके 50 वर्ष पूरा होने पर यह अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण जयंती समारोह मनाया जा रहा है।
कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व अपर समाहर्ता श्री जेम्स सुरीन एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष श्री प्रणेश सोलोमन, छोटा नागपुर डायसिस के बिशप रेवरेंट बी बी बास्की के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।
उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा की संताली भाषा एवं संस्कृति बहुत समृद्ध है, उसे सहेजने की जरूरत है। अगले महीने पाकुड़ में एक लिटरेरी फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा, जो जनजातिय भाषा एवं संस्कृति पर आधारित होगी। जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने कहा कि जिस तरह हमारी भाषा और संस्कृति समृद्ध है, उसी तरह अपने साहित्य को भी समृद्ध करने की जरूरत है। अपनी समृद्ध संस्कृति, भाषा एवं समसामयिक बातों को डॉक्यूमेंटेशन की जरूरत है ताकि अगली पीढ़ी को हम विरासत में कुछ दे सकें। साहित्य हमारा दिशा सूचक है जो हमारी दशा बदल सकती है। संताली लिटरेरी एंड कल्चरल सोसायटी के झारखंड ब्रांच के सचिव जयराज टुडू ने कहा कि 1973 में जो अंतरराष्ट्रीय सेमिनार हुई थी, उसके 50 वर्ष पूरा होने पर यह स्वर्ण जयंती समारोह मनाया जा रहा है। संथाली भाषा एवं साहित्य की तब की क्या स्थिति थी और आज की क्या स्थिति है, इस पर हमें चिंतन करने की आवश्यकता है तथा संताली साहित्य के विकास के लिए आगे का रास्ता तय करने की आवश्यकता है।
ऑल इंडिया संताल वेलफेयर एंड कल्चरल सोसायटी के महासचिव डॉ तोनोल मुर्मू ने इस समारोह के आयोजन के उद्देश्य एवं लक्ष्य के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की विकास के साथ-साथ संताली भाषा में भी तकनीकी परिभाषा को भी विकसित करने की जरूरत है और संथाल परगना क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा को ही मानक संताली भाषा के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए तथा इसे ही अपनाने की जरूरत है। इस अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण जयंती समारोह में विशेष कर संपूर्ण झारखंड पश्चिम बंगाल असम बिहार एवं नेपाल बांग्लादेश भूटान नॉर्वे एवं डेनमार्क से भी प्रतिनिधि शामिल हुए।
कार्यक्रम का मंच संचालन रेवरेंड रोशन हांसदा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ डोमिनिक मरांडी, गेब्रियल सोरेन, रमेश चंद्र किस्कू,आलाकजाड़ी मुर्मू, दिलीप हेंब्रम, प्रोफेसर सुधीर कुमार मित्रा, भरत टुडू ,राजशेखर मरांडी, गुरु नागेंद्र नाथ हेंब्रम, मनोरंजन सोरेन ,छवि हेंब्रम डॉ भागवत मरांडी, मथियस बेसरा आदि उपस्थित थे।

घाटी में बहे बेगुनाह लहू से गुस्से में देश

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 का खात्मा होने के बाद घाटी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी, कुछ पिछली सदी के नब्बे के दशक से पहले की स्थिति में आने लगी थी। घाटी में परिंदों की चहचहाहट के साथ ही सैलानियों के तराने गूंजने लगे थे।

उमेश चतुर्वेदी

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों में सिर्फ परिंदे ही नहीं चहचहा रहे थे, बल्कि देश-दुनिया से आए सैलानी भी यहां की खूबसूरती में अपना सहयोग दे रहे थे..वे भी परिंदे की तरह घाटी के कैनवस को और ज्यादा खूबसूरत बना रहे थे..यह खूबसूरती पाकिस्तान परस्त उन आतंकियों को नहीं देखी गई, जिनके लिए कश्मीर गले की नस की तरह है। अपने गले की इस नस को बचाने के लिए आतंकियों ने बाइस अप्रैल का दिन चुना, और 26 बेगुनाह लोगों का रक्त घाटी की हरियाली चादर पर बिछा दिया..ये प्राकृतिक रंग होता तो धानी कैनवस पर खूबसूरत होता..लेकिन लहू का सुर्ख रंग कभी खूबसूरती का सबब नहीं बनता..वह वीभत्सता का जरिया बनता है..जब किसी बेगुनाह का लहू जब धरती पर गिरता है तो वह क्षोभ और क्रोध का जरिया बन जाता है..बेशक यह लहू सूख जाता है, लेकिन उसकी तासीर मानवता के दिल और दिमाग में कहीं गहरे तक रच जाता है..उसे धरती पर बहाने वाले के लिए वही सैलाब बन जाता है और उस सैलाब में एक दिन उसे बहाने वाले बह जाते हैं।

पहलगाम की धरती पर गिरा खून सूख चुका है..लेकिन वह भारत की असंख्य आंखों में उतर आया है..जब खून किसी की आंखों में उतर आता है तो उसका अंजाम बहुत भयानक होता है..भयानक उसके लिए, जिसकी वजह से वह आंखों में उतर आता है...तब उन आंखों का पानी धीरे-धीरे मरने लगता है और उसकी हर सूखी बूंद से उपजा सैलाब कहर बन कर टूटता है। भारत की असंख्य आंखों की सूख रही बूंदों से वही सैलाब उमड़ने वाला है। बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि घाटी में बेगुनाह खून बहाने वालों का पीछा किया जाएगा, उन्हें खोज निकाला जाएगा और दंडित किया जाएगा..दरअसल उसी सैलाब की निशानी है.. अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 का खात्मा होने के बाद घाटी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी, कुछ पिछली सदी के नब्बे के दशक से पहले की स्थिति में आने लगी थी। घाटी में परिंदों की चहचहाहट के साथ ही सैलानियों के तराने गूंजने लगे थे। इसके साथ घाटी में खुशहाली लौट रही थी। पत्थर थामने और सेना पर उन्हें उछालने वाले हाथों में कहीं पतवार तो कहीं घोड़े की लगाम तो कहीं सैलानियों को राह दिखाने वाले जज्बात आने लगे थे। कश्मीर की कालीनों को एक बार फिर रंग मिलने लगा था, उन्हें कद्रदानों की बाढ़ आने लगी थी...कश्मीर के केसर की रंगत और सुगंध दूर तक फैलने लगी थी..घाटी के मेवे की पहुंच एक बार फिर दुनिया के बाजारों तक होने लगी थी..लेकिन कंगाली के दरवाजे पर खड़ा पाकिस्तान और उसके सैनिक आकाओं को यह खुशहाली पसंद नहीं आई। इसके बाद उन्होंने द रेसिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों को आगे किया और पहलगाम में 24 भारतीय और दो विदेशी नागरिकों को मौत के घाट सुला दिया। भारतीय सेना की वर्दी में आए आतंकियों ने पुरूषों से कलमा पढ़ने को कहा। उनके धर्म पूछे और हिंदू बताते ही उनके सिरों को गोलियों से उड़ा दिया। इस कुकृत्य का शिकार बना भारतीय नौसेना का एक लेफ्टिनेंट, जिसकी महज छह दिन पहले ही शादी हुई थी...भारतीय वायुसेना का एक जांबाज, कानपुर का महज दो महीने पहले विवाहित एक जवान। एक मासूम बच्चे के सामने ही उसके पिता का खून बहा दिया गया। इस्लाम के नाम पर की गई इन हत्याओं के बाद आतंकी बोलते हुए चले गए कि मोदी को बता देना कि कश्मीर घाटी में जबरदस्ती बसाए जा रहे लोगों का यह बदला है...

महज दो महीने और छह दिनों का सुहाग अपने मासूम आंखों के सामने उजड़ना कैसे बर्दाश्त होगा, उन मासूम लड़कियों के दिलों पर क्या गुजरेगी, इसका ध्यान उन खूनी दरिंदों ने एक बार भी नहीं सोचा। इस्लाम के नाम पर इंसानियत का कत्ल करते वक्त उनके हाथ नहीं कांपे, ट्रिगर दबाने वाली उंगलियां नहीं थरथराईं..ऐसे में कैसे माने कि इस्लाम के अनुयायी ऐसे भी हो सकते हैं?

इन मासूस हत्याओं के बाद भारत में उबाल है। भारत इसका बदला चाहता है। भारत ने कुछ कदम उठाए भी हैं। 1960 से लागू सिंधु नदी जल समझौता रोक दिया गया है। अटारी सीमा को बंद कर दिया गया है, भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस लौटने को कह दिया गया है। सार्क के सदस्य देशों के लिए मिलने वाला विशेष वीजा रोक दिया गया है। पाकिस्तान के साथ कारोबार थम गया है।

पाकिस्तान की जीवन रेखा है सिंधु और उसकी सहायक नदियों से मिलने वाला पानी। इन नदियों का करीब अस्सी फीसद पानी पाकिस्तान को मिलता है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध की खेती इसी पानी के दम पर लहलहाती है। पाकिस्तान के कई शहरों की प्यास भी यही पानी बुझाता है। पहले से कंगाली झेल रहे पाकिस्तान के लिए भारत की ओर से लगे ये प्रतिबंध उसकी परेशानी ही बढ़ाएंगे। दिखावे के लिए पाकिस्तान को भी कुछ कदम उठाने ही थे। उसने भी उठाए हैं, मसलन हवाई सीमा भारतीय विमानों के लिए बंद कर देना और कारोबार रोकना। लेकिन भारत की तुलना में उसकी अर्थव्यवस्था कुछ भी नहीं है। ऐसे में उसकी माली हालत खराब होना स्वाभाविक है।

आम भारतीय सिर्फ इन्हीं उपायों से ही संतुष्ट नहीं है। भारत का नागरिक इजरायल की तरह की कार्रवाई का खुलेआम समर्थन कर रहा है। अपने नागरिकों के खून का बदला खून से लेना चाहता है। पुलवामा के बाद जिस तरह भारत सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी, उस तरह के हमले की उम्मीद भारतीय जनता कर रही है। अगर मोदी सरकार ऐसे फैसले लेती है, भारतीय सैनिक अपने नागरिकों के लहू का इंतकाम लेते हैं तो भारतीय लोगों का गुस्से पर पानी पड़ सकता है। लोकतांत्रिक सरकारें जनभावना को समझती हैं, उसके दबाव में भी होती हैं,लेकिन वे जनता की सोच को ठीक उसी तरह जमीन पर नहीं उतार सकतीं। प्रधानमंत्री मोदी की जो कार्यशैली है, उसमें वे क्या करने वाले हैं, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। लेकिन एक बात का अंदाजा जरूर लगाया जा सकता है कि लहू का बदला उनकी सरकार अपने तरीके से जरूर लेगी।

कश्मीर घाटी में पहली बार दिख रहा है कि इन हत्याओं के खिलाफ लोग उठ खड़े हुए हैं। यहां की महिलाएं तक बोल रही हैं कि वे सीमा रेखा के पार जाकर पाकिस्तान को सबक सिखाने को तैयार हैं। 1990 के बाद से यह पहला मौका है, जब कश्मीर में भी ऐसे लोग सामने आने लगे हैं, जो कश्मीर को भारत का हिस्सा मानने लगे हैं, ना सिर्फ मान रहे हैं, बल्कि खुलेआम इसे स्वीकार भी कर रहे हैं। आतंकियों के नापाक मंसूबों की भेंट चढ़े नागरिकों को वे अपना बेटा, भाई, बताते नहीं थक रहे हैं। कश्मीर का यह बदलाव बड़ा है।

संपादकीय

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुःखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि -'हमारे नाम पर नहीं।' कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निस्स्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। बल्कि उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले के लिये पूरे राज्य के लोगों को दोषी ठहराना सांप्रदायिक सद्भाव को पलीता लगाने जैसा है, जो हमारे धर्मनिरपेक्ष सामाजिक ताने-बाने को नुकसान भी पहुंचा सकता है। हमें विगत में आतंकी हमले के लिए संप्रदाय विशेष को दोषी ठहराने के बाद हुई प्रतिक्रियाओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कोशिश हो घटनाक्रम के बाद उपजे शोर में समझदार आवाजें दब न जाएं।

सामुदायिक हिंसा का बढ़ता खतरा ?

जम्बू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोलीबारी मारी। हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कश्मीर में इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए दो स्थानीय मुस्लिम और ईसाई, जैन भी मारे गए है। मीडिया का यह रुख गलत है। पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। आतंकियों को फांसी देने की भी बात कहीं गईं है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी किया है।

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत में हिंदुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दिया है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिंदू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गए हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिंदुओं की स्थिति बद से बदतर है। जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे।यहाँ हिंदुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाएं भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिंदू बाहुल्य होने के बाद भी हिंदू सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है। जबकि चीन में उइगर मुसमानों का दमन किसी से छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश है। कश्मीर हुआ नरसंहार इसका ताज़ा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोटबैंक के लिए राजनैतिक तुष्टिकरण सबसे बड़ी समस्या है।

भारत में हिंदुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है जबकि अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी गिनती पर आ गई है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गई हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं।

जम्बू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोलीबारी मारी। हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कश्मीर में इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए दो स्थानीय मुस्लिम और ईसाई, जैन भी मारे गए है। मीडिया का यह रुख गलत है। पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। आतंकियों को फांसी देने की भी बात कहीं गईं है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी किया है।

इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आर्मीचीफ जनरल कियानी की तरफ से भारत और हिंदुओं के खिलाफ दिया गया वह उसकाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है जिसमें उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बात पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है जिसमें पर्यटकों का धर्म पूँछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधीजंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिंदुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता हैएवं कश्मीर में अलगाववाद की नींव और मजबूत करना चाहता है। खैबरपखतून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाईजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है। जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। लेकिन वह जो कर रहा है उसकी भरपाई उसे करनी होगी।

कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता -आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुईं हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फ़ौज में बौखलाहट है जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है। आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा समझे अहम कारण कश्मीर के राजनैतिक और अलगाववादी कभी शान्ति और विकास नहीं चाहते हैं। क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहाँ बाधित हुईं वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है। हालांकि यह आम मुसलमानों और कश्मीरियों की सोच नहीं है। यह सिर्फ अलगाववादियों की सोच है। पहलगाम में हिंदुओं के साथ विदेशी नागरिक और नेवी में कार्यरत जवान की भी मौत हुई है। जोड़ा शादी के बाद हनीमून मानाने गया था जो निर्मम आतंकी साजिश का शिकार हुआ है। नरसंहार के बाद भारतीय सेना के लोगों के पहुंचने के बाद भी लोग इतने दहशत में थे कि उन्हें भी आतंकी समझ लिया। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गई। क्योंकि एलओसी से सटे कश्मीरी जिलों में आतंकवाद खूब फलता -फूलता रहा है।

कियानी के विभाजनकारी संदेश को हमारी सरकार, खुफ़िया एजेंसिया और सुरक्षा एजेंसिया नहीं समझ पाईं। ऐसे संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम होने चाहिए थे। क्योंकि यह इलाका काफी ऊंचाई पर है जहाँ का प्राकृतिक लुत्फ़ उठाने के लिए भारी तादात में देशी- विदेशी पर्यटक आ रहे थे। यह इलाका एलओसी से सटा है और प्राकृतिक जाटिलताओं से भरा है। ऊँचे पहाड़, नदिया घने - जंगल, देवदार और चीड़ के पेड़ यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता को और बढ़ाते हैं। यहाँ आतंकवादियों की पहुँच जटिल होने के बाद लेकिन सुगम है। यहाँ की संवेदनशीलता को देखते हुए अगर हमारी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क होती तो निश्चित रूप से इस नरसंहार से बचा जा सकता था। राज्य में इस तरह की घटनाएं पर्यटन उद्योग और उसकी संभावनाओं पर पानी फेरती हैं। हम अपनी चूक और नाकामियों से नहीं बच सकते। यह गंभीर मंथन का विषय है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर हमें सुरक्षा व्यवस्था को सख्त रखना होगा। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह हमला भारत की आत्मा पर है यह राजनीति का वक्त नहीं है। सारा देश गुस्से में है। रणनीति बनाकर पाकिस्तान और आतंकवाद को सबक सिखाने की जरूरत है।

पहलगाम हमले के बाद रणनीतिक कदम का सवाल

विवेक काटजू

गत 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकवादी हमले से पूरा देश बहुत गुस्से और व्यथा में है। इस हमले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई। देश के समूचे राजनीतिक वर्ग ने इसकी निंदा की है, हालांकि कुछ विपक्षी दल यह मांग भी कर रहे हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेवार लोगों से जवाबतलबी हो। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी इस जघन्य कांड की भर्त्सना की है और महत्वपूर्ण देशों के नेताओं ने कहा है कि वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े हैं।

हालांकि, इस तरह का समर्थन पर्दे के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयम बरतने की अपील के बावजूद है, तथ्य यह है कि यह हमला मोदी सरकार के समक्ष सुरक्षा एवं जनसंपर्कों में बहुत गंभीर चुनौती पेश करता है। पुलवामा या गलवान के विपरीत, जहां रक्षा कर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया। इसलिए यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश की निगाहें मोदी पर होंगी। यह उम्मीद की जाएगी कि वह बैसरन के अपराधियों, उन्हें सहायता देने वालों तथा प्रायोजित करने वालों को पूर्ण तथा माकूल जवाब देंगे, खासकर 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के दावों के बाद।

इस कांड को अंजाम देने का दावा 'रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन द्वारा ली गई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंधित है। जिन लोगों को भारत के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद के तौर-तरीकों के अध्ययन करने का लंबा अनुभव है, उन्हें सहज रूप से पता होगा कि इस तरह का हमला पाकिस्तानी जनरलों के खास आदेशों के बिना कभी संभव नहीं है। इसलिए, सर्वप्रथम आकलन उस वजह का बनता है जिसके कारण पाकिस्तानी जनरलों ने हमले का आदेश दिया होगा। अफगान तालिबान के साथ भारत के संबंधों में प्रगति से वे नाखुश हैं, इस पर उन्होंने काफी नज़र बनाए रखी है। वे भारत को तहरीक-ए-तालिबान-ए-पाकिस्तान और बलूच विद्रोही समूहों की मदद करने में जिम्मेदार मानते हैं। इस सबके अलावा 11 मार्च को 'जाफर एक्सप्रेस' पर बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले के बाद भारत के प्रति उनका गुस्सा और तीव्र हुआ। पाकिस्तानी सेना ने उस हमले के लिए भारत को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। हालांकि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अधिक संयमित और सतर्क थी।

जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद पाकिस्तान में जो कुछ हुआ उसके तमाम पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस लेखक ने गत 21 मार्च को 'फर्स्टपोस्ट' में एक लेख लिखा। इसका समापन पैराग्राफ बैसरन हमले में प्रासंगिक है और इस प्रकार है ः 'बीएलए हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इसके साथ 'खेल के नियम बदल गए हैं'। चौधरी (लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी, महानिदेशक, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) से एक प्रेस वार्ता में इन शब्दों की व्याख्या करने के लिए कहा गया था। इस पर उन्होंने जो शब्द कहे उन पर भारतीय विश्लेषकों और नीति-निर्माताओं को बारीकी से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा : 'बीएलए और (आतंकी समूहों) से उसी तरह निपटा जाएगा जिसके वे 'हकदार' हैं और यही बात उनके सूत्रधारों और उकसाने वालों पर भी लागू है, चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या बाहर'।

पाकिस्तानी सेना अपना हिसाब चुकता करने में 'बदल' (जिसका पश्तो में अर्थ है बदला) परंपरा का पालन करती है। भारत के खिलाफ यही करती आई है, वह बात अलग है इस चक्कर में उन्होंने देश को कंगाल बना डाला। टकराव के अलावा उसे कोई राह न सूझती। यह उनकी फितरत का हिस्सा है व हरेक सेना प्रमुख को यही दिखाना होता है कि 'माकूल जवाब' देने में वह सबसे आगे है, खासकर उस संस्था पर हमले के मामले में, जिसका वह नेतृत्व करता है, जिसको लेकर राय या गलतफहमी पाले रखता है कि यह भारत का काम है। ऐसे में, संभव है कि पाकिस्तानी सेना निकट भविष्य में भारत में किसी आतंकवादी घटना को प्रायोजित करने का प्रयास करे।

इसमें संदेह नहीं कि भारतीय नीति निर्माता इस बड़ी संभावना से अवगत रहे होंगे। भारतीय प्रतिष्ठान को यह खुला संदेश देना चाहिए कि किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस का उचित जवाब दिया जाएगा और यह भी कि स्थिति के आगे बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी उसकी होगी। यह अवसर बालाकोट हमले से अपनाए गए 'पूर्व-प्रतिक्रिया सिद्धांत' को दोहराने का एक उपयुक्त ढंग खोजने का भी है।

अग्रणी एवं मित्र देशों को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि वे पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर तथा अन्य स्थानों पर प्रायोजित आतंकवाद से गर्मी बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दें। और, निश्चित रूप से उन्हें पाकिस्तान को स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों के हल में हस्तक्षेप न करें, जैसा कि पाकिस्तानी सेना हमेशा से करवाना चाहती रही है'। यह स्पष्ट नहीं कि भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान ने चौधरी की उक्त मीडिया ब्रीफिंग को कितनी गंभीरता से लिया, लेकिन भारत में 16 अप्रैल को विदेशी पाकिस्तानियों को दिए गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के बयान पर काफी ध्यान दिया गया है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में साहेबगंज जिला में कैंडल मार्च, जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कई लोगों के शहीद होने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस दुखद घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमिटी साहेबगंज द्वारा राजमहल रोड, स्थित बशीर गैरेज बरहरवा मे जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में कैंडल जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

उसके उपरांत बशीर गैरेज बरहरवा से बरहरवा स्टेशन चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया।

जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा, हम सरकार से मांग करते हैं कि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आतंकवाद के प्रवेश पर जवाबदेही लेने और पुलवामा हमले की जांच में देरी पर सवाल उठाया। साथ ही मणिपुर जैसी घटनाओं पर सरकार से स्पष्ट जवाब की मांग की। बरकत खान ने कहा, आतंकवाद का कोई धर्म या जाति नहीं होती। मीडिया से अनुरोध है कि धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह न किया जाए। सरकार आतंकियों को ऐसी सजा दे जो भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने का सबक बने। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना व्यक्त की।

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाम रब्बानी ,प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू , प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,परवेज आलम, अश्वनी आनन्द,मिथुन मंडल, निताई सरकार, नेहाल अख्तर, मोती ,संतोष राम, अनीता साहा, आलमगीर मंसूरी,कालू, दिल अफरोज, मनोज घोष, सुभोजित मिश्रा, थॉमस रॉबट, ज़मीरुल , मेहबूब, अजमल, अनारूल खान, दाऊद शेख, आफताब आलम,भोलानाथ महतो , विक्की कर्मकार, राकेश शेख,जयंतो साहा विष्णु मॉल, रंजीत भंडारी , शरिक रब्बानी,अजीत कुमार रॉय, अमित भगत,राहुल, साहित सैकड़ों लोगों शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

तीन पहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुडी बाना पड़ा में चल रहे राहुल मेटल्स क्रेशर प्लांट में एक व्यक्ति की मौत

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा

साहिबगंज– तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुडी में शुक्रवार को दिल दहला देने वाला घटना सामने आया है.जहां एक क्रेशर में काम करने के दौरान मशीन के फीता में फंस जाने से एक मजदूर की मौत हो गई.मिली जानकारी के अनुसार तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुडी में संचालित राहुल मेटल्स मे काम करने के दौरान बरहरवा निवासी जितन गुप्ता नामक मजदूर क्रेशर मशीन के फीता के चपेट मे आ गया.जिसके कारण मजदूर जितन गुप्ता की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी गुलशन गौरव दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर मृतक मजदूर के शव को अपने कब्जे मे लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजने की तैयारी मे जुट गए.साथ ही मामले की छानबीन मे जुट गये.

आर्म्स एक्ट में पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मिर्जाचौकी थाना कांड में तीन अभियुक्त को आर्म्स एक्ट में पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत। मिली जानकारी के अनुसार मिर्जाचौकी प्रासंगिक कांड के प्राथमिकी अभियुक्त विक्रम पासवान उम्र 20 वर्षीय, पिता विनोद पासवान, अवधेश कुमार मंडल उम्र 21 वर्षीय, पिता वकील मंडल एवं पवन कुमार वर्णमाला उम्र 20 वर्षीय, पिता संतोष प्रसाद वर्णमाला तीनों का साकिन बड़तल्ला, जिला साहिबगंज को मिर्जाचौकी कांड संख्या 25/25 दिनांक 25 अप्रैल 2025 धारा 25(1 बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट में पुलिस ने विधिवत गिरफ्तारी करने के बाद चिकित्सा जांच के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा चिकित्सा जांच करने के उपरांत पुलिस ने तीनों अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा दिया।

अगलगी से छुछी गांव में पांच घर जले

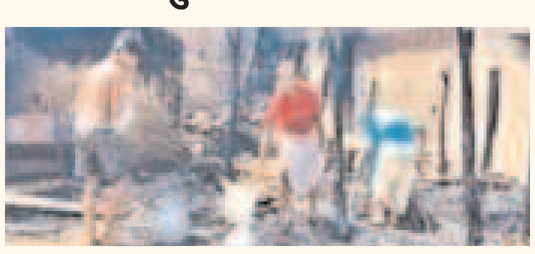

आदिवासी एक्सप्रेस बरहेट जय ठाकुर

बरहेट। प्रखंड क्षेत्र के छुछी गांव के मोमिन टोला में गुरुवार की दोपहर अगलगी की घटना में पांच घर जल गए। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार आग बांस पेड़ के झुंड से चिंगारी फुट कर ऐनल अंसारी के घर के छप्पर में गिरा। उससे ऐनुल अंसारी के झोपड़ी में आग लग गई। उसके पड़ोस के शेर मोहम्मद का खपरा का घर और उसमें रखा सारा सामान जल गया। बाद में मनीर अंसारी, आलम अंसारी, सनाउल्लाह अंसारी, सैफूल अंसारी व सेराज के घर भी आग की लपेट में आ जाने से आंशिक नुकसान हुआ। ग्रामीणों ने अपने स्तर तालाब, कुआ आदि से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। अंत में पंप सेट से पानी डालकर आग बुझाया।

बरहेट सीएचसी का सीएस ने किया निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस बरहेट जय ठाकुर

बरहेट। सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया ने गुरुवार की सुबह करीब 10.30 बजे बरहेट सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कर्मियों की उपस्थिति तथा ओपीडी, आईपीडी एवं लैब सेवाओं के संचालन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिए। निरीक्षण के समय अधिकांश कर्मी उपस्थित मिले। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को सीएचसी आने वाले मरीजों के साथ व्यवहार में शालीनता बनाए रखने, बीपीएम एवं ब्लॉक टीम को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छत का पानी गिराने को लेकर हुई मारपीट में चाकू से वार कर किया घायल

- बरहेट पुलिस ने छुछी गांव के कमभानु बीवी

आदिवासी एक्सप्रेस बरहेट जय ठाकुर

के बयान पर मारपीट करने तथा चाकू से पति पर वार करने के मामले में दो लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया है। इस मामले में पुलिस ने थाना कांड संख्या 76/25 के तहत मंसुर अंसारी तथा उसकी पत्नी गुलवन बीवी के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इस मामले में एक आरोपी मनसुर अंसारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी पवन कुमार ने घटना के संबंध बताया कि छत से पानी गिराने को लेकर आपस में विवाद हुआ। और गाली गलौज होने के साथ मारपीट के दौरान चाकू से उसके पति जाहिद अंसारी पर वार कर घायल कर दिया । पुलिस इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है। इधर, बरहेट थाना पुलिस ने थाना कांड संख्या 71/25 के तहत संथाली गांव निवासी अभियुक्त सुलेमान अंसारी, थाना कांड संख्या 111 / 24 के छोटा कदमा गांव निवासी चंद्राय सोरेन तथा वारंटी अब्दुल मजन को गिरफ्तार का न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

शादी के शॉपिंग करके जा रहे दंपति को फोर व्हीलर वाहन ने मारा जोरदार टक्कर घायल हायर सेंटर रेफर

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र महादेवगंज अंतर्गत चौक के समीप बाइक सवार पति-पत्नी को 207 वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया टक्कर लगने से पति-पत्नी घायल हो गए घायल आधे घंटे तक रोड पर तड़पता रहा. राहगीरों ने तमाशा देखते रहे. लेकिन मानवता दिखाते हुए दो युवक चंदन कुमार ठाकुर व चुनचुन कुमार यादव ने दोनों घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया चिकित्सक मुकेश कुमार के द्वारा प्रारंभिक इलाज करते हुए दोनों घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया बताया जा रहा है कि मिर्जाचौकी निवासी गर्जन प्रसाद यादव 61 वर्षीय व पत्नी 42 वर्षीय

राजकुमारी देवी के बेटे अमित कुमार के शादी था.और बारात साहिबगंज धर्मशाला शुक्रवार को आना था. जिसको लेकर शॉपिंग के लिए मिर्जाचौकी से बाइक में सवार होकर आया था शॉपिंग करने के बाद, बैंक से पैसे निकालकर वापस मिर्जाचौकी घर जा रहा था. उसी दौरान 207 फोर व्हीलर वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया टक्कर इतनी भयानक थी कि दंपति घटनास्थल पर ही खून से लहू लोहान होकर बेहोश हो गए आसपास के लोग मुख दर्शक बनकर देखते रहे लेकिन अस्पताल ले जाने वाला कोई नहीं था. दो युवक के सहयोग से दंपति को सदर अस्पताल में भर्ती कराया दोनों युवक ने बताया कि हम लोग घर पर थे.अचानक पता चला कि चौक के समीप दुर्घटना घटी है और जाकर देखा तो दोनों दंपत्ति घायल थे. कुछ लोग गाड़ी का इंतजार कर रहे थे तो कुछ लोग पुलिस के आने का इंतजार कर रहे थे. लेकिन हम लोगों ने ई-रिक्शा पर दोनों घायल को लाकर साहिबगंज में इलाज कारण डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया. इधर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गई है।

तीन पहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुडी बाना पड़ा में चल रहे राहुल मेटल्स क्रेशर प्लांट में एक व्यक्ति की मौत

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा

साहिबगंज– तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुडी में शुक्रवार को दिल दहला देने वाला घटना सामने आया है.जहां एक क्रेशर में काम करने के दौरान मशीन के फीता में फंस जाने से एक मजदूर की मौत हो गई.मिली जानकारी के अनुसार तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुडी में संचालित राहुल मेटल्स मे काम करने के दौरान बरहरवा निवासी जितन गुप्ता नामक मजदूर क्रेशर मशीन के फीता के चपेट मे आ गया.जिसके कारण मजदूर जितन गुप्ता की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी गुलशन गौरव दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर मृतक मजदूर के शव को अपने कब्जे मे लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजने की तैयारी मे जुट गए.साथ ही मामले की छानबीन मे जुट गये.

प्रशिक्षण के दौरान बीटीएम व एटीएम को दूसरे दिन विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। नवनियुक्त बीटीएम व एटीएम कर्मियों का तीन दिवसीय प्रेरणा प्रशिक्षण शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। संयुक्त कृषि भवन में चल रहे प्रशिक्षण के दौरान बीटीएम व एटीएम को दूसरे दिन विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई। बताया गया की योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिले और किस कोटि के किसान इससे लाभान्वित होंगे उनकी भी जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण शनिवार तक चलेगा। जिले के कुल 15 नवनियुक्त बीटीएम व एटीएम भाग ले रहे हैं। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का व आत्मा के परियोजना निदेशक आदि उपस्थित थे।

बालीडीह आयुष्मान आयोग मंदिर केंद्र का चापानल बीते दो माह से खराब पड़ा रहा

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत बालीडीह आयुष्मान आयोग मंदिर केंद्र का चापानल बीते दो माह से खराब पड़ा है। बालीडीह आरोग्य मंदिर में प्रसव केंद्र भी है। चापानल खराब रहने के कारण गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानी हो रही है। केंद्र की एएनएम सरिता सिन्हा ने बताया की बालीडीह स्वास्थ्य उप केंद्र सह आयुष्मान आरोग्य केंद्र में चापानल खराब रहने से पेयजल का घोर संकट है। चापानल में मोटर भी लगा है, वह भी खराब है। कई बार सीएससी प्रभारी को सूचना दी गई है। इस संबंध में पेयजल व स्वच्छता विभाग के जेई दिलीप मंडल ने बताया की बालीडीह में चापानल खराब रहने की जानकारी उन्हें नहीं है। आज उन्हें जानकारी मिली है शाम तक मिस्त्री भेज कर चापानल को दुरुस्त करवाया जाएगा।

आइसक्रीम ठेला से टकराई बाइक, तीन घायल

आदिवासी एक्सप्रेस बरहेट जय ठाकुर

बरहेट। ठेला गाड़ी से आइसक्रीम बेचने निकले पचकठिया गांव के हरिनंदन साह (42) को गुरुवार को गोपालडीह गांव के पास पीछे से आ रही बाइक से धक्का लग गया। बाइक सवार लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के बड़ा घघरी गांव के मनोज बास्की (35) व उसका पुत्र मनीष बास्की (11) अपना घर जा रहे थे। बाइक असंतुलित होकर आइसक्रीम ठेला से जा टकराया। घटना में आइसक्रीम विक्रेता हरिनंदन साह और बाइक सवार पिता मनोज बास्की और पुत्र मनीष बास्की घायल हो गए । तीनों घायलों का इलाज सीएचसी में डॉक्टर चिनोप्पा सोरेन ने किया। गंभीर रूप से मनीष को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

प्रथम दिन के प्रशिक्षण में सदर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से 71 शिक्षकों ने भाग लिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। सदर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का ऑनलाइन टीनए प्रशिक्षण आज दूसरे दिन भी शहर के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कन्या पोखरिया शहर जारी रहा!टीनए प्रशिक्षण का प्रारंभ 24 अप्रैल 2025 को सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी डॉली कुमारी और संजय कुमार तिवारी सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी झारखंड शिक्षा परियोजना साहिबगंज के उपस्थिति में प्रारंभ हुआ है.जो आज दूसरे दिन जारी है जहां प्रथम दिन के प्रशिक्षण में सदर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से 71 शिक्षकों ने भाग लिया.प्रथम दिन के आकलन में जिला अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार हर्ष ने उपस्थित शिक्षकों को कहा कि सावधानी से प्रश्न को पढ़े और उसका उत्तर दें

अगर किन्ही का किसी कारणवश समस्या उत्पन्न होती है उसे देखने के लिए आपके बीच प्रखंड स्तरीय अनुसंधान उपस्थित है.आपको बताते चले की राज्य स्तर से शिक्षकों के लिए यह ऑनलाइन प्रशिक्षण ऑनलाइन सेंटा एक के माध्यम से किया जा रहा है जहां पर शिक्षक के स्वयं के ईमेल आईडी से उनके एंड्राइड मोबाइल पर हिंदी अंग्रेजी और गणित के बारी-बारी से बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते हैं शिक्षक पढ़कर उसका उत्तर प्रविष्टि करते हैं निर्धारित समय 3 घंटा के भीतर सभी प्रश्नों के उत्तर देने के बाद फिर उनके मोबाइल के जरिए इसे ऑनलाइन सबमिट कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि संबंधित शिक्षक ने यह एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा कर लिया!वर्तमान में जिस प्रकार शिक्षक एवं अध्यापन कार्य में तकनीकी का प्रयोग हो रहा है इस हिसाब से शिक्षकों को भी तकनीकी रूप से प्रशिक्षित और कार्य करने की शैली विकसित करने का यह एक प्रथम शुरुआत हो सकता है! आज के प्रशिक्षण में माला कुमारी सविता कुमारी सपना कुमारी उषा कुमारी अरुण शर्मा अशोक यादव विनोद कुमार देवेंद्र प्रसाद शबाना खातून मोहम्मद हनीफ़ गोपाल राम मनोज कुमार यादव अमरनाथ सिंह इत्यादि 72 शिक्षकों ने सफलतापूर्वक आज के प्रशिक्षण में भाग लिया! वहीं दूसरे दिन के प्रशिक्षण में कल 72 प्रतिभागी शिक्षकों ने भाग लिया इस प्रशिक्षण में सहायक और अनुसमर्थन के रूप में प्रखंड संसाधन केंद्र साहिबगंज के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सुकृति प्रखंड साधन सेवी दुर्गेश नंदिनी, माखनलाल यादव, उमेश कुमार, हरेंद्र शर्मा,सजल रंजन दास, अरुण प्रभाकर चौहान, प्रखंड एमआईएस अर्पणा कुमारी कुमार माखन अभय कुमार सिंह सुमित कुमार अजीत कुमार उपस्थिति थे.

निशिकांत दुबे की गुलमर्ग में हाई-प्रोफाइल पार्टी की चर्चा!

संवाददाता द्वारा

रांची: पहलगाम में हुए आतंकी हमले में सुरक्षा में चूक की बात सामने आ रही है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए वहां किसी तरह के सुरक्षा बल की तैनाती नहीं थी। आतंकी एक के बाद एक पर्यटकों को मारते रहे, कोई जवाबी कार्रवाई करने वाला नहीं था। इस बीच एक नया खुलासा हुआ है, जिसमें जम्मू-कश्मीर में आम लोगों की सुरक्षा और वीवीआईपी की सुरक्षा में साफ अंतर दिखाया गया है। राष्ट्रीय जनता दल ने इंडियन एक्सप्रेस में छपी खबर के बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के जश्न और सुरक्षा पर प्रधानमंत्री से जवाब देने की मांग की है।आरजेडी की ओर से अपने सोशल मीडिया

एकाउंट एक्स पर इस खबर के बारे में स्पष्टीकरण की मांग की। इसमें लिखा गया है- नफ़रत का पोषक, अपने ही खून और रिश्तेदारी में शादी कर हिंदू धर्म को बदनाम करने वाला, चीफ जस्टिस पर गृह युद्ध का आरोप लगाने वाला, घृणा के दम पर राजनीतिक क़द बढ़ाने के लिए व्याकुल और कुख्यात फर्जी डिग्रीधारक बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे पर आरोप है कि उसने अपनी शादी की रजत जयंती पिछले हफ़्ते आतंकी हमले वाले जगह मनाई, उसके जश्न समारोह में कड़ी सुरक्षा थी, चारों ओर सुरक्षाकर्मी थे लेकिन पहलगाम में आम आदमी और पर्यटकों के लिए कोई सुरक्षा नहीं थी। अगर हादसे के स्थल पर 4 सुरक्षा कर्मी भी होते तो पर्यटकों के साथ यह भयानक घटना नहीं होती।

आरजेडी की ओर से यह भी लिखा गया है- इस मामले में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और वहां के एलजी से आप सवाल नहीं पूछ सकते अन्यथा गोदी मीडिया के पेट में दर्द होगा। निशिकांत दुबे और इन दोषियों की जगह कोई दलित पिछड़ा होता तो जातिवादी मीडिया उसके पीछे पड़ जाता, फिर इनकी देशभक्ति और पत्रकारिता भी जाग जाती।

फरक्का रेलवे स्टेशन से बरहरवा रेलवे स्टेशन तक ट्रेन नंबर 15733 अप में एक सर्च अभियान चलाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहरवा गुरुवार को गुप्त सूचना पर, ए एसआई रविशंकर यादव, एचसी स्वपन कुमार घोष और एच सी नूपुर बरन मिद्या सभी सीआईबी/मालदा से जिसका नेतृत्व आरपीएफ/सीआईबी/मालदा के एसआई/पार्थ मिश्रा ने किया तथा आरपीएफ पोस्ट बरहरवा से इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक जलेश्वर कुमार दुबे के साथ न्यू फरक्का रेलवे स्टेशन से बरहरवा रेलवे स्टेशन तक ट्रेन नंबर 15733 अप में एक सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान जब उक्त ट्रेन बिंदुबासहनी रेलवे स्टेशन को पार कर रही थी, तो देखा कि उक्त ट्रेन के कोच नंबर एस

-3 के शौचालय के पास दो (02) बैग संदिग्ध स्थिति में रखे हुए थे। पूछताछ करने पर, किसी ने भी उक्त डिब्बे में दोनों बैगों का होने का दावा नहीं किया। दोनों बैग की तलाशी लेने पर 66 हेवर्ड्स 5000 स्ट्रोंग बीयर, प्रत्येक पैक में 500 मिली लीटर तथा प्रत्येक की कीमत 110/- रुपये (कुल मूल्य 7260, ऑफिसर चॉइस व्हिस्की टेट्रा पैक की 10 बोतलें, प्रत्येक पैक में 180 मिली लीटर, जिसका मूल्य 130 रुपए प्रत्येक बोतल, कुल मूल्य 1,300 रुपए है। जिसकी कुल राशि-8,560 रुपये है। सभी को मौके पर ही अंक्लेम्ड जब्त किया गया। और जब पूरे एस-3 कोच को चेक किया गया तो देखा कि तीन (03) व्यक्ति कुछ भारी बैक पैक और हैंड बैग के साथ संदिग्ध तरीके से घूम रहे थे। संदेह होने पर आरपीएफ ने उन्हे हिरासत में लिया और बैग की तलाशी लेने पर उसमें विदेशी शराब मिली। इस प्रकार बैग के साथ उपर्युक्त व्यक्तियों को बरहरवा रेलवे स्टेशन पर उतारा गया। पूछे जाने पर उन्होंने अपना नाम अमरकांत 24 वर्ष, पिता लक्ष्मीकांत, ग्राम छोटी कबहिया, थाना- कबहिया, जिला- लखीसराय, बिहार, जिसके पास से हेवर्ड्स 5000 स्ट्रांग बीयर की 60 बोतलें, प्रत्येक की कीमत 110 रुपये है, कुल मूल्य 6600 रुपए है। भोंदू कुमार 19 वर्ष, पिता लेफ्टिनेंट के रूप में बताई, नीरज राम, ग्राम-छोटी कबिया,थाना-कबिया,जिला-लखीसराय, बिहार, जिसके पास से हेवर्ड्स 5000 स्ट्रोंग बीयर के 45 पैकेट, जिनमें प्रत्येक की कीमत 110 रुपये है, कुल मूल्य 4,950 रुपए है और मनीष कुमार 20 वर्ष, पिता बिंदेश्वरी शर्मा, बड़ी मस्जिद सुल्तानगंज, थाना-सुल्तानगंज, जिला-भागलपुर, बिहार के पास से हेवर्ड्स 5000 स्ट्रोंग बीयर की 30 बोतलें, जिनमें प्रत्येक की कीमत 110 रुपये है, कुल मूल्य 3,300 रुपए है और 10 सिग्नेचर व्हिस्की, प्रत्येक की कीमत 1000 रुपये, कुल मूल्य 10,000 रुपए बरामद हुआ। कुल कीमत 24,850/- रुपये है। सभी को जब्त कर, आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया और इंस्पेक्टर एक्साइज डिपार्टमेंट साहेबगंज को अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंपा गया। दोनों जब्त फॉरेन लीकर की कुल कीमत 33,410 रुपए है। गिरफ्तार अभियुक्त को आगे की कानूनी अनुसंधान करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीहः विश्व मलेरिया दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

गिरिडीह, प्रतिनिधि। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर शुक्रवार को सदर अस्पताल से जागरूकता रैली निकाली गई। लोगों को मलेरिया से बचाव, सुरक्षा और उसके प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रैली में सिविल सर्जन डॉ. एसपी मिश्रा के अलावे डॉ. रवि महर्षि, डॉ. कमलेश्वर प्रसाद, मोहम्मद नदीम, स्वास्थ्य कर्मी आलोक सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मियों के अलावे सहिया और एएनएम शामिल हुई और शहर के टॉवर चौक, कालीबाड़ी चौक, मकतपुर चौक सहित मुख्य मार्गो को भ्रमण किया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. एसपी मिश्रा ने कहा कि विश्व मलेरिया दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को मलेरिया से सुरक्षा और बचाव के प्रति जागरूक करना है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाकर मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण पाना है। उन्होंने बताया कि मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में जरूरी और त्वरित कार्रवाई को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। हमें ग्राम स्तर तक मलेरिया उन्मूलन के लिए कार्य करना होगा ताकि इसे जड़ से समाप्त किया जा सके। कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का वैश्विक लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गिरिडीह में मंदिर से लौट रही महिला से बाइक सवार बदमाशों ने छीनी सोने की चेन, फरार

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह शहरी क्षेत्र से एक चौंकाने वाली वारदात सामने आई है, जहां न्यू बरगंडा प्रोफेसर कॉलोनी की रहने वाली एक महिला को मंदिर से लौटते वक्त बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने अपना निशाना बना लिया। पूरा मामला 24 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे का है जब अधिवक्ता राजीव कुमार की पत्नी अपनी बेटी के साथ काली कुटिया मंदिर से पूजा-अर्चना कर वापस घर लौट रही थीं। इसी दौरान जैसे ही वह महिला कॉलेज के निकट पहुँचीं, विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक झपट्टा मारकर उनकी बेटी के गले से करीब 10 ग्राम की सोने की चेन, छीनकर झंडा मैदान की ओर तेज़ रफ्तार से फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने तुरंत नगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है। इस घटना से क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठ खड़े हुए हैं। बता दें की चेन छिनतई की घटना गिरिडीह में आम हो चुकी है आये दिन अपराधी इस वारदात को अंजाम देते रहते है।

गिरिडीहः बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने किया प्रदर्शन

- पाकिस्तान का झंडा जलाया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी घटना के विरोध में शुक्रवार विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल प्रदर्शन किया। इस दौरान शहर के टॉवर चौक पर पाकिस्तान का झंडा जलाने के साथ ही आतंकवादियों का पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शन में शामिल लोगों ने दो मीनट का मौन धारण कर घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजली दी। मौके पर प्रदर्शन में शामिल भाजपा नेत्री प्रो विनीता कुमारी, कुटुंब प्रबोधन की पूनम बरनवाल, संघ के मुकेश रंजन सिंह, विहिप के अनूप यादव, शिवपूजन कुमार, रविंद्र स्वर्णकार, हरविंदर सिंह बग्गा, उज्ज्वल तिवारी, पवन कांधवे सहित अन्य सभी लोगों ने आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। साथ ही केंद्र सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और पाकिस्तान को ईंट का जवाब पत्थर से देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आतंकियों द्वारा धर्म पूछकर भारतीय सैलानियों पर हमला करना अत्यंत निंदनीय है और ऐसे कायराना हरकतों का सख्ती से जवाब दिया जाना चाहिए।

झारखंड में शिक्षकों की बढ़ेगी टेंशन! हेमंत सरकार ने लागू किया नया नियम

संवाददाता द्वारा

रांची। शिक्षकों द्वारा ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर लगातार तीन दिन देर से उपस्थिति बनाने पर इसे एक आकस्मिक अवकाश के रूप में गिना जाएगा।स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस व्यवस्था को 80 उत्कृष्ट विद्यालयों (सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) तथा प्रखंड स्तरीय 325 आदर्श विद्यालयों में लागू की है। विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने इन विद्यालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें यह व्यवस्था लागू किए जाने की बात कही गई है। शिक्षा सचिव ने इन विद्यालयों में सीबीएसई तथा झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के मानक के अनुरूप बच्चों की 75 प्रतिशत उपस्थिति भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।इसे लेकर उन्होंने प्रत्येक माह 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले बच्चों की पहचान कर प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थिति बढ़ाने को लेकर बच्चों के अभिभावकों को पत्र लिखे जाने के निर्देश दिए हैं।सचिव ने पहले एवं दूसरे शनिवार को क्विज, पेंटिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि अतिरिक्त गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं।

स्कूल रूआर 2025 बैक टू स्कूल कैंपेन को लेकर समाहरणालय सभागार कक्ष में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

- सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर बल दिया गया
- स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सहयोग की गई अपील
- स्कूल रूआर 2025 बैक टू स्कूल कैंपेन को लेकर समाहरणालय परिसर से जागरूकता वाहनों को रवाना किया गया, ये वाहन प्रखंडों में घूम-घूम कर स्कूल रूआर बैक टू स्कूल कैंपेन के संबंध में जानकारी देगा

गिरिडीह, प्रतिनिधि। समाहरणालय सभागार कक्ष में समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत स्कूल रूआर 2025 बैक टू स्कूल कैंपेन को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बैक टू स्कूल कैंपेन की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं उसके उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए जिला शिक्षा पर अधिकारी ने बताया कि विद्यालय में आगामी 16 दिन के लिए मिशन मोड में यह अभियान शत-प्रतिशत बच्चों का नामांकन एवं उपस्थित को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। साथ ही साथ बच्चों की अगली कक्षा में प्रोन्नति सुनिश्चित किया जाना है।

इस कार्यक्रम के तहत बच्चों के उपस्थिति अनुश्रवण भी किया जाना है, अनामांकित बच्चों का विद्यालय में स्वागत किया जाना है तथा उनकी उपस्थिति बनाए रखना सुनिश्चित किया जाना है। विद्यालय के वातावरण को खुशनुमा बनाया जाना है ताकि बच्चे सहज महसूस कर सकें और बच्चों को विद्यालय में आनंद की अनुभूति हो। चिन्हित किए गए शिक्षित बच्चों को उनके पोषक क्षेत्र के नजदीकी विद्यालय के साथ नामांकन कराया जाना है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ई-विद्या वाहिनी में बच्चों का प्रोग्रेशन संधारित किया जाना है। मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक डीआरडीए रंथू महतों ने कहा कि बैक टू स्कूल कैंपेन का धरातल पर सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित हो, साथ ही हमारा प्रयास ग्रामीण बच्चों को ज्यादा से ज्यादा स्कूल से जोड़ने का है ताकि स्कूल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग जरूरी है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी स्कूल रुआर के संबंध में जानकारी दी जा सकें।

उद्देश्य

आँगनबाड़ी से आयु 5 तक सभी बच्चों का प्राथमिक विद्यालय मे नामांकन सुनिश्चित करना। 5-18 आयुवर्ग के नामांकित सभी बच्चों का उपस्थिति सुनिश्चित करना। विद्यालय से बाहर रह गये बच्चों का शत- प्रतिशत नामांकन एवं उपस्थिति सुनिश्चित करना। अप्रवासी, अनामांकित एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चे का नामांकन एवं उपस्थिति सुनिश्चित करना। पिछले वर्षों में कक्षा 1 से 11 तक के नामांकित सभी बच्चों का अगली कक्षाओं में शत-प्रतिशत नामांकन एवं उपस्थिति की पुष्टि करना। सभी बच्चों की उपस्थिति ई-विद्यावाहिनी में दर्ज कराना एवं नियमित अनुश्रवण करना।नव-नामांकित बच्चों का शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना। कार्यशाला में सांसद प्रतिनिधि कोडरमा लोकसभा, विधायक प्रतिनिधि, गांडेय, विधायक प्रतिनिधि, गिरिडीह, विधायक प्रतिनिधि, डुमरी, बगोदर, निदेशक, डीआरडीए, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक, जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सभी सीआरपी, बीआरपी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

गिरिडीहः कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च, आतंकवादी घटना मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजली

गिरिडीह, प्रतिनिधि। कशमीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से आक्रोशित कई राजनीतिक दलों व संगठनों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजली दी। इस क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस कार्यालय से टावर चौक तक कैंडल मार्च निकाला और टॉवर चौक पहुंचकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की। मौके पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया सहित अन्य कांग्रेसियों ने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है

और पूरा देश इस मौके पर एक है, लेकिन दुखद स्थिति यह है की जिन लोगों पर देश की सुरक्षा की जिम्मेवारी है वैसे ही लोग जिम्मेवारी ना लेकर सड़कों पर निकल कर ऊलजुलुल नारे लगाकर बातों को दूसरी तरफ मोड़ने का काम कर रहे हैं। मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अजय सिन्हा ने कहा कि दशकों से आतंकवाद से प्रभावित कश्मीर के वैसे इलाके जहां हजारों पर्यटक मौजूद हो वहां सुरक्षा बलों का मौजूद नहीं होना कई सवाल खड़े करते है। मौके पर महिला कांग्रेस के अध्यक्ष दुर्गा शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अहमद राजा नूरी, एससी सेल के अध्यक्ष संतोष दास, कांग्रेस नेता सच्चिदानंद सिंह, मोहम्मद निजामुद्दीन अंसारी, पड़ोसनता हेंब्रम, चोकर मुनि हेंब्रम, इशरत प्रवीण, सीता देवी, सुनीता बेसरा, काजल मिश्रा, वर्षा देवी, अशोक विश्वकर्मा, ऋषिकेश मिश्रा, अरमान अंसारी, समीर राज चौधरी, मोहम्मद नदीम, पोरेसनाथ मित्रा, योगेंद्र मेहता, मदनलाल विश्वकर्मा सहित कई कांग्रेसी मौजूद थे।

हत्या में शामिल तीन अभियुक्त गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। ज़िला के छतरपुर थाना कांड स0-74/25 दिनांक 24-04-2025धारा-103(1)/3(5) BNS वादी मुन्ना कुमार उम्र 22 वर्ष पिता मदन यादव, ग्राम दिनादाग़ टोला देवताही, पोस्ट कउअल थाना छतरपुर जिला पलामू के द्वारा 24-04-2025 लिखित आवेदन दिया गया कि दिनांक 03-04-2025 की शाम करीब 4:00 बजे इनकी मां शांति देवी एवं बहन बकरी को खूंटा बांध रही थी कि इतने में इनके गोतिया के कुलमनिया देवी उम्र 42 वर्ष पति लखन यादव, रंजू कुमारी उम्र 22वर्ष पिता लखन यादव, अंजू कुमारी 19 वर्ष ,पिता लखन यादव सभी ग्राम देवताही पोस्ट कउअल थाना छतरपुर के लकड़ी के पीढ़ा से मृतका के गर्दन में मारी जिससे ओ गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जहां इलाज के दौरान दिनांक 24-04-2025 को इसकी मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक पलामू के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी छतरपुर के नेतृत्व में टीम गठन किया गया। टीम के द्वारा त्वरित करवाई करते हुए कांड के तीनो प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में सभी अभियुक्त के द्वारा अपना अपराध कबूल करते हुए बताया गया कि जमीन बंटवारा को लेकर इन लोगों में पहले से विवाद था। और उस दिन मृतका अभियुक्त लोग के जमीन में बकरी को खूंटा बांध रही थी। जिसमें इन लोगों का विवाद हुआ था और पास में ही रखा हुआ पीढ़ा से उसके गर्दन में मार दी जिससे वह जख्मी हो गई थी

गिरफ्तार आरोपियों का नाम

1. कुलमनिया देवी उम्र 42वर्ष, पति लखन यादव
2. रंजू कुमारी उम्र 22 वर्ष पिता लखन यादव
3. अंजू कुमारी19 वर्ष, पिता लखन यादव सभी ग्राम देवताही पोस्ट कउअल थाना छतरपुर जिला पलामू के रहने वाले है।

गठित पुलिस टीम (SIT)

1. पु0अ0नि सह थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद
2. पु0अ0नि घनश्याम मिश्रा,अनुसंधानकर्ता छतरपुर थाना
3. पु0अ0नि सुनील उरांव छतरपुर थाना
4. महिला आरक्षी 1089 गूंजा कुमारी एवं महिला आरक्षी 51 पूनम कुंवर
5. महिला थाना महिला पुलिस बल
6. सशस्त्र बल छतरपुर थाना पलामू

गिरिडीहः कांग्रेसियों ने किया शोक सभा का आयोजन, पूर्व सांसद स्व तिलकधारी सिंह को दी श्रद्धांजली

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिला कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को कांग्रेस जिला कमिटी की ओर से शोक सभा का आयोजन किया। जिसमें काफी संख्या में कांग्रेसी शामिल हुए और पूर्व सांसद स्व तिलकधारी प्रसाद सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किए। मौके पर शोकसभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव नरेश वर्मा व अजय सिन्हा सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि पूर्व सांसद स्व तिलकधारी बाबू का जीवन अनुकरणीय रहा।

उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज और पार्टी को समर्पित करते हुए पार्टी के हर अच्छे बुरे समय में साथ खड़े रहे। कहा कि उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय छती हुई है जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। कहा कि विरोधी भी उनका सम्मान करते थे और उन्होंने राजनीति में उच्च स्तर के आयाम स्थापित किए थे। आज हर कांग्रेसी के लिए उनका जीवन अनुकरणीय है। मौके पर महिला कांग्रेस की अध्यक्षा दुर्गा शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अहमद राजा नूरी, एससी सेल के संतोष दास, कांग्रेस नेता सच्चिदानंद सिंह, सदर प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन अंसारी, समीर राज चौधरी, अशोक विश्वकर्मा, ऋषिकेश मिश्रा, परेशनाथ मित्रा, योगेंद्र सिन्हा, मदनलाल विश्वकर्मा, जीत मंडल, बिलाल अंसारी, दिनेश विश्वकर्मा, रोशनीटा हेंब्रम, सोकर मुनि हेंब्रम, इशरत प्रवीण, सीता देवी, सुनीता बेसरा, काजल मिश्रा, वर्षा देवी, अरमान अंसारी, राजा दिलशाद, मोहम्मद अली खान, सिंह युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष यश सिंहा सहित कई कांग्रेसी मौजूद थे।

छतरपुर में महावीर मंडल ने निकाला आक्रोश मार्च, पाकिस्तान का फूंका पुतला, श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पहलगाम हत्याकांड को लेकर छतरपुर में फूटा आक्रोश, पाकिस्तान मुर्दाबाद के लगे नारे

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, पलामू। कश्मीर के पहलगाम में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने हेतु छतरपुर में महावीर मंडल के द्वारा आक्रोश मार्च, पुतला दहन और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ठाकुरबाड़ी से लेकर भारत माता चौक होते हुए सरैडीह मोड़ महावीर चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया। साथ ही जपला मोड़ स्थित भारत माता चौक पर पाकिस्तान का प्रतीकात्मक रूप से पुतला दहन किया गया। इस मौके पर

लोगों ने शहीदों को इंसाफ दो, आतंकवाद मुर्दाबाद, वी वांट जस्टिस और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस मौके पर मंडल के संरक्षक सामाजिक कार्यकर्ता अरविन्द गुप्ता चुनमून ने कहा कि यह हमला कोई साधारण हमला नहीं है ये देश की अस्मिता और उसके गौरव पर प्रहार है। भारत सरकार को अविलंब कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान का सफाया करते हुए, पाक समर्थिक आतंकवाद को करारा जवाब देना चाहिए, आतंकियों को चुन चुन कर मारे सरकार। वहीं महावीर मंडल के अध्यक्ष पंकज कुमार, आर्यन कुमार, मृणाल कुमार, आकाश चंद्रा, यमुना यादव, पंचम कुमार, जयकुश प्रजापति ने कहा कि आतंकवाद विरोधी शक्तियों के खात्मा के लिए सभी को आगे आना चाहिए। सरकार से मांग करते हैं कि आतंकियों का खात्मा करे सरकार,बनव कहा कि इस क्रूरतम हत्याकांड को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। आक्रोश मार्च में सैकड़ो की संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। आक्रोश मार्च में मुख्य रूप से महावीर मंडल के संरक्षक अरविन्द गुप्ता चुनमून, कुंदन पाठक, आशीष मिश्रा, आकाश चंद्रा, ओमप्रकाश सोनी, अध्यक्ष पंकज कुमार, कोषाध्यक्ष मृणाल गुप्ता, जयकुश प्रजापति, पवन प्रजापति, प्रीतम कुमार, सन्नी कुमार, सोनू गुप्ता, रितेश चंद्रा, अभिषेक छोटू, डब्लू चंद्रा, बद्दू ठाकुर, सुरेंद्र चंद्रवंशी, गोकुल प्रसाद, नमन गुप्ता, गिरिजा चंद्रवशी, दिना प्रसाद, मंजुल गुप्ता, राकेश चंद्रा, गोकुल प्रसाद, कुंदन गुप्ता, दीपक यादव, अजय कुमार, उमेश सोनी, संजय विश्वकर्मा, प्रियांशु ठाकुर, मंजीत यादव, विश्वनाथ प्रसाद, गोरा पासवान, मणि ठाकुर सहित सैकड़ों लोगों ने आक्रोश मार्च सह श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया।

गिरिडीहः पहलगाम में हुए आतंकवादी घटना पर गिरिडीह में आक्रोश

झामुमो कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री और रक्षामंत्री का पुतला फुंका

गिरिडीह, प्रतिनिधि। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने शुक्रवार को गिरिडीह टावर चौक पर पहलगाम में आतंकवादी घटना पर आक्रोश मार्च निकालकर देश के गृहमंत्री और रक्षामंत्री का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि आतंकवादी हमले में मारे गए सभी लोगों के प्रति झारखंड मुक्ति मोर्चा शोक संवेदना प्रकट करती है। कैंडल जलाकर मारे गए सभी

लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि देश की सुरक्षा करने में गृहमंत्री और रक्षामंत्री फेल हैं इसलिए दोनों को नैतिकता के आधार पर घटना की जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पुलवामा के बाद पहलगाम में आतंकवाद की घटना ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। भाजपा के शासन में ही संसद पर हमला हुआ , अक्षरधाम मंदिर पर हमला हुआ। कारगिल युद्ध, पठानकोट हमला जैसे कई उदाहरण हैं। जिससे यह पता चलता है कि देश कमजोर हाथों में है। संजय सिंह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी देश का संवेदनशून्य प्रधानमंत्री हैं। 24 घंटा भी नहीं हुआ और वो चुनावी सभा को संबोधित करने बिहार पहुंच गए। झामुमो ने मांग किया कि देश की सुरक्षा के जिम्मेदार लोगों को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अजीत कुमार पप्पु, दिलीप मंडल, राकेश कुमार रॉकी, कृष्ण मुरारी शर्मा, तेज लाल मंडल, दिलीप रजक, सुमित कुमार, प्रमिला मेहरा, ज्योति सोरेन, मो तुफान, हरिमोहन कंधवे, मो हसनैन अली , अशोक राम, अनिल राम, मो सरफुद्दीन, मो नूर , मो नसीम, मो नौशाद, संजय वर्मा, रूपेश रजक , मेहताब मिर्जा, मो आदिल, मो राज, मो शेरू , अभय सिंह, राकेश गुप्ता , राजेश बंसल, टुना सिंह, सचिन शर्मा , अनुभव सिंह, विद्याभूषण सिंह सहित सैकडों लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

यादव महासंघ नवादा के रंजित यादव द्वारा जम्मू-कश्मीर में मारे गये लोगों की श्रद्धांजलि अर्पित

संवाददाता श्रीकान्त यादव
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा किए गये कायराना हमले में मारे गए निर्दोष सैलानियों को अखिल भारतीय यादव महासंघ नवादा के रंजीत यादव जी की ओर से पटना के इनकम टैक्स गोलंबर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु प्रार्थना की गई। इस मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। यह श्रद्धांजलि सभा आतंकवाद के विरुद्ध हमारी एकता, संकल्प और देशभक्ति का प्रतीक है।

जीविका द्वारा 28 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रमों का आयोजन

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव
बांका में जीविका द्वारा महिला संवाद के 7वाँ दिन बांका जिले के 11 प्रखंडों में कुल 28 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता

देखी गई।रजौन प्रखंड के मोरमा बंगावँ पंचायत के पुनसिया गावँ में माँ योगिनि ग्राम संगठन द्वारा आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में जिला कार्यालय से प्रबंधक प्रबंधक जॉब्स, मनोज निराला, प्रबंधक एवं अनुश्रवन, आरफीन परवेज़ तथा प्रखंड कार्यालय से क्षेत्रिय समन्वयक लक्ष्मी कुमारी भी उपस्थिति रहे। महिला संवाद कार्यक्रम में प्रबंधक मूल्यांकन एवं अनुश्रवन अधिकारी, आरफीन परवेज़ (जीविका) द्वारा महिला संवाद का महत्व बताया गया , उनके द्वारा बताया गया कि संवाद के मुख्य उद्देश्य सरकार और महिला के बीच संवाद कर महिलाओं के माध्यम से उनके आकांक्षाओं का संकलन करना है।
साथ में, प्रबंधक जॉब्स मनोज निराला , के द्वारा जिन्होंने महिलाओं को विभिन्न जॉब्स विकल्पों से अवगत कराया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया। क्षेत्रीय समन्वयक लक्ष्मी कुमारी ने महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि सरकार विभिन्न स्तरों पर महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु कार्य कर रही है। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे अपनी समस्याएं और सुझाव खुलकर साझा करें।
कार्यक्रम में महिलाओं ने कई अहम मांगें उठाई-
बच्चों की सुरक्षा हेतु स्कूलों में मिलिट्री ट्रेनिंग।
सामुदायिक उपयोग के लिए सामूहिक विवाह भवन।
फसल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज की स्थापना।
महिला संवाद वाहन के ज़रिए ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी गई, साथ ही लीफलेट्स का भी वितरण किया गया।
कार्यक्रम की खास बात रही 10 प्रेरणादायक दीदियों के अनुभव, जिन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम की मदद से लगान रसीद निर्गत किया गया

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव

अपीलार्थी श्रवण कुमार, ग्राम+पो0-सलेमपुर, थाना-अमरपुर, जिला-बांका के भूमि का लगान निर्धारण माह- जनवरी 2025 में कर दिया गया था लेकिन लगान रसीद निर्गत नहीं हो रहा जिससे व्यथित होकर उनके द्वारा दिनांक- 01.04.2025 को अपील आवेदन दायर किया गया। प्राप्त परिवाद के आलोक में लोक प्राधिकार अंचल अधिकारी,अमरपुर को परिवाद निवारण हेतु नोटिस निर्गत किया गया।
लोक प्राधिकार अंचल अधिकारी,अमरपुर ने सुनवाई में प्रतिवेदित किया कि अपीलार्थी के लगान का निर्धारण कर दिया गया वे लगान रसीद कटा सकते है। अपीलार्थी के द्वारा भी लिखित आवेदन दिया गया कि उन्होंने लगान रसीद कटा लिया है। अपीलार्थी के परिवाद का निवारण कर दिया गया है।

पाकिस्तान समर्थक भावनाएं भड़काने के आरोप में असम में छह लोग गिरफ्तार

● **मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनाया इसपर कड़ी रुख़**

पंकज नाथ, असम
पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए असम पुलिस ने ऑनलाइन पाकिस्तान के रुख को बढ़ावा देने या उसका बचाव करने के आरोप में अलग-अलग जिलों से छह लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी हमले के सिलसिले में पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति या समर्थन दिखाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत की गई है। गिरफ्तार किए गए लोग हैं- हैलाकांडी के मोहम्मद जाबिर हुसैन, सिलचर के मोहम्मद ए.के. बहाउद्दीन और मोहम्मद जावेद मजूमदार, मोरीगांव के मोहम्मद महाहर मिया उर्फ मोहम्मद मुजीहिरुल इस्लाम, नगांव के मोहम्मद अमीनुल इस्लाम, शिवसागर के मोहम्मद साहिल अली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ऐसे मामलों में पाकिस्तान का समर्थन या बचाव करता हो। अधिकारियों ने पुष्टि की कि जांच जारी रहने पर और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। बता दें कि इससे पहले पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी के लिए एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम को कल गिरफ्तारी के बाद आज नगांव कोर्ट में पेश किया गया है।

एमईआरआई समूह और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अधीन वर्ल्ड इकॉनमी एंड डिप्लोमेसी यूनिवर्सिटी की डिप्लोमैटिक एकेडमी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, (आरएनएस)।
एमईआरआई समूह (मेरी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन) और उज्बेकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्रालय के अधीन वर्ल्ड इकॉनमी एंड डिप्लोमेसी विश्वविद्यालय (यूडब्लूईडी) की डिप्लोमैटिक एकेडमी के बीच 23 अप्रैल 2025 को ताशकंद, उज्बेकिस्तान में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू पर एमईआरआई समूह की ओर से प्रोफेसर ललित अग्रवाल, उपाध्यक्ष, और यूडब्लूईडी की ओर से प्रोफेसर सादिक एस साफोएव, रेक्टर, ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) रमाकांत द्विवेदी, प्रमुख - एमईआरआई सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज़ (सीआईएस) और निदेशक - इंडिया सेंट्रल एशिया फाउंडेशन, श्री लव अग्रवाल, सीईओ - एमईआरआई स्टार्टअप, प्रो.

अब्दुसामत खैदारोव, निदेशक - डिप्लोमैटिक एकेडमी, यूडब्लूईडी, भारत के दूतावास के प्रतिनिधि, डॉ. अकरम उमरोव (प्रथम उप-रेक्टर), डॉ. मिर्ज़ोमिद खामदामोव (डीन, इंटरनेशनल इकॉनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट), डॉ. बखरोम सलाखित्दिनोव (डीन, एग्जीक्यूटिव एजुकेशन) सहित अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।
एमईआरआई समूह प्रबंधन, अभियांत्रिकी, पत्रकारिता, विधि, अंतरराष्ट्रीय संबंध, अर्थशास्त्र, वाणिज्य तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने वाला एक प्रमुख संस्थान है, जिसका मुख्यालय जनकपुरी, नई दिल्ली, भारत में स्थित है। वहीं, डिप्लोमैटिक एकेडमी, यूडब्लूईडी, सितंबर 2022 में स्थापित की गई थी और यह उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अधीन उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्था है, जो राजनयिकों, सरकारी अधिकारियों, व्यवसायियों एवं विशेषज्ञों को प्रशिक्षण, पुनःप्रशिक्षण और उच्च स्तरीय शोध प्रदान करती है। इस समझौता ज्ञापन के तहत प्रबंधन अध्ययन, सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), राजनयिक अध्ययन और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। दोनों संस्थान अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन, अर्थशास्त्र, व्यापार और वाणिज्य, अंतरराष्ट्रीय विधि, संस्कृति अध्ययन जैसे विषयों पर अनुसंधान एवं शैक्षणिक सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। भारत और उज्बेकिस्तान की साझी रुचियों को केंद्र में रखते हुए शोध परियोजनाएं तैयार की जाएंगी, जिनके निष्कर्ष गोष्ठियों, संगोष्ठियों, राउंड टेबल बैठकों और अन्य माध्यमों से साझा किए जाएंगे। यह प्रयास दोनों देशों के बीच शैक्षणिक, सांस्कृतिक और जनस्तरीय संबंधों को और मजबूत करेगा। प्रो. सादिक साफोएव ने इस एमओयू के माध्यम से एमईआरआई समूह और यूडब्लूईडी की डिप्लोमैटिक एकेडमी के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान और सहयोग को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. अब्दुसामत खैदारोव ने कहा कि प्रो. द्विवेदी के प्रयासों से यह एमओयू साकार हुआ है और यह दोनों देशों के बीच विशेषकर प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा। प्रो. ललित अग्रवाल ने प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी की वर्तमान समय में उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एमईआरआई समूह उन्नत साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस और एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करता है। उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा कार्यक्रम evolving threats से सिस्टम और डेटा को सुरक्षित रखने पर केंद्रित है, जबकि डेटा साइंस और एनालिटिक्स छात्रों को जटिल डेटा से महत्वपूर्ण जानकारी निकालने का प्रशिक्षण देता है। वहीं, एमएल और एआई पाठ्यक्रम छात्रों को बुद्धिमान प्रणाली और predictive मॉडल तैयार करने की विशेषज्ञता देता है। प्रो. रमाकांत द्विवेदी ने मेरी सीआईएस के बारे में जानकारी दी, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए कार्य करता है। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय संबंधों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक अध्ययन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों तथा विशेषज्ञों के साथ सहयोग करता है। इसका उद्देश्य बहुआयामी दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय मामलों की समझ को गहरा करना है।

1098 बोतल विदेशी शराब के साथ दो शराब कारोबारी गिरफ्तार

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।
चांदन (बांका) चांदन कटोरिया मुख्य सड़क मार्ग के चांदन नदी पुल के समीप आज शुक्रवार दोपहर को वाहन जांच के दौरान चांदन पुलिस को शराब की एक बड़ी खेप को पकड़ने में सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक उपेन्द्र नाथ वर्मा के निर्देश पर थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार के नेतृत्व में अपर थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार व स.अ. नि चन्द्रधारी झा द्वारा चलाये गये विशेष जांच अभियान मे एक पिकअप मालवाहक वाहन वैन से दो शराब तस्कर के साथ 1098 बोतल विदेशी शराब को जब्त किया गया।जानकारी के अनुसार पिछले दो महीने से शराब की बड़ी खेप पकड़ने मे असफल रही चांदन पुलिस के लिए यह सफलता खास मायने

रखती है।बताया जाता है कि शराब की बड़ी खेप पकड़ने को लेकर चांदन पुलिस बीते तीन दिनों से लगातार विशेष वाहन जाँच अभियान चला रही थी । जिसके फलस्वरूप आज शुक्रवार की दोपहर चांदन नदी पुल के समीप चांदन की तरफ से कटोरिया की और जा रही एक मालवाहक पिकअप वैन को जांच के लिए रोका।जांच के दौरान मुड़ी के बोरे की आड़ में छुपाकर ले जाए जा रहे विभिन्न कंपनी के 1098 बोतल विदेशी शराब जब्त की गयी। हालांकि सामने पुलिस को देखकर वाहन चालक ने भागने का भी प्रयास किया परन्तु सफल नहीं हो सका। मौके से पुलिस ने वाहन चालक और उपचालक के रूप मे दो शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शराब कारोबारी की पहचान देवघर जिला के सारवां थाना क्षेत्र के जोगबिंधा निवासी बबलू कुमार यादव पिता संतु यादव व मनीष यादव पिता प्रेम यादव के रूप मे हुई है।जब्त शराब की कुल मात्रा 328.68 बताई जा रही है ।इस संबंध में थानाध्यक्ष बिष्णुदेव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों शराब कारोबारियों के खिलाफ मध उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है।शनिवार को गिरफ्तार दोनों शराब कारोबारियों को बांकख जेल भेज दिया जाएगा।

एनएसएस विशेष शिविर के छठे दिन (25 अप्रैल) टीम भावना, जागरूकता और सेवा कार्यों का बेहतरीन संगम

संवाददाता द्वारा
रांची। सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची के एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन का आरंभ जोश से भरपूर गतिविधियों के साथ हुआ। सुबह के सत्र में स्वयंसेवकों ने रस्साकशी, पिट्ठो, और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों में भाग लिया, जिससे टीम भावना और आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला।
दोपहर में एड्स जागरूकता और महिला परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सदर अस्पताल की डॉ. रूपा ने परिवार नियोजन, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर महिलाओं को जागरूक किया। ग्रामीण महिलाओं ने इस सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके उपरांत महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया ताकि मासिक धर्म स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा सके। साथ ही, स्थानीय बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। दिन का समापन स्वयंसेवकों द्वारा स्वयं भोजन तैयार करने और साथ मिलकर भोजन करने के साथ हुआ, जिसने सेवा और एकता की भावना को और मजबूत किया।अब सभी स्वयंसेवक शिविर के अंतिम दिन की तैयारियों में जुटे हुए हैं और समापन समारोह को यादगार बनाने के लिए उत्साहित हैं।

ज्ञानदीप पोर्टल के माध्यम से कमजोर वर्ग के बच्चों का निःशुल्क नामांकन

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव
बांका में शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के अन्तर्गत RTE के तहत 25 प्रतिशत अलाभकारी समूह/कमजोर वर्ग के बच्चों का निःशुल्क नामांकन ज्ञानदीप पोर्टल के माध्यम से जिले के निबंधित निजी विद्यालयों में किया जाता है। उक्त के आलोक में आज दिनांक 25 अप्रैल, 2025 को ज्ञानदीप पोर्टल पर RTE अन्तर्गत ऑनलाईन आवेदन किये गए बच्चों का Randomization (लॉटरी) का कार्य राज्य स्तर से किया गया। इस अवसर पर कुन्दन कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मनोहर सिंह, RTE प्रभारी एवं निजी विद्यालय के एसोसियेशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। Randomization (लॉटरी) के उपरान्त संबंधित विद्यालयों को आवंटित बच्चों की विवरणी ज्ञानदीप पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है। उक्त सूची की जाँच कर निर्धारित अर्हता के उपरान्त आवंटित बच्चों का नामांकन संबंधित विद्यालयों द्वारा एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण किया जाएगा।
उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु उपरोक्त प्रक्रिया के तहत प्रथम चरण में 622 बच्चों का आवंटित विद्यालयों में नामांकन कराया गया तथा द्वितीय चरण में कुल 426 बच्चों को विद्यालय आवंटित हो चुका है, जिनका नामांकन एक सप्ताह के अन्दर संबंधित निजी विद्यालय में होने के उपरान्त उन्हें निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी।

तीन दिवसीय अखंड रामधुन संकीर्तन समापन के मौके पर विधायक मनोज यादव पहुंचे अंगराजोर गांव

क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि को लेकर हनुमान जी के मंदिर में विधायक ने टेका माथा

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट
शुक्रवार को बेलहर के जदयू विधायक मनोज यादव दर्जनों समर्थकों के साथ फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के भितिया पंचायत अंतर्गत अंगराजोर गांव तीन दिवसीय अखंड रामधुन संकीर्तन समापन के मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने नवनिर्मित मंदिर में प्रतिस्थापित संकट मोचन हनुमान जी के दरबार में हाजिरी लगाते हुए उनके चरणों में क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि को लेकर माथा टेका। धार्मिक कार्यक्रम के मौके पर पहुंचे विधायक मनोज यादव, प्रखंड प्रमुख गौतम प्रकाश, प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष चंदन

कुमार, संबंधित पंचायत के पंचायत समिति सदस्य जयराम मरांडी, समाजसेवी संजय मांझी सहित अन्य को धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन कर्ता मिथिलेश प्रसाद सिंह एवं अन्य सदस्यों द्वारा माल्यार्पण करते हुए बजरंगबली की भव्य प्रतिमा, अंग वस्त्र एवं बुके देकर उन्हें सम्मानित किया गया। वहीं इस अवसर पर विधायक श्री यादव कार्यकर्ताओं से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली तथा ग्रामीणों को यथा संभव समस्या के समाधान का भरोसा दिया। वहीं विधायक श्री यादव ने ईश्वर की प्रेरणा से भव्य धार्मिक कार्यक्रम को आयोजित करने पर आयोजन कर्ता मिथिलेश प्रसाद सिंह को बहुत बहुत बधाई दी। वहीं इस अवसर पर विधायक श्री यादव के साथ मुख्य रूप से वार्ड सदस्य रणधीर प्रसाद सिंह, सिकेन्दर सिंह ,प्रदीप सिंह, पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह ,सत्यम कुमार ,अनुज कुमार, रामानंद यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश क्यों करें?: अल्का मिश्रा

संवाददाता श्रीकान्त यादव
स्टॉक मार्केट क्रैश क्या है?: अलका मिश्रा पटना, एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड की अस्सिटेंट वाइस प्रेसिडेंट अलका मिश्रा ने बताया है
एक शेयर बाजार दुर्घटना क्या है?
एक शेयर बाजार दुर्घटना निवेश के साथ जुड़े सबसे संवेदनशील विषयों में से एक है। बाजार में अस्थिरता शेयर बाजार का एक पहलू है, जहां शेयर और बांड जैसी प्रतिभूतियों की कीमतें बढती और घटती हैं। हमारा लक्ष्य यह स्पष्ट करना है कि इस का क्या अर्थ है जब बाजार दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। यद्यपि इन दुर्घटनाओं का पूरा डर हो सकता है, हम आपको यह भी बताएंगे कि उन परिस्थितियों में क्या करना है।
शेयर बाजार दुर्घटना शेयर की कीमतों में अचानक और अक्सर अभूतपूर्व गिरावट से चिह्नित है। इसके प्रतिकूल प्रभाव अक्सर महत्वपूर्ण विनाशकारी घटनाओं या मुद्रास्फीति जैसे कमजोर आर्थिक संकट का कारण बनते हैं। निवेशकों के जनसमूह के बीच आगामी हलचल आगे इसके लिए योगदान देती है।
शेयर बाजार दुर्घटना परिभाषा के अनुसार, यह शेयर कीमतों में अचानक दहाई अंकों के प्रतिशत में गिरावट से चिह्नित होता है। आम तौर पर अगले कुछ दिनों के दौरान इस प्रकार क्या है, या कुछ मामलों में, कभी कभी कुछ ही घंटों के भीतर निवेशकों के बीच व्यापक हलचल है। यह हलचल अंततः उनमें से ज्यादातर को अपनी वित्तीय संपत्तियों को समाप्त करने के लिए कम

कीमतों पर अपने शेयरों को बेचने के लिए मजबूर करती है।
ऐसी परिस्थितियों में, आपूर्ति मांग को पार करती है, जिससे खरीदारों की तुलना में अधिक विक्रेताओं के साथ बाजार की स्थिति बढ़ जाती है। यह एक बाजार वातावरण को बढ़ावा देता है जो संपत्ति के साथ दलदल में फंसा है, जबकि उनकी कीमतों में मंदी है। आर्थिक मंदी अक्सर शेयर बाजार दुर्घटनाओं का एक परिणाम हैं। निवेशकों के लिए एक शेयर बाजार दुर्घटना के निहितार्थ हैं, खासकर उनमें से ज्यादातर के एक त्वरित निकास को हराने के बाद। चूंकि निवेशकों को संपत्ति की कीमतों में गिरावट के कारण अपने निवेश पोर्टफोलियो के मौद्रिक मूल्य में तेज गिरावट का सामना करना पड़ता है, जो शेयरों में निवेश करते हैं वे तेजी से हलचल से ग्रस्त और चिंतित हो जाते हैं। स्टॉक वैल्यू को कम करना निवेशकों और निगमों के बीच समान रूप से काफी असुरक्षा उत्पन्न करता है। इस तरह की दुर्घटनाओं की प्रमुख आर्थिक मंदी में से एक समाज में व्यय योग्य आय में एक गंभीर गिरावट है।
एक शेयर बाजार दुर्घटना का एक तत्काल प्रभाव जो अपने शेयरों को बेचने के लिए बहुत जल्दी कर रहे हैं उन निवेशकों द्वारा पैसे की हानि है। एक अन्य परिदृश्य में निवेशक को जो शेयर संपत्ति पर एक लाभ बनाने के लिए पैसे की एक बड़ी राशि उधार लेते है, वे शामिल हैं। यदि निवेशक बाद में अपनी संपत्ति बेचता है और यहां तक कि अपना ऋण चुकाता है, तो वह केवल एक नगण्य लाभ के साथ छूटता है।
शेयर बाजार दुर्घटनाएं अक्सर निवेशकों के लिए प्रतिकूल परिणाम उत्पन्न करती हैं और उनके बाजार परिप्रेक्ष्य गंभीर वित्तीय चोट का सामना कर सकते हैं। हमेशा, बैंकों और कंपनियों को इन दुर्घटनाओं के बाद भी एक बड़ा सौदा भुगतना पड़ता है। संगठनात्मक संस्थाएं महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान से गुजरती हैं और लागत में कटौती करने के लिए मजबूर होती हैं।
यदि आप शेयर बाजार दुर्घटनाओं के बारे में चिंतित हैं, तो मत हों। एक निवेशक के रूप में, उनके खिलाफ खुद को बचाने के तरीके हैं। हमने कुछ कदमों को रेखांकित किया है जो आप आर्थिक मंदी के प्रतिकूल परिणामों का मुकाबला करने के लिए ले सकते हैं।
स्थिर रहो- कहने से करना अच्छा, जब एक शेयर दुर्घटना के साथ सामना हो, सबसे अच्छी बात आप कर सकते हैं वह मजबूत रहना है। यदि आपके पास एक ध्वनि निवेश पोर्टफोलियो है, तो कम कीमतों पर अपनी संपत्ति बेचकर बाजार से बाहर निकलना ज्ञानपूर्ण बात नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक मौका है कि शेयर बाजार ठीक हो जाएगा क्योंकि यह ऐतिहासिक रूप से ऐसा कर रहा है, और परिसंपत्ति की कीमतें फिर से बढ़ेगी। बाजार समय यहाँ महत्वपूर्ण है। मजबूत रहें और निवेश करके रखें, बाजार ठीक होने पर भी आप लाभ कमा सकते हैं। तो, एक दुर्घटना के दौरान, निम्नतम कीमतों पर अपनी संपत्ति बेचने का आग्रह प्रस्तुत न करें।
पर्याप्त शोध के आधार पर खुद को तैयार करें- ऐतिहासिक रूप से, विशिष्ट शेयर क्षेत्रों का शेयर बाजार दुर्घटना के दौरान कुछ अन्य की तुलना में बेहतर प्रदर्शन का रिकॉर्ड है। उदाहरण के लिए, उच्च-लाभांश स्टॉक्स या नीले-चिप स्टॉक्स दूसरों की तुलना में तुलनात्मक रूप से कम अस्थिर होते हैं। उदाहरण के लिए, उपयोगिता स्टॉक्स, सेवा उन्मुख संगठन, खाद्य और दवा सम्बन्धी स्टॉक्स अन्य संगठनात्मक निकायों की तुलना में आर्थिक मंदी का सामना ज्यादा बेहतर करते हैं। पूरी तरह से बाजार अनुसंधान पर अपने निवेश पोर्टफोलियो का आधार करना महत्वपूर्ण है।
विविधता- हम इस पर अधिक तनाव नहीं ले सकते हैं। एक अच्छी तरह से विविध निवेश पोर्टफोलियो या निवेश का सही मिश्रण होना आदर्श है। कर्ज और इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश करने और अपने स्वामित्व को अनुकूलित करने की कोशिश करें। जैसा कि सामान्य बयान जाता है, यदि आप अपने सभी अंडे को एक टोकरी में डालते हैं और संयोगवश इसे छोड़ते हैं, तो आप एक ही बार में सभी अंडे खो देते हैं। दूसरी ओर, अलग-अलग टोकरी में अपने अंडे फैलाने का मतलब यह होगा कि यदि आपकी एक टोकरी बर्बाद हो जाती है, तो अन्य टोकरी में आपके अंडे अभी भी क्षतिग्रस्त नहीं होंगे। अधिक आसानी से कहें, विभिन्न निवेश उपकरण जोखिम के एक अलग स्तर के साथ आते हैं। हालांकि कुछ निवेश शेयर बाजार दुर्घटनाओं के लिए अधिक संवेदनशील हो सकते हैं, कुछ अन्य उतनी चपेट में नहीं हो सकते हैं। इसलिए, एक निवेश साधन से आपके नुकसान को अन्य निवेश के रास्ते से लाभ से मुआवजा दिया जाता है, जिससे निवेश के नुकसान में काफी कमी आती है।
अपनी किटी में इन संकेतों के साथ, आप अपने आप को एक शेयर बाजार दुर्घटना के प्रतिकूल प्रभावों के खिलाफ बचाने में सक्षम होने के लिए सुनिश्चित हैं। इसके अलावा, एक दुर्घटना के माध्यम से खुद को खींचने पर सलाह और सुझावों के लिए एक निवेश सलाहकार से परामर्श एक निवेशक के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने का एक शानदार तरीका है।

इजिप्ट में होने वाली सब-जूनियर स्पीड बॉल इंटरनेशनल प्रतियोगिता के लिए छात्र अर्पित शिवगोत्रा का हुआ चयन

एजेंसी

आरएस पुरा। इजिप्ट में 26 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक होने वाली सब-जूनियर स्पीड बॉल इंटरनेशनल प्रतियोगिता के लिए रेनू नेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल टांडा आरएस पुरा के छठी कक्षा के छात्र अर्पित शिवगोत्रा पुत्र प्रीतम शिवगोत्रा का चयन हुआ है। स्कूल प्रबंधन की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन कर सब जूनियर अंतर्राष्ट्रीय स्पीड बॉल प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर छात्र अर्पित शिवगोत्रा को सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रीतम शिवगोत्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मानित समारोह के दौरान स्कूल स्टाफ के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य प्रीतम शिवगोत्रा ने कहा कि जम्मू कश्मीर के साथ-साथ क्षेत्र के लिए भी गर्व की बात है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली जूनियर इंटरनेशनल स्पीड बाल चैंपियनशिप के लिए उनके स्कूल के छात्र अर्पित शिवगोत्रा का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि छात्र अर्पित पिछले 2 साल से स्पीड बॉल प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहा है और हाल ही में हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुई प्रतियोगिता में भी अर्पित का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए उसका चयन हुआ है जो कि हम सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर के तीन प्रतिभागियों का इस प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। स्कूल के प्रधानाचार्य ने बताया कि कोच सनी नंदा की अध्यक्षता में सभी खिलाड़ी आज इजिप्ट के लिए रवाना होंगे।

फेडरेशन कपः ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने की अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने कोच्चि में फेडरेशन कप के दौरान अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। चित्रवाल ने महाराजा कॉलेज स्टेडियम में 17.37 मीटर की छलांग दर्ज की, जिससे उन्होंने 2023 में क्यूबा के हवाना में होने वाले प्रूबा डे कॉन्फ्रॉन्टेसियन इवेंट में बनाए गए अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 23 वर्षीय चित्रवाल ने इस प्रयास के साथ ही इस वर्ष की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफिकेशन हासिल कर लिया है। तमिलनाडु के इस जम्पर ने प्रतियोगिता से हटने से पहले फेडरेशन कप में अपनी दूसरी छलांग के साथ कीर्तिमान स्थापित किया।

फेडरेशन कपः ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने की अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने कोच्चि में फेडरेशन कप के दौरान अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। चित्रवाल ने महाराजा कॉलेज स्टेडियम में 17.37 मीटर की छलांग दर्ज की, जिससे उन्होंने 2023 में क्यूबा के हवाना में होने वाले प्रूबा डे कॉन्फ्रॉन्टेसियन इवेंट में बनाए गए अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 23 वर्षीय चित्रवाल ने इस प्रयास के साथ ही इस वर्ष की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफिकेशन हासिल कर लिया है। तमिलनाडु के इस जम्पर ने प्रतियोगिता से हटने से पहले फेडरेशन कप में अपनी दूसरी छलांग के साथ कीर्तिमान स्थापित किया।

रॉयल रेंजर्स, ड्रीम एफसी और एमिटी की रोमांचक जीत

नई दिल्ली। अनीता की शानदार हैट्रिक की मदद से रॉयल रेंजर्स ने सिटी एफसी को 3-0 से हरा कर डीएसए महिला प्रीमियर लीग में शानदार जीत दर्ज की।नेहरू स्टेडियम में खेले गए दिन के पहले मैच में हंस कैपिटल फुटबाल क्लब ने ईक्स स्पोर्ट्स क्लब पर 4-2 की जीत दर्ज की। विजेता के लिए दो शानदार गोल करने वाली सृष्टि कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। वी चिंग और पायल ने एक-एक गोल बांटे। वहीं ईक्स के लिए नैंसी और नेहा ने एक-एक गोल किया। पुरुषों की ए डिवीजन के एक मैच में आशुतोष के दो दर्शनीय गोलों से द ड्रीम टीम ने उत्तराखंड फुटबाल क्लब को 2-0 से पराजित किया। विजेता टीम ने अधिकांश समय दबदबा बनाया लेकिन कई आसान मौके गँवाए। वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था। अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए सीनियर डिवीजन लीग के मैच में एमिटी इंडियन नेशनल फुटबाल क्लब ने अहबाब एफसी को 5-3 से हराया। रोमांचक मुकाबले में विजेता टीम के लिए विकास दलाल और विनय ने दो दो तथा तनिश ने एक गोल किया। अहबाब के टी मिसाओ, मंगते और एल बेंजमिन ने एक-एक गोल दागे।

आईपीएलः सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुकाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

निकोलस पूरन खिसके, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर

लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरुआत धमाकेदार अंदाज़ में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की दौड़- हेज़लवुड ने पकड़ी रफ्तार

गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेज़लवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

12 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की होड़

प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेज़लवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के क्रुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं।

ग्लोबल कबड्डी लीगः मराठी वल्चर्स की धमाकेदार जीत, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) के पुरुष वर्ग के मुकाबले दर्शकों के लिए रोमांच से भरपूर रहे। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी स्टेडियम में खेले गए मैचों में मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और पंजाबी टाइगर्स ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की। आज की जीत के साथ मराठी वल्चर्स 13 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, पंजाबी टाइगर्स 12 अंकों के साथ दूसरे और तमिल लायंस 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज हैं। मैचों में मुख्य अतिथि के तौर पर गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार और भारतीय सेना के ब्रिगेडियर एस.के. सरीन उपस्थित रहे। दोनों ने खिलाड़ियों को 'प्लेयर ऑफ द मैच' सम्मान प्रदान किया और उनके प्रदर्शन की सराहना की। अजय कुमार ने कहा कि खिलाड़ियों का समर्पण और जोश इस लीग को खास बना रहा है। मुकाबलों की बात करें तो पहले मैच में तमिल लायंस ने भोजपुरी लेपर्ड्स को 35-33 से हराया। मुकाबला आखिरी क्षणों तक कांटे का रहा, लेकिन तमिल टीम की रणनीतिक रेडिंग और निर्णायक सुपर रेड ने उन्हें जीत दिलाई। दूसरे मैच में पंजाबी टाइगर्स ने तेलुगु पैंथर्स को 47-39 से पराजित किया। उनकी आक्रामक रेडिंग और मजबूत डिफेंस ने 6 ऑल-आउट के साथ टीम को जीत दिलाई। तीसरे और अंतिम मुकाबले में मराठी वल्चर्स ने हरियाणवी शार्क्स को 52-35 से हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। मराठी टीम ने रेडिंग, टैकल और ऑल-आउट में शानदार संतुलन दिखाया।

मैड्रिड ओपन से हटे कार्लोस अल्काराज, चोट बनी वजह

एजेंसी

मैड्रिड। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। पैर की चोट के कारण वे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मैड्रिड में उनका मुकाबला शनिवार को होना था। अल्काराज ने बताया कि उन्हें ऊपरी पैर में पहले से चोट थी, जो उन्हें बीते रविवार को बार्सिलोना ओपन के फाइनल के दौरान भी परेशान कर रही थी। इसके अलावा, अब उनके बाएं पैर में भी चोट है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही उन्होंने खेलने से इनकार करने का फैसला लिया।

अल्काराज ने 2022 और 2023 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीता था। इस बार वे टूर्नामेंट के दूसरे वरीय खिलाड़ी थे और उनका ड्रा नोवाक जोकोविच के साथ एक ही हाफ में था। बार्सिलोना फाइनल में होल्गर रून से हार के दौरान उन्हें ट्रीटमेंट लेना पड़ा था। अल्काराज ने कहा कि उनकी ये चोट फ्रेंच ओपन में खेलने में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने हासिल कर लिया है।

अल्काराज ने इस साल अब तक 24 मुकाबलों में जीत और

पिछले साल रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) में अलेक्जेंडर ज़्वेरेव को हराकर खिताब जीता था। इस बार भी वे खिताब बचाने उतरेंगे। ज़्वेरेव ने हाल ही में म्यूनिख ओपन जीतकर अल्काराज को पीछे छोड़ दूसरा स्थान केवल 5 में हार दर्ज की है। उन्होंने फरवरी में रॉटरडैम (हार्ड कोर्ट) और अप्रैल में मोंटे कार्लो (क्ले कोर्ट) पर खिताब जीता है। हालांकि, हालिया कार्यक्रम को लेकर उन्होंने थकान की शिकायत भी की थी।

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज 2025: कार्लसन की गैरमौजूदगी में प्रज्ञानानंद खिताब के प्रबल दावेदार

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट शनिवार से शुरू हो रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इस बार नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद खिताब के सबसे बड़े दावेदारों में शुमार हो गए हैं। इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथंबरम भाग ले रहे हैं। कार्लसन की गैरमौजूदगी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है और ऐसे में प्रज्ञानानंद की तेजी से खेले जाने वाले फॉर्मेट में सटीकता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब जीता था, जिससे उनके आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अरविंद चिथंबरम ने प्राग मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन कर यह वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल की है। यह टूर्नामेंट उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह होगा, जहां उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का सामना करना है। फ्रांस के अलीरेजा फिरूजजा को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा

रहा है। वहीं उनके हमवतन मैक्सीम वाचिए-लाग्रेव भी पिछले दशक में फ्रेंच खिलाड़ियों की छवि को आगे बढ़ाने की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। पोलैंड के डूडा और अमेरिका के लेवोन अरोनियन भी खिताब की रेस में रह सकते हैं। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल फॉर्मेट में अपनी रुचि कम होने की बात स्वीकार करते हुए इस टूर्नामेंट से दूरी बना ली है। वे अब 'फ्रीस्टाइल चेस' की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हाल ही में लगातार दो टूर्नामेंट जीत चुके हैं।

इस टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसके साथ-साथ पूरे सीजन के अंत में ग्रैंड प्राइज का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। हर टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर अंक मिलते हैं, जो अंत में ग्रैंड चेस टूर के विजेता का फैसला करेंगे।

मैड्रिड ओपनः स्वियातेक ने मियामी की हार का लिया बदला, एलेक्स ईला को दी शिकस्त

एजेंसी

मैड्रिड। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में रोमांचक मुकाबले में फिलीपींस की 19 वर्षीय उभरती सितारा एलेक्स ईला को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले महीने मियामी ओपन में ईला से मिली करारी हार के बाद यह जीत स्वियातेक के लिए बदला लेने जैसी रही।मैच की शुरुआत में ईला ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वियातेक की सर्विस तोड़ी और पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। लेकिन इसके बाद स्वियातेक ने अनुभव का फायदा उठाते हुए गेम पर पकड़ मजबूत की और अगले दोनों सेट 6-4, 6-2 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। एलेक्स ईला ने मियामी ओपन में स्वियातेक को सीधे सेटों में हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने उस टूर्नामेंट में जेलेना ओस्टापेंको और मैडिसन कीज़ जैसी ग्रैंड स्लैम विजेताओं को भी शिकस्त दी थी। हालांकि उनका सफर सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला के हाथों हार के साथ समाप्त हुआ था। इस प्रदर्शन की बदौलत वह टॉप 100 में जगह बनाने वाली पहली फिलिपिना खिलाड़ी बनीं और फिलहाल रैंकिंग में 72वें स्थान पर हैं। दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी और गत विजेता स्वियातेक इस साल अब तक तीन सेमीफाइनल (ऑस्ट्रेलियन ओपन, इंडियन वेल्स, और एक अन्य) तक पहुंच चुकी हैं लेकिन फाइनल नहीं खेल सकी हैं। पिछले हफ्ते स्टटगार्ट में उन्हें जेलेना ओस्टापेंको के हाथों तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

अन्य मुकाबलों में एंड्रीवा और निशिकोरी का जलवा

महिला वर्ग में रूस की मिर्रा एंड्रीवा ने मैरी बौजकोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। ब्राज़ील की बीया हद्दाद माियाया ने पेरा को 2-6, 6-3, 6-1 से मात दी। अमेरिका की केटी वोलिनेट्स को डायना श्नाइडर ने 6-1, 6-2 से हराया जबकि एम्मा नवारो ने माया जॉइंट को 7-5, 7-5 से हराकर जीत दर्ज की।

केई निशिकोरी का 450वां टूर-स्तरीय जीत

पुरुष वर्ग में जापान के पूर्व विश्व नंबर 4 केई निशिकोरी ने अलेक्जेंडर वुकिक को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर अपने करियर की 450वीं टूर-स्तरीय जीत दर्ज की। उन्होंने कहा, 'मुझे इसका अंदाजा नहीं था। बस एक-एक मैच खेलता हूं अब तक 18 साल का सफर रहा है, उम्मीद है 500 तक पहुंच जाऊं।' उनका अगला मुकाबला 29वीं वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव से होगा।

खिलाड़ियों को आवेदन की जरूरत नहीं,अब सरकार खुद देगी इनामः मनसुख मांडविया

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में डिजीलॉकर के माध्यम से खेल प्रमाणपत्र जारी करने के पहल की शुरुआत की।

इस मौके पर उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च का भी उद्घाटन किया।डॉ. मांडविया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की हर खेल पहल खिलाड़ी-केंद्रित है। उन्होंने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2024, नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी 2024 और एंटी डोपिंग कानून के खिलाफ नेशनल कोड 2025 जैसे कदम सरकार की पारदर्शिता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मांडविया ने ऐलान किया कि डिजीलॉकर से जुड़े खेल प्रमाणपत्र जल्द ही नेशनल स्पोर्ट्स रिपॉजिटरी सिस्टम से जोड़े जाएंगे। इससे खिलाड़ियों को सरकार द्वारा मिलने वाली नकद पुरस्कार राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में सीधे मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ी को सरकार से इनाम पाने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा। जब पूरी दुनिया ने देखा है कि उसने पदक जीता है, तो फिर प्रमाण देने की जरूरत क्यों? मांडविया ने 2036 ओलंपिक की मेज़बानी की तैयारी के रोडमैप का जिक्र किया और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेज़बानी में भी रुचि दिखाई।

आरसीबी ने घरेलू मैदान पर दर्ज की सीजन की पहली जीत, राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। आईपीएल 2025 के 42वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 11 रनों से शिकस्त दी। यह जीत आरसीबी की इस सत्र में अपने होम ग्राउंड पर पहली है और इसके साथ ही टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की टीम ने 5 विकेट पर 205 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ओपनर्स फिल सॉल्ट (26) और विराट कोहली (70) ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। कोहली ने अपनी 70 रनों की शानदार पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (50 रन) ने विराट के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 105 रनों की अहम साझेदारी की।

अंत में टिम डेविड (23 रन, 15 गेंद) और जितेश शर्मा (नाबाद 20 रन, 10 गेंद) की तेज पारियों ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने दो विकेट, जबकि हसरंगा और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक विकेट लिया। 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी रही। यशस्वी जायसवाल (49 रन, 19 गेंद) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, लेकिन उन्हें जॉश हेजलवुड ने आउट कर दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते गए। रियान पराग (22 रन), नीतीश राणा (28 रन) और हेटमायर (11 रन) पिच पर टिक नहीं सके। हालांकि ध्रुव जुरेल (47 रन) ने अंत तक संघर्ष किया, लेकिन जोश हेजलवुड के शानदार 19वें ओवर ने मैच का रुख पूरी तरह आरसीबी की ओर मोड़ दिया। राजस्थान की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट पर 194 रन ही बना सकी और मैच 11 रन से हार गई।

आरसीबी के लिए जॉश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट झटके। भुवनेश्वर कुमार को एक सफलता मिली। इस जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए हैं, और अब वो गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के साथ शीर्ष तीन में शामिल हो गई है।

मुंबई सिटी एफसी ने कलिंगा सुपर कप में चेन्नईयिन एफसी को 4-0 से हराया

भुवनेश्वर। लल्लियनज़ुआला छांगते के दो गोल के शानदार गोल के दम पर मुंबई सिटी एफसी ने कलिंगा सुपर कप के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में चेन्नईयिन एफसी को 4-0 से हरा दिया।कलिंगा स्टेडियम में बुधवार रात खेले गये मुकाबला का पहला हाफ 1-0 से बराबरी पर समाप्त हुआ। मुंबई सिटी एफसी की ओर से निकोलाओस करेलिस ने (43वें) मिनट पहला गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद लल्लियनज़ुआला छांगते ने (64वें, 86वें) मिनट में दो गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद सब्सटीट्यूट बिपिन सिंह ने (90वें) में गोलकर मुकाबला 4-0से जीत लिया।लल्लियनज़ुआला छांगते को उनके शानदार खेल के लिए कलिंगा प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार से नवाजा गया।

सैफ चैंपियनशिप 2025 स्थगित, अब 2026 में होगा आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) ने घोषणा की कि आगामी सैफ चैंपियनशिप 2025 को स्थगित कर अब 2026 में आयोजित किया जाएगा। महासंघ के मुताबिक, प्रतियोगिता को बेहतर और भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए अभी और तैयारियों की आवश्यकता है। हालांकि अभी तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है।

सैफ ने अपने मीडिया बयान में कहा, हमारे सदस्य संघों और साझेदार स्पोर्टफाइव के साथ विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि टूर्नामेंट की सफलता सुनिश्चित करने हेतु इसे 2026 तक के लिए टाल दिया जाए, जिससे सभी संबंधित पक्षों को आयोजन के लिए पर्याप्त समय मिल सके। 2025 संस्करण को शुरू में होम एंड अवे फॉर्मेट में कराने की योजना थी, जिसे बाद में बदलकर श्रीलंका में केंद्रीकृत

आयोजन का निर्णय लिया गया था। हालांकि, अब वह योजना भी रद्द कर दी गई है और आयोजन की नई तारीख और स्थान की घोषणा अभी नहीं की गई है। सैफ ने यह भी बताया कि चूंकि 2026 में फीफा वर्ल्ड कप भी आयोजित होगा, इसलिए समय और स्थान के निर्धारण में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी ताकि दोनों टूर्नामेंटों में तालमेल बना रहे।

बयान में आगे कहा गया, हम अपने सभी प्रशंसकों, मीडिया और सदस्य संघों से अनुरोध करते हैं कि वे हमारे साथ सहयोग करें ताकि सैफ चैंपियनशिप को एक प्रतिष्ठित और त्रुटिहीन आयोजन के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में यह टूर्नामेंट भारत में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ था, जहां भारत ने रिकॉर्ड नौवीं बार खिताब जीता था। भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री को उस संस्करण में गोल्डन बॉल (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी) और गोल्डन बूट (सर्वाधिक गोल) से सम्मानित किया गया था।

फेडरेशन कपः ओडिशा के अनीमेश कुजुर ने 200 मीटर दौड़ में तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी

कोच्चि। ओडिशा के अनिमेष कुजूर ने कोच्चि के महाराजा स्टेडियम में संपन्न राष्ट्रीय महासंघ सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में पुरुषों की 200 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 20.40 सेकंड में दौड़ को पूरा करते हुए पिछले रिकॉर्ड धारक अमलान बोरगोहेन को पीछे छोड़ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दौड़ पूरी करते ही अनीमेश ने जोरदार गर्जना के साथ अपनी खुशी का इज़हार किया। उन्होंने कहा, 100 मीटर में शानदार प्रदर्शन के बाद मुझे यकीन हो गया था कि 200 मीटर में कुछ बड़ा होने वाला है। अनीमेश के कोच मार्टिन ओवेन्स, जो उन्हें ओडिशा रिलायंस सेंटर में प्रशिक्षण देते हैं, ने कहा, यह सफलता लंबे समय से प्रतीक्षित थी। हमें उन एथलीट्स का भी धन्यवाद करना चाहिए जिन्होंने उन्हें प्रेरित किया– मणि, रघुल और अमलान।

ट्रिपल जंप और लॉन्ग जंप में भी रिकॉर्ड की बौछार

वहीं तमिलनाडु के प्रवीण चित्रवेल ने भी ट्रिपल जंप में 17.37 मीटर की छलांग लगाकर न केवल अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की, बल्कि टोक्यो वर्ल्ड्स के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। उन्होंने अपनी जर्सी के पीछे '17.20मिनट फॉर माई कोच यॉन्ड्रिस' लिखकर एक भावुक संदेश भी दिया। प्रवीण ने कहा, 'मैं अपनी एड़ी की चोट से जूझ रहा था, इसलिए सिर्फ तीन प्रयासों के बाद रुक गया।' इस स्पर्धा में एशियाई चैंपियन अब्दुल्ला अबूबक्कर ने 16.99 मीटर के साथ रजत पदक जीता। वहीं, लंबी कूद में शैली सिंह ने शानदार 6.64 मीटर की छलांग लगाकर अपनी मेंटर अंजू बॉबी जॉर्ज का 23 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता एंसी सोजन को 6.46 मीटर के साथ दूसरा स्थान मिला। शैली के कोच रॉबर्ट बॉबी जॉर्ज ने उम्मीद जताई थी कि वह 6.75 मीटर तक जाएंगी। हालांकि शैली उस आंकड़े तक नहीं पहुंच सकीं, लेकिन पिछले दो सालों में यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

शॉट पुट और जैवलिन में भी चौंकाने वाले नतीजे

शॉट पुट में समरदीप गिल ने 19.34 मीटर की थ्रो के साथ एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता तजिंदरपाल सिंह तूर (18.77 मीटर) को पीछे छोड़ दिया और सभी को चौंका दिया। महिलाओं की भाला फेंक प्रतियोगिता में अन्नू रानी अपनी पूरी लय में नहीं थीं, लेकिन फिर भी उन्होंने आराम से खिताब जीत लिया। फेडरेशन कप का यह संस्करण भारतीय एथलेटिक्स के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। नए रिकॉर्ड, उभरते सितारे और अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी ने इसे यादगार बना दिया है।

विक्रम सोलर को महाराष्ट्र से 150 मेगावाट सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ऑर्डर

एजेंसी

कोलकाता। भारत के सबसे बड़े और सबसे विश्वसनीय सौर पीवी मॉड्यूल निर्माताओं में से एक, विक्रम सोलर लिमिटेड को महाराष्ट्र सरकार की पहल, महाराष्ट्र स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी ने घोषणा की है कि, उसे महाजेनको की 150 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। यह रणनीतिक ऑर्डर कंपनी के परियोजना पोर्टफोलियो में उच्च क्षमता वाले सौर मॉड्यूल भी शामिल हो गये है। यह ऑर्डर भारत की अनुमोदित मॉडल और निर्माता सूची (एएलएमएम) में अग्रणी कंपनियों में से एक के रूप में कोलकाता मुख्यालय वाली विक्रम सोलर की स्थिति को और मजबूत करता है। कंपनी 150 मेगावाट क्षमता वाले उन्नत एन-टाइप मॉड्यूल की आपूर्ति करेगी। ये मॉड्यूल अपने उच्च प्रदर्शन और ऊर्जा उत्पादन के लिए जाने जाते हैं। ये मॉड्यूल मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना (एमएसकेवीवाई) परियोजना 2.0 के तहत महाराष्ट्र राज्य के जलगांव और सोलापुर जिलों में महाजेनको परियोजनाओं को प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, इस ऑर्डर के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह मॉड्यूल वितरित किए जाएंगे। इस परियोजना के कार्यान्वयन से महाराष्ट्र की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी। यह भी आशा है कि, इससे कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा पर्यावरणीय स्थिरता को और बढ़ाने में मदद मिलेगी। विक्रम सोलर के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री ज्ञानेश चौधरी ने कहा, हमें यह ऑर्डर पाकर बहुत गर्व है।

क्रेडिफिन लिमिटेड ने 213.6 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाईः गुप्ता

जालंधर। अचल संपत्ति के बदले बंधक ऋण (संपत्ति के बदले ऋण या एलएपी) और ई-वाहनों, मुख्य रूप से ई-रिक्शा, ई-लोडर और ईवी, दुपहिया वाहन को वित्तपोषण प्रदान करने वाली गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी क्रेडिफिन लिमिटेड (पहले पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) ने इक्विटी और ऋण के रूप में 213.6 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। क्रेडिफिन लिमिटेड के सीईओ शल्य गुप्ता ने यहां बताया कि कंपनी भारत के मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध, एनबीएफसी है। इसका मुख्यालय जालंधर और इसका कॉर्पोरेट कार्यालय दिल्ली-एनसीआर में है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने इक्विटी और ऋण के रूप में 2.49 करोड़ अमेरिकी डॉलर (213.6 करोड़ रुपये) की पूंजी जुटाई है। इसमें लगभग 6.7 प्रतिशत इक्विटी और 93.3 प्रतिशत ऋण शामिल है। इस पैसे का इस्तेमाल कंपनी द्वारा अपने परिचालन वाले क्षेत्रों में देखी जा रही जोरदार वृद्धि को निधि देने के लिए किया जाएगा। श्री गुप्ता ने कहा कि क्रेडिफिन ने पिछले चार वर्षों में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए विकास की गति को तेज कर दिया है। यह मौजूदा कार्यालयों को मजबूत कर रहा है, तेजी से नए भौगोलिक क्षेत्र खोल रहा है और पारंपरिक ऋण चैनलों से पीछे छूट गए लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए उत्पाद पेश कर रहा है। क्रेडिफिन लिमिटेड देश के वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और श्रृंखला में निचले खंड को व्यवहार्य वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। ऐसे व्यवहार्य वित्तीय समाधान लेकर आ रहा है जो प्रभाव डालते हैं।

ग्रीनलाइन ने बेकार्ट के साथ मिलकर शुरू की ग्रीन लॉजिस्टिक्स की नई पहल

मुंबई। देश में हरित लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए एस्सार समूह की इकाई ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने टायर सुदृढ़ीकरण तकनीकों में वैश्विक अग्रणी कंपनी बेकार्ट के लिए एलएनजी (लिक्विफाइड नैचुरल गैस) संचालित ट्रकों के एक बेड़े को हरी झंडी दिखाई। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह पहल पुणे के समीप स्थित बेकार्ट के रंजनगांव संयंत्र में शुरू की गई है। यह पायलट परियोजना बेकार्ट के लॉजिस्टिक्स संचालन को डीकार्बोनाइज करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो भारत सरकार की गैस-आधारित अर्थव्यवस्था के विज़न के साथ भी मेल खाता है। ग्रीनलाइन के मुताबिक, प्रत्येक एलएनजी ट्रक से सालाना 24 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने की संभावना है। इससे बेकार्ट के उस लक्ष्य को मजबूती मिलेगी, जिसमें वह 2050 तक कार्बन नेट-ज़ीरो बनने और अपनी 65 प्रतिशत बिक्री स्थायी समाधानों से प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड के सीईओ आनंद मिमानी ने कहा, बेकार्ट के साथ हमारी यह साझेदारी दूरदर्शी कॉर्पोरेट्स की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डीएस ग्रुप का अगले पांच साल में 20 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नयी दिल्ली। एफएमसीजी समूह और बहुव्यवसायी कॉर्पोरेशन धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10 हजार करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करते हुए अगले चार से पांच वर्षों में इसको दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 10 हजार करोड़ रुपए के राजस्व के साथ ही यह भारत की शीर्ष 15 एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान खाद्य एवं पेय सेगमेंट का रहा, जो कुल राजस्व का 42 प्रतिशत है। इसके बाद माउथ फ्रेशनर सेगमेंट 38 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी 3 प्रतिशत और अन्य व्यवसायों का संयुक्त योगदान रहा, जिसमें तंबाकू सेगमेंट का हिस्सा 10 प्रतिशत से भी कम है।

2024 की अक्षय तृतीया से अभी तक सोने में हुआ 35 प्रतिशत का फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया है। हिंदू धर्मावलंबी आमतौर पर सोने-चांदी की खरीदारी के लिए धनतेरस के अलावा इस दिन को भी काफी शुभ मानते हैं। पिछले 1 साल के दौरान सोने के भाव में आई तेजी के कारण ठीक अक्षय तृतीया के दिन ही सोना में निवेश करने वाले निवेशकों को अभी तक करीब 35 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। ऐसे में अब लोग इस बात का अनुमान लगाने में जुटे हैं कि इस साल अक्षय तृतीया के दिन सोने में किए गए निवेश का अगले साल अक्षय तृतीया के दिन क्या असर होगा। पिछले साल 10 मई को अक्षय तृतीया थी। उस दिन घरेलू सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका था। वहीं इस साल अक्षय तृतीया से 5 दिन पहले आज 24 कैरेट सोना 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। तीन दिन पहले ही 24 कैरेट सोना का

भाव कुछ देर के लिए 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर भी पहुंच गया था। इस तरह पिछले साल अक्षय तृतीया के दिन 10 मई को सोना में निवेश करने वाले निवेशकों को अभी तक 34.25 प्रतिशत से अधिक का फायदा हो चुका है। माना जा रहा है कि 5 दिन बाद अक्षय तृतीया के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की मांग बढ़ने के कारण इसकी कीमत में और भी तेजी का रुख बन सकता है। हालांकि सोने की चाल अगले 1 साल के दौरान कैसी रहेगी, इसको लेकर मार्केट एक्सपर्ट्स एक मत नहीं हैं। जानकारों का कहना है कि अगर टैरिफ वॉर को लेकर दुनिया भर में बनी असमंजस की स्थिति जल्द खत्म नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को भी पार कर सकता है। दूसरी ओर, अगर वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उतार-चढ़ाव पर काबू पा लिया गया और टैरिफ को लेकर विवाद शांत हो गया, तो सोने की कीमत में बड़ा करेक्शन भी आ सकता है। इस करेक्शन के कारण सोना 75 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक गिर भी सकता है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि पिछले 1 साल के दौरान वैश्विक स्तर पर बढ़ी महंगाई, दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा की गई सोने की खरीदारी और दुनिया के कई देशों के बीच व्यापार तनाव की वजह से निवेशकों ने सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में निवेश करना ज्यादा पसंद किया। इसी वजह से पिछले 1 साल की अवधि में सोने की कीमत में लगभग 35 प्रतिशत तक का उछाल आ गया।

मुकेश अंबानी ने पहलगाम हमले में घायलों के मुफ्त इलाज की पेशकश की

एजेंसी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले के घायल लोगों के लिए रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में मुफ्त इलाज की पेशकश की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। पहलगाम आतंकी हमले पर मुकेश अंबानी ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में निर्दोष भारतीयों की मौत पर रिलायंस परिवार के सभी सदस्यों के साथ शोक व्यक्त करता हूं। हम हमले में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। अंबानी ने कहा कि मुंबई में हमारा रिलायंस फाउंडेशन सर एचएन अस्पताल पहलगाम आतंकी हमले में सभी घायलों को मुफ्त इलाज मुहैया कराएगा। रिलायंस परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारत सरकार और पूरे देश के साथ पूरी तरह से खड़ा है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। इसे किसी भी तरह से किसी भी व्यक्ति द्वारा समर्थन नहीं दिया जाना चाहिए।

एलआईसी ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए रियायतों का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी में हुई निर्दोष लोगों की दुखद मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एलआईसी ने मृतक व्यक्तियों के लिए मृत्यु दावों के निपटान में तेजी लाने के लिए विशेष विंडो की घोषणा की है।

एलआईसी ने पीड़ितों के मृत्यु दावे को जल्द से जल्द निपटाने के लिए विशेष रियायतों की घोषणा भी की है। मृत व्यक्तियों के आश्रितों को वित्तीय राहत प्रदान करने और दावों के निपटान में तेजी लाई जाएगी। एलआईसी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि एलआईसी ऑफ इंडिया इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। सिद्धार्थ मोहंती ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मृत्यु प्रमाण पत्र के बदले केंद्र या राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया गया

कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। एलआईसी ने कहा कि नॉमिनी को पता होना चाहिए कि मृत्यु दावा दायर करने की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑफलाइन है। होम ब्रांच से संपर्क करने से पहले मृत्यु दावा दायर करने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज़ अपने पास रख लेने चाहिए, जहां से पॉलिसी जारी की गई थी। बीमा कंपनी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि प्रभावित परिवारों के दावों का शीघ्रता से निपटान किया जाए। आगे की सहायता के लिए दावेदार निकटतम एलआईसी शाखा/मंडल/ग्राहक क्षेत्रों से संपर्क कर सकते हैं।

डॉलर के मुकाबले 17 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स की कमजोरी और मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक जारी रहने के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में 17 पैसे की मजबूती के साथ 85.26 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 85.43 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ की थी। पूरे दिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद रुपये ने न केवल निचले स्तर से रिकवरी की, बल्कि डॉलर की तुलना में मजबूत स्थिति में पहुंच कर बंद हुआ।

भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 15 पैसे की कमजोरी के साथ 85.58 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 24 पैसे फिसल कर 85.67 के स्तर तक भी आ गया था, लेकिन इसके बाद डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया 19 पैसा मजबूत होकर 85.24 के स्तर तक

पहुंच गया। हालांकि बाद में शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण बढ़ी डॉलर की मांग के कारण रुपया ऊपरी स्तर से थोड़ा गिर कर 85.26 के स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती दिखाई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 36 पैसे की मजबूती के साथ 113.43 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 46 पैसे की मजबूती के साथ 97.07 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा।

मौद्रिक नीति समिति की पिछली बैठक में एक ही राग अलाप रहे थे सदस्य

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) में अप्रैल की बैठक की कार्यवाही के विवरण में सदस्यों के विचारों में उल्लेखनीय तालमेल दिखा। उल्लेखनीय है कि सात से नौ अप्रैल को हुई इस बैठक में रिजर्व बैंक ने अपनी मुख्य ब्याज दर को 0.25 प्रतिशत घटा कर छह प्रतिशत पर ला दिया है और उसके बाद बैंकिंग क्षेत्र में ब्याज में नरमी दिखने लगी है। रिजर्व बैंक द्वारा एमपीसी की इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आयात-प्रशुल्क के फैसलों से संभावित नकारात्मक प्रभाव के जोखिमों के साथ ही भारत में मुद्रास्फीति में गिरावट को भी रेपो रेट-कटौती के निर्णय का आधार बताया गया। बैठक में माना गया है कि वैश्विक अनिश्चितता को देखते हुए निकट अवधि के नीतिगत-मार्ग पर स्पष्टता लाने की आवश्यकता है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती के प्रस्ताव का पक्ष लेते हुए बैठक में कहा, ऐसे समय जब खुदरा मुद्रास्फीति अच्छी तरह से 4.0 प्रतिशत के अपने लक्षित स्तर के आसपास है और आर्थिक वृद्धि दर अब भी मध्यम स्तर पर है और इसमें सुधार हो रहा है, तो ऐसी मौद्रिक नीति वृद्धि की गति को और बढ़ाने के लिए घरेलू मांग आवेगों को पोषित करने वाली होनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि आगे भी, विकसित विकास-मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र को देखते हुए, मौद्रिक नीति को समायोजन करने की आवश्यकता है। वित्तीय सेवा कंपनी एमके ग्लोबल ने आरबीआई की बैठक के विवरण का विश्लेषण करते हुए कहा है कि एमपीसी की जून की अगली द्वैमासिक बैठक में भी ब्याज में 0.25 प्रतिशत की कमी तय है और उसके बाद आगे चल कर 0.25-0.50 प्रतिशत तक कटौती की जा सकती है। एमके ग्लोबल ने कहा है कि इस बैठक में एमपीसी के सदस्य एक ही राग अलाप रहे हैं। सदस्यों के विचारों और दृष्टिकोण में उल्लेखनीय तालमेल दिखाई देता है जो कि रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने के सर्वसम्मत निर्णय से स्पष्ट है। इस रुख को 'तटस्थ' से बदल कर उदार या 'समायोज्य' में बदल दिया गया है। बैठक में सदस्य इस राय के सहमत थे कि मुद्रास्फीति के सौम्य स्थिति और आगे इसमें नरमी बने रहने के परिदृश्य के बीच आर्थिक वृद्धि का समर्थन करने की आवश्यकता है। एमपीसी एकमत थी कि अमेरिका की शुल्क की घोषणाएं बनी रही तो वैश्विक आर्थिक वृद्धि को काफी क्षती पहुंचेगी और उसका भारत की निकट अवधि की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं को भी नुकसान पहुंचेगा। समिति के ज्यादातर सदस्यों ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित है जो महत्वपूर्ण वैश्विक झटकों के खिलाफ एक बफर की सुविधा उपलब्ध कराती है। गवर्नर मल्होत्रा का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग वैश्विक बाधाओं के खिलाफ एक सुरक्षा प्रदान करेगी। डॉ. राजीव रंजन ने भारत की अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति की ओर इशारा किया क्योंकि यह मुख्य रूप से घरेलू संचालित है। सदस्यों ने राय व्यक्त की कि बाहरी हालात से के संभावित प्रभाव से वृद्धि के लिए जोखिम बढ़ गए हैं। सौगत भट्टाचार्य अमेरिकी प्रशुल्क कार्रवाई के मद्देनजर ऐसे संभावित बाहरी प्रभावों के असर को लेकर थोड़ा अधिक चिंतित थे ।

नाबार्ड ने ग्रामीण ऋण डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए ऐग्री-फ़िनटेक स्टार्टअप 24×7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में 10फीसदी हिस्सेदारी हासिल की

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई, 24 अप्रैल 2025 - नैशनल बैंक फ़ॉर ऐग्रीकल्चर ऐंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने अगली पीढ़ी के ऐग्री-फ़िनटेक उद्यम, 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। यह किसी बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप में नाबार्ड का पहला निवेश है, जो ग्रामीण भारत में डिजिटल बदलाव के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है। 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड का प्रमुख प्लैटफ़ॉर्म, eKisanCredit , सहकारी बैंकों, PACS और RRB के लिए डिज़ाइन किया गया एक पूरी तरह से डिजिटल लोन ओरिजिनेशन सिस्टम है। eKCC प्लैटफ़ॉर्म भूमि रिकॉर्ड, आधार, eKCC, कोर बैंकिंग सिस्टम और ePACS के साथ मूल रूप से एकीकृत करता है, जो ग्रामीण क्रेडिट लाइफ़साइकल के एंड-टू-एंड ऑटोमेशन को सक्षम करता है। पिछले ढाई वर्षों में, नाबार्ड ने कई बैंकों में eKCC का संचालन किया है और यह प्रणाली अब राष्ट्रव्यापी स्तर पर रोल-आउट के लिए तैयार है। नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के.वी. ने कहा, 'नाबार्ड को एक ऐसे स्टार्टअप का सहयोग करने पर गर्व है जो ग्रामीण वित्तीय क्षेत्र में नवाचार और प्रभाव शामिल करता है। "eKCC ने कृषि ऋण के वितरण के मामले में ऐक्सेस, पारदर्शिता और दक्षता में सुधार करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह रणनीतिक सहयोग सहकारी बैंकों, PACS और RRBs को छोटे और हाशिये पर खड़े किसानों को तेज़ी-से, पारदर्शी और अधिक समावेशी ऋण सेवाएँ मुहैया करवाने में मदद करेगा।

केंद्र ने भूमिगत कोयला खनन में तेजी लाने के लिए अग्रिम भुगतान से छूट दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सराकर ने भूमिगत कोयला ब्लॉक के परिचालन में तेजी लाने के लिए अग्रिम भुगतान से छूट देने जैसे नए प्रोत्साहन उपायों की घोषणा की। भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने से जुड़ा यह कदम देश के टिकाऊ कोयला उत्पादन अभियान के तहत उठाया गया है।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक भूमिगत कोयला खदानों के लिए राजस्व हिस्सेदारी का न्यूनतम प्रतीशत चार फीसदी से घटाकर दो फीसदी कर दिया गया है। इस कमी से पर्याप्त राजकोषीय राहत मिलेगी और वित्तीय रूप से भूमिगत परियोजनाओं व्यवहारिक होंगी। इसके साथ ही भूमिगत खनन उद्यमों के लिए अनिवार्य अग्रिम भुगतान की

आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। यह उपाय वित्तीय बाधा को दूर करने के साथ ही निजी क्षेत्र से व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करेग, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

मंत्रालय के मुताबिक इन प्रोत्साहन उपायों के साथ भूमिगत कोयला ब्लॉक के लिए प्रदर्शन सुरक्षा पर मौजूदा 50 फीसदी छूट को बरकरार रखा गया है। यह सामूहिक रूप से प्रवेश सीमा को कम करता है और परियोजना क्रियान्वयन को भी सुचारू बनाता है।

भूमिगत कोयला खनन अधिक पर्यावरण अनुकूल है, क्योंकि यह खुले खदान में खनन की तुलना में सतह पर काफी कम बाधा उत्पन्न करता है। इन नीतिगत उपायों से कंपनियों के आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित होने की उम्मीद है जो पर्यावरण संतुलन सुनिश्चित करते हुए उत्पादकता को बढ़ावा देंगे।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा मार्च तिमाही में 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित?त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 934.17 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया ने शेयरधारकों को 10 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है। स्विस बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को नियामकीय फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि कंपनी की उत्पादों की बिक्री से आय जनवरी-मार्च तिमाही में 3.67 फीसदी बढ़कर 5,447.64 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,254.43 करोड़ रुपये थी।

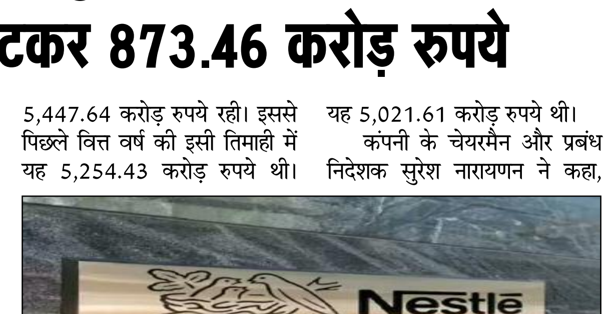

कंपनी का मार्च तिमाही में कुल खर्च 4,307.76 करोड़ रुपये रहा। नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में 4.24 फीसदी बढ़कर 5,234.98 करोड़ रुपये रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,021.61 करोड़ रुपये थी।

कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने कहा, ''जनवरी-मार्च तिमाही में पेय पदार्थ और कन्फेक्शनरी में दहाई अंक की वृद्धि हुई है। हमारी घरेलू बिक्री 5,235 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई, जो किसी भी तिमाही में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है।'

सोनीपत की मंडियों में 3,65,429 टन गेहूं की आवक

सोनीपत। हरियाणा में सोनीपत की विभिन्न मंडियों में शाम तक तीन लाख 65 हजार 429 टन गेहूं की आवक हो चुकी है। यह जानकारी उपायुक्त मनोज कुमार ने दी। उन्होंने बताया तीन लाख 65 हजार 429 गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने एक लाख 14 हजार 31 टन, हैफेड एक लाख 50 हजार 683 टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग 76 हजार 977 टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) दस हजार 842 टन गेहूं एवं आमजन के द्वारा (कमर्शियल गेहूं) 12896 टन गेहूं की खरीद की

जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में बरोदा खरीद केन्द्र पर 3995 टन, भैंसवाल 3750 टन, बिचपड़ी 1204 टन, दातौली 4973 टन, फरमाणा 9684 टन, गन्नौर 31574 टन, गोहाना 124894 टन, हुल्लाहेड़ी 1268 टन, कासंडी 8580 टन, कथूरा 6994 टन, खानपुर खरीद केन्द्र पर 8142 टन, खरखौदा 54977 टन, मोहाना 9574 टन, मुण्डलाना 8040 टन, मुरथल 9835 टन, नाहरा 7890 टन, पुगथला 11550 टन, पुरखास 7887 टन, रूखी 10315 टन, सनपेड़ा 9074 टन तथा सोनीपत 31229 टन गेहूं की आवक हुई है। उपायुक्त ने बताया कि तीन लाख 65 हजार 429 टन गेहूं को 29 हजार 42 किसान लेकर आए हैं ।

शेयर बाजार में 7 कारोबारी दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली, 24 अप्रैल (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 7 कारोबारी दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचे, लेकिन थोड़ी देर में ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 429.63 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 84 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,086 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,922 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,013 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,541 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,210 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,331 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 58.06 अंक फिसल कर 80,058.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद यह सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से उछल कर हरे निशान में 80,173.92 अंक के स्तर तक पहुंचा। बाजार की ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। थोड़ी ही देर बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से यह सूचकांक लगातार गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे तक यह सूचकांक 391.94 अंक टूट कर 79,724.55 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 75 अंक की रिकवरी करके 315.06 अंक की कमजोरी के साथ 79,801.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 51.05 अंक की गिरावट के साथ 24,277.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 18.90 अंक की तेजी के साथ 24,347.85 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई।

इस तरह से करें बेकार पड़े प्लास्टिक के कपों का इस्तेमाल

हम सभी बाजार से बहुत सी ऐसी चीजें ला कर इस्तेमाल करते हैं जो प्लास्टिक के कपों, बोतल, बर्तनों, थैलों आदि में आती है। हम घर की सफाई करने के लिए इन कपों, बोतलों आदि का इस्तेमल करने के बाद कचरे में फेक देते हैं। पर यह सभी चीजें फेंकने के बाद भी जल्दी से गलती नहीं हैं। ऐसी प्लास्टिक की चीजों को गलने में बहुत समय लगता है। बहुत से शहरों और राज्यों में इन चीजों का उपयोग करने के लिए प्रतिबंध लगाएं गए हैं। इसलिए आज हम आपको इन प्लास्टिक के कपों को घर में इस्तेमाल करने के लिए कुछ आसान से टिप्स बताएगें। इसे आप इन चीजों को फिर से रीसायकल बिन कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं...

- पेन रखने के लिए स्टैंड बनाएं

आप इन कपों से पेन रखने के लिए स्टैंड बना सकते हैं। ताकि बच्चें अपना प्रोजेक्ट बनाने का सारा सामान इसमें इकट्ठा करके रख सकें। - टूथब्रश रखने के लिए होल्डर अक्सर हम सभी जब बाजार से दही लेकर आते हैं तो दही खाने के बाद उन कपों को फेक देते हैं। आप इन कपों को फेंकने की जगह रंगों से डिजाइन बना कर घर में इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे कि उन्हें बाथरूम में टूथब्रश रखने के लिए होल्डर बना कर टांग सकते हैं।

- पैसे रखने के लिए

आप इन बेकार पड़े प्लास्टिक कपों में टूटे सिक्कों रख सकते हैं, ताकि आप सिक्को को एक जगह पर रखे सकें और ढूंढने में किसी तरह की दिक्कत भी न हो। - एस्सेसरीज चीजें रखने के लिए

जब भी हम किसी फंक्शन से आते हैं तो अपनी कीमती चीजें जैसे कि ईयरिंग्स या चैन आदि को घर में कही भी रख देते हैं। जिसे यह सारी चीजें गुम हो सकती हैं। इसलिए इन्हें एक जगह पर रखने के लिए ऐसी एस्सेसरीज चीजों को इकट्ठा करके इन प्लास्टिक कपों में संभाल कर रख सकती हैं। - पौधे लगाने के लिए बीज बोएं

आप घर में इन बेकार पड़े प्लास्टिक कपों और बाल्टियों में मिट्टी डालकर पौधो के बीज लगा सकते हैं, जैसे कि धनिया, पुदिना आदि के बीज। - कपों का पेपरवेट बनाएं

बाजार से मंहगे पेपरवेट लाने की जगह पर आप घर में बेकार पड़े सामान और प्लास्टिक के हैवी कपों का पेपरवेट बना सकते है। - कलर पैलेट

अगर आपके बच्चों चित्रकला का करने का शौक रखते हैं तो उन्हें रंगों के अलग-अलग शेड बनाने के लिए प्लास्टिक के कप दें सकते है। इन कपों में रंग सूखते नहीं है और उन्हें इस्तेमाल में भी लाया जा सकता हैं।

घर में कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

आजकल हर घर में कॉकरोच आम देखने को मिलते हैं। कॉकरोच घर में जगह-जगह पर आपना घर बना कर मजे से रहते हैं। ऐसे में अगर हमारी किचन में खाने पीने की चीजों के आस पास कॉकरोच घुमते रहें तो पेट जैसी बहुत सी बीमारियां हो जाती हैं। अगर आप कॉकरोचों से परेशान हो गए है तो आज हम आपको कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए कुछ आसान से घरेलू टिप्स बताएगें। तो आइए जानते हैं...

- लौंग

वैसे तो हम सभी लौंग का इस्तेमाल खाने में करते हैं, पर अगर आपके रसोईघर में बहुत ज्यादा कॉकरोच है तो उनसे मुक्ती पाने के लिए भी इसका उपयोग कर सकते है। ऐसे में अगर आप किचन कैबिनेट के अंदर थोड़े लौंग रख दें ताकि कॉकरोच भाग जाए।

- रेड वाइन

आप रसोईघर में बनी कैबिनेट के अंदर एक कटोरी में 1/3 रेड वाइन रख कर भी इनका खात्मा कर सकते हैं। - पाउडर वाली चीनी कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए आप एक कटोरी में या फिर किसी बोतल की ढक्कन में चीनी का पाउडर डाल कर रख दें। चीनी को बोरिक एसिड के साथ मिलाकर भी रख सकते है।

- अण्डा

घर में हर कोई अंडा तो खाता ही है। पर हम सभी अण्डे के छिलकों को कचरे के डिब्बा में फेक देते है। अब आप ऐसा न करें। यदि आपकी किचन में कॉकरोच हैं तो उन्हें दूर करने के लिए आप अण्डे के छिलको को कैबिनेट या स्लेब पर रख दें।

- बेकिंग पाउडर

किचन में कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए कटोरे में बेकिंग पाउडर डाल कर कैबिने के अंदर और बाहर रख दें। ध्यान में रखें कि 10-15 दिनों के बाद इस बदल जरूर दें क्योंकि नमी की वजह से इसकी महक चली जाती है।